# He Gazette of India

₩o 34]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 22, 1981 (श्रावण 31, 1903)

No 341

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 22, 1981 (SRAVANA 31, 1903)

इस मांग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

PUBLISHED BY AUTHORITY

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# माग III--खण्ड 1 [PART III-SECTION 1]

उडच न्यायालयों, नियम्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और मारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

्संघ लोक सेवा आयोग

नद्दं दिल्ली-110011, दिनांक 17 जुलाई 1981

सं. एे. 32015/1/80-प्रका. 2--इस कार्यालय की सम-संख्यक अधिसूचना दिनांक 24-4-81 के अन्क्रम में सिन्द, संघ लोक सेवा आयोग एतद् द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी अनुसंधान सहायक (अ. एवं. सां.) तथा स्थानापन्न अनुसंधान अन्वेषक श्री आर. डी. क्षत्रिय को 6-7-81 से तीन मास की अग्रेसर अविध के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, श्रीमती राज कुमारी आनन्द, कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अ. एवं सां.) जो अव-काश पर है, उनके स्थान पर आयोग के कार्यालय में कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अ. एवं सां.) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

> पी. एस. राणा अनुभाग अधिकारी, कृते सचिव, संघ लोक सेवा आयोग

नह दिल्ली-110011, दिनांक 29 जून 1981

सं. ए. 11016/1/76-प्रशा -3--संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में क. स. से. के निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अविधि के लिए अथवा आगामी आविशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डिस्क अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है :---

ऋ० नाम सं०	ग्रवधि
1. श्री एस० के० ग्ररोड़ा	19-8-1981 से भागामी ग्रादेशों तक
2. श्री ग्राई० जे० शर्मा	श्रावशा तक 21-6-81 से 18-8-81 तक

2 ड्रेस्क अधिकारियों के पद पर उनकी नियुक्ति हो जाने पर उपर्युक्त अधिकारी कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का. जा. सं. 12/1/74-सी एस. (1) दिनांक 11-12-1975 की घता के अनुसार रु. 75/- प्र. मा. की दर से विशेष क्षेतन प्राप्त कर्ग ।

# दिनांक 30 जून 1981

सं. ए. 31014/2/81-प्रशां -1—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सिषवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न निम्निलिखित अधिकारियों को जिन्हें उसी संवर्ग में अनुभाग अधिकारी ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित किया गया है, राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामम्ने निर्दिष्ट तारीं सु से संब

(9977)

1-206GI/81

लोक सेवा आयोग के संवर्ग में उक्त सेवा के अग्भाग अधिकारी ग्रेड में स्थायी रूप से सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

% नाम मं०	स्थायीकरण की ता <b>रीख</b>	ग्रभ्युक्ति
सर्वश्री 1. एस० डी० शर्मा	1-4-80	सं० लो० से० झा० में डैस्क श्रधिकारी के पद पर कार्य-
<ol> <li>पी०डी० श्रीवास्तव ें ं</li> <li>के० कोचुगोविन्दन ं</li> <li>के० एल० कत्याल</li> </ol>	1-2-80 1-2-81 19-2-81	रत ।
		में लेखा ग्रधिकारी के पद पर कार्य- रत

सं 32014/1/81-प्रशा -3--संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सिचवालय सेवा के निम्निलिखित स्थायी सहायकों को राष्ट्रपति व्वारा प्रत्येक के सामने निर्विष्ट अविध के लिए अथवा आगामी आदोशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में अन्भाग अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:--

		·
ऋ० सं०	नाम	मनुभाग भ्रधिकारी के पव पर पदोन्नति की स्रवधि
1	2	3
	सर्वश्री	
1.	ग्रार० पी० शर्मा	1-12-80 से 30-4-81 तक
2.	एस० डी० एस० मिन्हास	1-12-80 से 28-2-81 तक
	जे० एल० सूद	1-12-80 से 30-4-81 सक
4.	जी०पी० भट्टा	वही
5.	म्रो०पी० कथूरिया	—वहीं <b></b> —
6.		यही
7.	म्रो० पी० कोटिय <u>ा</u>	-वही
8.	एस० एन <b>०</b> पंडित	<b>-</b> वहीं
9.	एम० एम० श्रसनानी	⊸यहीं
10.	कृष्ण लाल⊸1	<del>-</del> यही
11.	रेमल दास	<b>⊸वही</b> —
12.	के० एम०श्राई० यूसुफ	1-1-81 से 30-4-81 तंक
13.	विश्वेश्वर प्रसाद	—व <b>ही</b> —
14.	जी० के० पिल्ले	<b>–</b> यही−
15.	एच० एस० बेंदी	व <b>ही</b>
16.	एम० के० <b>चौधरी</b>	–यही–
17.	के <b>० एस० पालाचन्द्र</b> न	1-1-81 से 31-8-81 तक
18	रविन्दर मोंगा	<del></del> बही
19	. कुमारी सरोज	वही
	. श्रद्धा नन्द	— <u>यही</u> —
		* *

1 1	3
21. एल० एन० गन्जू	2-12-80 से 31-1-81 तक
22. कृष्ण लाल-II	23-11-80 से 30-4-81 तक
23. एन०पी०एस० गुजराल	9-9-80 से 28-2-81 तक
24. पी० एस० भटनागर	15-9-80 से 31-8-81 तक
25. डी० एस० पह्वा	1-10-80 से 28-2-81 तक
26. छज्जू राम (ग्र॰जा॰)	10-10-80 से 30-4-81 तक
27. एन०पी० एस० रावत	21-10-80 से 31-8-81 तक
28. विजय भल्ला	3-11-80 से 31-8-81 तक
29. भ्रो०सी० नाग	171280 से 31881 तक
30. एस० पी० नायर	24-12-80 <b>से</b> 31-8-81 तक
31. पी० पी० तिवारी	17-2-81 से 31-3-81 तक
32. मेहर सिंह	1-5-81 से 31-7-81 तक
33. सी० एल० शर्मा	17-2-81 से 23-7-81 तक
34. सुदर्शन कुमार	17-2-81 से 18-7-81
35. <b>वी० पी० कप</b> ल	तक 19-5-81 से 15-7-81
३५ वार्गार कपल	19-5-81 से 15-7-81 तक
36. एम० एम० चोपड़ा	19-5-81 से 3-7-81 तक
37. म्रार० के० गौड़	26-5-81 से 12-7-81 तक
38. के० जी० नायर	26-5-81 <b>से 2-7-81</b> तक

### दिनांक 17 जुलाई 1981

सं. ए. 19014/1/81-प्रशा -1—श्री के. जे. चाको, भा ता. सं, प्रभागीय तार इंजीनियर, एम/डब्ल्यू सर्वेक्षण प्रभाग, नई दिल्ली-14 को राष्ट्रपति द्वारा 13 जूलाई, 1981 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

(य. रा. गांधी) अवर सचिव (प्रशा.) संघ लोक सवा आयोग

### गृह मंत्रालय

महानिव शालय, केन्द्रीय रिजर्व प्लिस बल,

. नर्ष दिल्ली-110022, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं. ओ. दो. 926/72-स्थापना-1--श्री सतिन्द्र सिंह, उप-पुलिस अधिक्षक, महानिद्देशालय, के. रि. पू. अल के पंजाब सरकार में प्रतिनियुक्ति पर जाने के फलस्वरूप उनकी सेवाएं 29-5-81 (अपराह्न) से पंजाब सरकार को मींपी जाती है।

### विनांक 7 जुलाई 1981

सं. एफ 8/3/81-स्थापना—-राष्ट्रपित ने कनिष्ट चिकित्सा अभिकारी (जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-2) डा. यक्षु कुमार सिंह

पुन्धीर, पांचवीं वाहिनी, केन्द्रीय रिजर्व प्लिस बल का त्याग्-पत्र दिनांक 22 जून, 1981 अपराहन से स्वीकार कर लिया।

# दिनांक 21 जुलाई 1981

सं० एफ०-दो/15/81—स्था०—राष्ट्रपतिजी, निम्नलिखित सहायक कमान्डेंटों की पदोक्षति पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में श्रिप्रिम श्रावेश तक कमार्डेंट के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. इन कमांडेंटों ने उनके सामने दर्शाई गई तिथि व बटालियन में कार्यभार संभाल लिया है:---

<b>₹</b> 60					कहां से	कहां	कार्यभार
सं० भ्राफिसर का नाम							संभालने की तिथि
			-		<del></del>		
1. श्री स्नार० मी० पुरी					महानिवेशालय	27वीं वाहिनी	23-3-81
<ol> <li>श्री एम ुएल० गर्मा</li> </ol>					2री वाहिनी	40वी वाहिनी	22-3-81
<ol> <li>श्रीके०, केशावन .</li> </ol>					1 3वी वाहिनी	1 3वीं वाहिनी	1-4-81
4. श्री ही ० एस० यादव .	-	·			4वीं वाहिनी	8वीं <b>वा</b> हिनी	24-3-81
<ol> <li>श्री जगबीर .</li> </ol>					37वीं वाहिनी	21न्नीं वाहिनी	21-3-81
<ol> <li>ी मोहर सिं .</li> </ol>		•	•		<b>5</b> 8वीं वाहिनी	· 62वीं वाहिनी	21-3-81
							(भ्रपराह्म)
7. श्री भ्रार० एस० व्होरा		-			ग्रुप केन्द्र गोहाटी	ग्रुप केन्द्र गोहाटी	21-3-81
8. श्री एस० ए० खान					"	65वीं वाहिनी	21-3-81
9. श्रीएच०एस०सन्धू.		i			41वीं वाहिनी	1वीं वाहिनी	20-4-81
							(श्रपराह्न)
10. श्री ग्रमीलाल यादव .		•		4	2 7वीं वाहिनी	9वीं वाहिनी	21-3-81
11. श्री न० रामचन्द्रन .				•	2 2वीं वाहिनी	22वीं वाहिनी	21-3-81
12. श्री स्वर्ण सिंह .		•	•		महानिदेशालय	6 4बीं वाहिनी	23-3-81
13. श्री पी० जे० शेी .		•		•	'n	68वीं वाहिनी	23-3-81
14. श्रीवी० ग्रार० गर्मा					19वीं वाहिनी	3री वाहिनी	12-4-81
15. श्री एम० पी० चिटनिस.					8वीं वाहिनी	5 2वीं वाहिनी	5-4-81
16. श्री जी० एस० सिंबू 🖟 .			•	•	36वीं वाहिनी	<b>3</b> 6वीं बाहिनी	28-3-81
17. श्री भ्रार० एस० जसपाल			•		30वीं वाहिनी	34वीं वाहिनी	30-3-81
18. श्री भ्रार० बी० पाठक					ग्रुप केन्द्र, भूवनेश्वर	1 8वीं बाहिनी	21-3-81
10. 11. 41.						-	(अपराह्न)
19.क्ष्मी एस० भ्रार० यादव					1 8वीं बाहिनी	46वीं बाहिनी	25-3-81
13.1.31	-				•	•	(भ्रपराह्न)
20.ॣॢंश्री ग्रार० के० सिंह		_			1 4वीं चाहिनी	1 0वीं वाहिनी	10-4-81
20.3 41 41 C 1 1 1 1 1 1	-		•			~	(अपराह्न)
21. प्रित्री के० डी० एस० दुल्लत					- ए <b>स०/II</b> I	29वीं वाहिनी	14-4-81
22. श्री जे० बी० एस० बैन्स	•	•	·	·	53वीं वाहिनी <sup>े</sup>	2 5वीं वाहिनी	20-4-81
22. आजिवाण्यसम्बद्ध	•	•	•	•	- 5541 4116.11,	2011 1110011	(श्रपराह्न)
23. श्री ए० एम० तिवारी					महानिदेशालय <sup>े</sup>	49वीं वाहिनी	23-5-81
24. श्री घूम सिह <sup>†</sup> हि			•	•	2री वाहिनी	60वीं वाहिनी	11-5-81
25. श्री एस० ए० मिश्रा	•	•	-	•	ग्रुप केन्द्र, मोकामाघाट	30वीं <b>वाहि</b> नी	3-6-81

# दिनांक 27 जुलाई 81

सं ओ दो-33/76-स्था (के रि प बल)—श्री एन हुस् बासूद वृत्, भारतीय पृलिस सेना अधिकारी ने कर्नाटका में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप 11-7-81 अपुराहन से केन्द्रीय रिज़र्व पृलिस बुल के उपमहानिर्धिक मुझास के पुत का कार्यभार छोड़ा।

तं शो दो-1464/80-स्था — महानिव्यान केन्द्रीय दिज्य पृलिस बल ने डा. के. गनेनेशेखरन को 9-7-1981 पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिए अथवा उस प्र प्र नियमित नियमित नियमित होने तुक क्नुमें जो भी पहले हो उस तारीख तुक केन्द्रीय दिख्य पृलिस बल में किन्दि छिप्तिस्सा अधिकारी के प्र पर तर्थ कप में नियम् किया है।

# दिनांक 28 जुलाई 981

सं जो बो-1089/73-स्था -1-- राष्ट्रपृति अपि एस न मन्बुर उद्दीन , के जिर् पृत् दूल के उप-पृतिस्थ अधिभूक के स्थेच्छा पूर्वक सेवा निवृत होने को गृह मंत्रालय (डी. पी. एन्ड ए जार ) के कार्यालय ज्ञापन संख्या-25013/7/77-स्थापना (ए) दिनांक 26-8-77 में ब्री गृह केन्द्रीय सुरकारी कर्मचारियों की स्थेच्छिक रूप से सेवा निवृति योजना के अन्तर्गत मंजूरी देते हैं।

2. श्री मन्जूर उद्दीन ने उप-पृत्तिस अधिक्षक, ग्रुप सैन्टर (गांधीनगर), के हु द्वित पृत्त बल्कु के पृद का कार्यभार 6-3-81 (पृत्तिन) को त्याग दिया।

> ए. के. सूरी सुहायक निद्धिक (स्थाळ)

# महार्रिन्द्रके का कार्याल्य

# केन्द्रीय अवियोतिक सरका बस

नहर्षे दिल्ली-110019, दिनांक 27 जुलाई 1981

सं । इ = 16014(1)/6/74-कार्मिक—राज्य काउर को प्राप्तायितित होने पर श्री एउ टी । श्रिक्येंगडम् । श्राह पी एएएउ एम टी । (69) ने 22 जून , 1981 के पूर्वाह न से सहायक महानिरीक्षक (द. क्षेत्र) के औं सु ब महास के पद का कार्य भार छोड़ दिया।

सं उ ई-32015(1)/3/78-कार्मिक— पुनर्नियुक्ति की जनित्र की जनित्र के समाप्त होने सथा उसी तारीख को उन्नी 58 वर्ष की जायुं भी होने पर, की बी. कुष्णप्पा ने 6 जून, 1981 के पूर्वी हन् से की. जा. सु. ब. यूनिट बी. पी. दी. विशासापटन्म के कमीटेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

संख्या इ-38013(4)/5/81-कार्मिक--पदोन्निति होने पर, औं औं एन्, भारद्वाज ने 20 जून, 1981 के पूर्वाहन् से के. प्रौ. सू. ब. यूनिट, बी. सी. सी. एतम भरिया के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

# विनांक 28 ज़्लाइ<sup>\*</sup> 1981

सं. ई-38013(4)/5/81-कार्मिक-प्दोन्ति पूर, श्री आर. सी. सामंत्रे ने 6 जूलाई, 1981 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेंट, के. औ. सू. व. यूनिट डी. एस. पी. दूर्गापूर के पूर्व का कार्यभार सुम्भाल लिया।

> सुरुन्द्व नाथः महानि<u>विभ</u>क्

### भारत के महापंजीकार का कार्यालुय

# नई दिल्ली-110011, विनाक 31 जुलाई 1981

सं 11/10/78-प्रधा -1—इस कार्याल्य की तारींखु 22-6-81 के समसंख्यांक कार्यालय आदेश के अनुसार मणिपूर सरकार में प्रत्यावर्तित होंने के कारण मणिपूर सिविल सेवा के अधिकारी श्री पेशांत सिंह ने तारीख 1 जुलाई , 1981 के पृष्टिन से इस्फास, मणिपूर में जनगणना कार्य निदेशालय में उप निदेशक अनगणना कार्य के पढ़ का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. 10/15/81-प्रशा -1—राष्ट्रपति, तमिलनाडू, मद्रास में जनगणना कार्य निद्देशालय में उप-निद्देशक के पद पट्ट कार्यरत श्री एन राम राव को नई दिल्ली में भारत के महा-पंजीकार के कार्यालय में तारीख 13 जुलाई, 1981 के प्वह्नि, से एक वर्ष से अनुधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित अधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, प्रतिनिय्वित पट पूर्णतः। अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक महापंजीकार (जनगणना और सारणीकरण) के पद प्र सहर्ष दियुक्त कड़ते हैं।

# 2 े श्री हाम् राष्ट्र का मुख्याल्य नहीं दिल्ली में हाँगा।

सं्त 11/30/81-प्रधाः =1—राष्ट्रपतिः, मेघालयः, दिशांगः भी जनगणना कार्य निद्धालय में अन्वेषण के पद पर कार्यरत श्री के एस. लैंग्दों को उसी कार्यालय में तारींख 3 जुलाई, 1981 के पूर्वाहुन में एक वर्ष से अनिधक अविध के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अविधि पहले हो, पदोन्नित ब्वारा पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निद्धाक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

# 2 े श्री लैंग्दों का मुख्यालय शिलांग में होंगा।

3. उपरोक्त पद पर तुर्वर्थ नियुक्ति श्री लेंग्दों को सहा-यक निविधक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद नियमित नियुक्त कित के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तबर्थ ताँड पर सहायक निद्धिक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में विरिष्ठता और आगे उच्च पद पड़ पदोन्नित के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर सदर्थ नियुक्ति, नियुक्ति प्राधिकारों के विवेक पर किसी भी सम्या

# तारीख 1 अगस्त 1981

संख्या 10/4/80-प्रशा -- 1-- राष्ट्रपति, नर्ष विल्ली मैं भारत के महापंजीकार के कार्यालय के निम्नलिखित कंसील आप्- रेटरों की उसी कार्यालय में सहायक निद्देशक (प्रोप्राम) के पद पर तद्य आधार पर नियुक्ति की अविधि को विद्यमान शर्ती पूर तारीब 21 विस्मार, 1981 तक या श्व तक पद नियुक्ति

<b>売</b> ○ 甘•	नाम	मुख्यालय	पिछला संदर्भ सं० भ्रौर तारीख
1. 矧	म्रार० एल० पुरी	नई दिल्ली	म० पं० की ग्रिधि- सूचना सं० 6/ 1/74-श्रार० जी (प्रशा०-1) तारीख 20-9-1980
2. শ্বী	ए० पी० गुप्त	नई दिल्ली	म०पं० की श्रिधि- सूचना सं० 10/ 4/80-प्रशा०— 1, तारीख 15—5—1980
3. श्री	सत्य प्रकाश	<del></del> उपरोक्त~	—उपरोक्त <b>-</b> —

पीं ज प्रमासा भारत से महापंजीकाङ

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग कार्यालय निर्दोशक लेखा परीक्षा वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध नर्द्र दिल्ली, दिनांक 30 जुलाई 1981

सं. प्रधाः -1/8(27)/11/26—भारत के नियंत्रक एवम् महालेखा परीक्षक वित्त मंत्रालय की सहमति से श्री नन्द कि शोर

वर्मा, लेखा परीक्षा अधिकारी के भारत है वी इलेक्ट्रिकल्स लिमि-टेड में स्थायी समायेशन होतू विनांक 1-12-1978 से स्वीकृति प्रवान करते हैं। केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1972 के नियम 37 के अनुसार वे भारत सरकार की सेवा से बी. एच. ई... एल. में समायेशन की तिथी से मेवा निवृत्त समक्षे जाएंगे।

एम एस सरना निवंशक लेखा परीक्षा

कार्यालय महालेखाकार, राजस्थान, जयपुर, दिनांक 25 जुलाई 1981

सं. प्रशा. -11/304---महालंखाकार राजस्थान ने श्री रामर्जी लाल खंडेलवाल, प्रवर अनुभाग अधिकारी को पदान्तत करके दिनांक 18/7/81 (प्.) से अग्रेतर आवेशों के आरी होने सक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

मदन सिंह वरिष्ट उप महालेखकार प्रकासन

विल्ली-110054, विनांक 30 जुलाई 81

सं. का आ प्रकार । । । / 176-23(ए) (2) अधिसूचनाएं ~ निदंशक लेखा परीक्षा डाक-तार ने निम्निलिखित अनुभाग अधि-कारियों को स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी की पदों पर पदोन्नत एवं नियुक्ति करने तथा उनके सामने लिखे डाक-तार शाखा लेखापरीक्षा कार्यालयों में अगले आदेशों तक नियुक्ति के निए सहर्ष आज्ञा वे दी हैं। उनकी पदोन्नितयां तदर्थ आधार पर है तथा संशोधन अधीन हैं।

क्रम सं०	<b>माम</b>	डाक-सार शाखा लेखा परीक्षा कार्यालय जिससे श्रनुभाग श्रघि- कारी के रूप में सम्बद्ध हैं	डाक-तार शाखा परीक्षा कार्यालय जहां नियुक्ति किया गया है		ग्रधिकारी के पद्योघत करने
1	. 2	3	4	5	
सर्वश्री  1. गजानन प्रभ  2. प्रीति कुमार  2. बरिज्र सिंह  4. पे रूमल राज  5. शिष चन्द्र र  7. प्रशांत कुमा	: चटर्जी सॅकद ता रामास्वामी गॉविन्दाराजालु <sub>ी</sub> तय तय	नागपुर भण्डार निर्माण तारजांच, कलकत्ता कपूरथला हैदरµबाद भण्डार निर्माण तारजांच ,कलकत्ता भण्डार निर्माण तारजांच ,कलकत्ता भण्डार निर्माण तारजांच, कलकत्ता भण्डार निर्माण तारजांच, कलकत्ता	बम्बई कटक लखनऊ भे प्रहमदाबाद पटना लखनऊ लखनऊ	-30-3-81 30-4-81 8-5-81 13-5-81 21-5-81 28-5-81	(पूर्वाह्म) (पूर्वाह्म) (पूर्वाह्म) (पूर्वाह्म) (पूर्वाह्म) (पूर्वाह्म) (पूर्वाह्म)

तापस कुमार सान्यास उप निवेशक (मुख्यालय) लेखा परीक्षा निदंशक, दक्षिण र लवे

मद्रास, दिनांक 1 अगस्त 1981

सं. ए/पी/सी/एस आर/477—श्री एस. रघुनाथन ।। को, जो लेखा परीक्षा निद्येषक/दिक्षिण रेलवे के कार्यालय में अधीनस्थ रेल लेखी सेवा संवर्ग के स्थायी सदस्य हैं, 22-4-1981 से अगले आदेश मिलने तक, लेखा परीक्षा निद्येषक द्वारा वेतनमान रु. 840-1200 में लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न तौर पर पदोन्नत किया जाता है।

इस मामले में की गयी पदान्नित जिलकाल तदर्थ आधार पर है और सर्वोच्च न्यायालय के अंतिम आदशे पर निर्भर होगा।

> कृ. पः रंगस्वामी लोगा परीक्षा निवंशक

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आङ्गंन्स फौक्टरियां सेवा

आर्डानेन्स फौक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-700069, दिनांक 30 जुलाई 1981

सं. 28/जी/81—-राष्ट्रपति महोदय ने श्री एस. एस. आर जैदी, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (स्थायी सहायक प्रबन्धक) का त्याग-पत्र तारीख 30-6-81 (अपुराहुन) से मंजूर किया।

> वी. के महता सहायक महानिव शक, आर्ड नेन्स फैक्टरियां संख्या 2210 (ए) जी

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र विभाग

वस्त्र आयुक्त का कार्याल्य

बम्बई-20, दिनांक 21 जुलाई 81

सं. ई. एस. टी. 1.37(9)/2328—श्रीमान राष्ट्रपति, श्री के. बी. नटराजन, तदर्थ एप निष्येक (नान-टेकिनकल), वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, बम्बई को दि. 9-6-1981 में अन्य आषेशों तक, नियमित उप निद्येक (नान-टेकिनकल) के रूप में, उसी कार्यालय में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं. ई. एस. टी. 1. 37(9)/2335—श्रीमान राष्ट्रपति, श्री. सी. आर. नीलकंडन, तदर्थ उपनिदंशक (नान्-टोक्निकल) वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, बम्बई को, दि. 9-6-1981 से अन्यु आदेशों तक, नियमित उप निदंशक (नान-टोक्निकल) के रूप में उसी कार्यालय में, सहुर्ष नियुक्त करते हैं।

> राजेन्द्र टक्कर वस्त्र आयुक्त

बुम्बई-20, विनांक 16 जुलाई 1981

संनु इं. एस् टी. 1.37(3)/2278-83—वस्त्र आयुक्त श्री के एच भाटिया, तदर्थ सहायक निर्देशक, अणी 2 [[नाम्-द्रोबनीकल] (नियुमित अधीक्षक) वस्त्र आयुक्त का

कार्यालय, को दिनांक 6-6-1981 से, अन्य आदेशों तक, नियमित सहायक निदेशक श्रेणी 2 (नान-टोक्नीकल) के रूप में उसी कार्यालय में सहर्ष नियम्त करते हैं।

टी. रामचन्द्र राव संयुक्त वस्त्र आयुक्त

उद्योग मंत्रालय

(अधि। गिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (ल्घु उद्योग) का कार्याल्य

नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1981

सं. 12(632)/69-प्रशा (राज)—संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के अधीन सिएरा लिओन में प्रामर्शदाता के रूप में विदेशों में अल्पकालिक नियुक्ति होतू प्रतिनियुक्ति होने पर श्री ओ. सी. रिचर्डस ने दिनांक 4 मर्ड, 1981 (अपराह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नर्ड दिल्ली के कार्यालय के सहामक निद्शाक (ग्रेड-2) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के अधीन विदेश में नियुक्ति से वापसी पर श्री ओ. सी. रिषर्ड्स ने विनांक 22 जून, 1981 (पूर्वाह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नर्ड दिल्ली के कार्याल्य में सहायक निदेशक (ग्रेड-2) प्र का कार्यभार संभाल लिया।

सी. सी., ट्राय् उप निवस्तिक (प्रशासन)

नागरिक पूर्ति मंत्रालय

वनस्पति, वनस्पति तेल् तथा वसा निवशाल्य

नुई दिल्ली-19, 28 जुलाई 1981 सं. पी. एफ./31/81-स्थापना—श्री के जी. राव, जो इस सभय निरोक्षक (वन.) के पद पर तद्र्थ आधार पर काम कर रहे हैं, को 20 अप्रेल, 1981 के पूर्वाहुन से आगे और आदेश होने तक 650 - 30 - 740 - 35 - 810 - ध.रो. -35 - 880 - 40 - 1000 - द.रो. - 40 - 1200 रुपये के वेतनमान में वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निद्देशालयु मे अस्थायी आधार पर निरोक्षक (वृन्स्पति) के पद पर नियुक्स किया जाता है।

> पी. एसः चीमा मुख्य निवोशक

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निष्टान् महानिद्येशालय (प्रशासन् अनुभाग-6)

नर्घ दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई 1981

सं. प्र6/247(361)— निरीक्षण निद्देशक, कलकरता के कार्यालय में स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) श्री एस. पी. गृप्ता दिनाक 4 मई, 1981 के अपराह्न से सरकारी सेवा से अनिवार्य रूप से नियुत्त कर दिये गये हैं।

यह पूर्ति तथा निपटान महानिद्येशालय की दिनांक 17-7-1981 की अधिमूचना मं. x6/247(361) के अधि-क्रमण में हैं।

पी. डी. सेठ. उप निद्येषक (प्रशासन) कृते महानिद्येषक, पूर्ति तथा निपटान

# इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 28 जुलाई 1981

सं 4303बी/ए-19012 (1-के. एस. आर.)/80-19ए--श्री कमल सिंह राघव की सहायक भूवजानिक के रूप में भारतीय भूवजानिक सबेक्षण में 650 रु. प्रतिमाह के प्रारंभिक बेतन पर 650-30-740-35-810-द रो.-35-880-40-1000-द रो.-40-1200 रु. के बेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आवशे होने तक 2 जून, 1981 के पूर्वाहन में नियुक्त किया जा रहा है।

वी एस कृष्णस्वामी महानिद्शेक

# भारतीय लान ब्यूरो

### नागप्र, दिनांक ज्लाई 1981

सं. ए 19011(270)/80-स्थापना ए—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री हरी सिंग शेरांन, को दिनाक 16-9-80 के पूर्वाहन में भारतीय खान ब्यूरो में स्थाना-पन्न रूप में सहायक खान नियंत्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रवान करते हैं।

एस. वी. अली कार्यालय अध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

### आकाशवाणी महानिद्देशालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 ज्लाई 1981

सं. 15/182/62-एस-तीन (पार्ट-।।)——निवर्तन की आगू प्राप्त होने पर श्री गूलाम मोहिउद्दीन, सहायक इंजीनियर, दूरदर्शन केन्द्र, श्रीनगर 31 मर्ड, 1981 की अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

ह्ः नाः विश्वास प्रशासन उपनिद्शाक (ई) **कृते** महानिद्शाक

### स्वास्थ्य सेवा महानिद्देशालय

(औषध अनभाग)

नर्ह दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1981

सं. ए. 12025/8/80-औपिध-1—स्वास्थ्य सेवा महा- निविश्वक ने डा. आर. रामाकृष्ण को 6 मह $^{\text{r}}$ , 1981 (पूर्वाह्न)

से आगामी आदेशों तक महायक औषध नियन्त्रक (भारत) का कार्यालय न्यू कस्टम हाउज्ञम बम्बर्इ में तकनीकी अधिकारी के पद पर पूर्णतया अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

एस एस गोठोस्कर औषध नियन्त्रक कृते स्वास्थ्य सेवा महानिद्याक

# नर्ह दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1981

मं. ए. 32014/5/81-(ए. आई. आई. पी. एम. आर.)/ प्रशा.-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने श्रीमसी एम.ए. चौकर, को 18 अप्रैल, 1980 से अखिल भारतीय भौतिक चिकित्सा एवं प्नर्वास संस्थान, बस्बई मे व्यवसायिक निदेशन विभाग के प्रमुख के पद पर स्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

### दिनांक 28 ज्लाई 1981

सं. ए. 12025/2/80-प्रशासन-1—-राष्ट्रपति ने अधिल भारतीय स्वास्थ्य निज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकरता में सोनेटिरी इन्जीनियरिंग (डिजाइन) के सहायक प्रोफसर श्री अरुणव मंजूमदार का त्यागपत्र 11 जून, 1981 (अपराह्न) से स्वीकाह कर निया है।

सं ए . 12026/33/80-प्रशासन-1-—स्वास्थ्य सेवा महा-निदोशक ने श्री पी. एन. श्रीवास्तव को 30 मई, 1981 के पूर्वाहुन से आगामी आदोशों नक सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली, में विरिष्ठ फिजियां थेरापिस्ट के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया हो।

### विनांक 1 अगस्त 1981

सं ए. 12025-26/80-एन एम ईं पी प्रशा 1--राष्ट्रपति ने डा. एफ यू. खान को 19 जून, 1981 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशें तक राष्ट्रीय उन्मूलन कार्यक्रम में सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

> ्टी. सी ः जैन , उप निदेशक प्रशासन (ओ . एण्ड एम .)

--------नर्षः दिल्ली, दिनांक 28 जलार्षः 1981

मं. ए. 19018/3/81-सी.जी.एच.एस.-1--स्वास्थ्य सेवा महानिद्देशक ने डा. वी. प्रभाकरण चेतियार को, जो तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे हैं केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में अस्थायी तौर पर आयुव दिक फिजिशियन के पद पर 31-1-1981 प्वहिन से नियक्त किया है।

टी. एस. राव, उप निदोशक प्रशासन (सी.जी.एच.एस.)

### ग्रामीण पनिर्माण मंत्रालय

विषणन एवं निरीक्षण निवेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 28 जुलाई 1981

सं. ए. 19025/121/78-प्र. तृ.—श्री दुर्गा प्रसाव, सहायक विपणन अधिकारी (निलम्बाधीन) को विनांक 4 जूलाई, 1981 (पूर्वाहुन) में केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गी-करण नियंत्रण और अपील) नियमावली, 1965 के अनुसार सेवा से हटाया गया है।

### दिनांक 29 जुलाई 1981

सं. ए. 390.13/1/79-प्र. तृ.—इस निक्रोलिय में सहायक विपणन अधिकारी के पद से श्री सी. बी. सिंह द्वारा प्रस्तुत त्यागपत्र दिनांक 6-10-80 (अपराह्न) से स्वीवृत्त किया गया है।

### दिनांक 1 अगस्त 1981

सं. ए. 19023/8/81-प्र.त — राज्य निगम में प्रतिनियुक्ति से लौटने पर श्री ए. राघव राव, सहायक विपणन अधिकारी को इस निदंशालय के अधीन तिरुपुर में दिनांक 6-जुलाई 1981 (पूर्वाह्न) से पूर्णतया अल्पकालीन आधार पर तौन महीने की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न विषणन अधिकारी (वर्ण 1) नियुक्त किया जाता है।

बी. एल. मनिहार निवोशक प्रशासन कृते कृषि विषणन सलाहुकार

# भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

### कार्मिक प्रभाग

### बंबई-400085, 24 ज्लाई 1981

सं. पैए/79(4)/80 आर ।।।— नियंत्रक, भाभा परमाण् अनुसंधान केन्द्र , $\Pi$  जं. वी. नाइक, सहायक को सहायक कार्मिक अधिकारी पद (रुपये 650-960) पर इस अनुसंधान केन्द्र में 8-6-1981 से 18-7-1981 (अपराह्न) तक, नियुक्त करते हैं।

ए. शान्ताकुमारा मेनान उप स्थापना अधिकारी

परमाण उन्जा विभाग

ऋय तथा भंडार निद्यालय

मंद्रास क्षेत्रीय ऋय यूनिट

### मद्रास-6, 17 जुलाई 1981

सं एम आर पी पू/200(9)/81-प्रशा ---इस कार्यालय की तारील 4-5-1981 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में, स्थाई क्रय सहायक श्री एन राजगापालन की सहायक क्रय अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति की अविधि को 30 मई, 1981 के अपराह्न तक बढ़ा दिया गया है।

- सं. एम आर पी यू /200(15)/81-प्रशासन—क्रय तथा भंडार निद्देशालय के निद्देशक ने स्थाई भंडार श्री बी. श्रीपत राव की उसी निद्देशालय के मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना भंडार में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से रू 650-30-740-35-810-ई बी-35-880-40-1000-ई बी-40-1200 के वेतनमान में 18 मई, 1981 से 20 जून, 1981 के अपराह न तक के लिए तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।
- सं. एम.आर.पी.यू./200(27)/81-प्रशा.—— ऋय और भंडार निक्रोशालय के निर्देशक ने अस्थायी ऋय सहायक श्री सी.एन गोपालन को 14 मर्ड, 1981 से 15 जून, 1981 के अपराह्न

तक के लिए उसी निदेशालय के मब्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट में रह. 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर सहायक क्रय अधिकारी नियक्त किया है।

सं. एम आर पी. यू. /200(108)/81-प्रशासन—कय तथा भंडार निवंशालय के निवंशक ने स्थाई भंडारी श्री एस. क्मार-स्वामी को 23 दिसम्बर, 1980 से 21 जनवरी, 1981 के अपराह्न तक के लिए उसी निवंशालय में सूतीकोरिन स्थित भारी पानी संयंत्र भंडार में सहायक भंडार के पव पर स्थानापन्न रूप से 650-30-740-35-810 ईबी 35-880-40-1000 ईबी 40-1200 र के वेतनमान में तवर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

मं. एम. आर. पी. यू./200(144/81-प्रशासन्—क्रम और भंडार निवेशालय के निवेशक ने स्थापी क्रय सहायक श्री एन. एस. पिल्ले को 11 मई, 1981 से 12 जून, 1981 के अपराह्न तक के लिए उसी निवेशालय के मद्रास क्षेत्रीय क्रम यूनिट में रूपये 650-30-740-35-810 द. रो. -35-880-40-1000- द. रो. -40-1200 के वेतनमान में पदर्थ आधार पर सहायक क्रम अधिकारी नियुक्त किया है।

एस ,रंगाचारी वरिष्ठ कय अधिकारी

# बम्बइ°-400001, 21 जुलाइ° 1981

सं क भिनि/23/5/80-स्थापना/15163—निव शक, क्रयं और भंडार निव शालय, परमाण उर्ज्जा विभाग ने सहायक भंडार अधिकारी, श्री पी. वी. प्राभाकरन् की छुट्टी मंजूर हो जाने पर स्थायी भंडारी श्री बी. एस. शर्मा को स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-दे रो -35-880-40-1000-वरो-40-1200 के वेतन क्रयं में तारीख 5 मई 1981 (प्) से 9 जून 1981 (अ) तक इसी निव शालयं में तवर्थ रूप से नियक्त किया है।

के. पी. <mark>जोसक</mark> प्रशासन अधिकार्दी

### नाभकीय इधिन सम्मिश्र

### भादेश 🗠

हैदराबाद-500762, 19/24 जून, 1981 सं. ना.ई.स/का प्र 5/2606/1180/134—जब कि नाभिकीय ई धन सम्मिश्र के जिरकोलांय ई धन संयंत्र के वैज्ञानिक सहायक 'सं' श्री एन. के. सूद, मीखिक अनुदेशों की तथा तत्परचात् दिनांक 4-5-1980 को निर्गीमत तार की अवहोलना करते हुए काम पर से अप्राधिकृत: दिनांक 5-5-1980 से 25-5-1980 पर्यन्त अन्पस्थित रहे;

और जब कि उक्त श्री सूद दिनांक 29--5-1980 के बाद से काम पर से अप्राधिकृत: अनुपरिश्वत रहें ;

और जब कि अमने उपर्याक्त कृत्य द्वारा उक्त श्री सूद ने केन्द्रीय नागरिक सेवा (आचरण) नियम 1964 के नियम 3(1) (2) तथा 3(1)(3) के विरुद्ध कदाचरण का कार्य किया ;

और जब कि उक्त श्री सूद को ज्ञापन सं. ना  $\mathbf{r}$  स/का  $\mathbf{r}$  5/2606/1180/1573, दिनांक 1-8-1980 द्वारा आरोप

तभा उनके विरुद्ध की जाने वाली प्रस्तावित कार्यवाही के सूर्णना दी गई ;

और जब कि उसत श्री सूद को दिनांक 1-8-1980 का आरोप पत्र प्रप्त हुआ, तथा उन्होंने दिनांक 14-8-1980 को अपने बचाब का एक लिखित बयान प्रस्तूत किया, जिसमें कि उन्होंने लगाए गए आरोप को विशेष रूप सेन तो सकारा और न नकारा ही;

बौर जब कि अधोहस्ताक्षरी ने विचार किया कि उक्त श्री सूर्व के विरुद्ध लगाए गए आरोप की जांच पड़ताल के लिए जांच की जाय:

ज़ीर जब कि आदोश सं. ना ूर्ड स/का प्र 5/2606/1180/ 3299, विनांक 20-11-1980 के अनुसार विनांक 20-11-1980 को जांच अधिकारी की नियुक्त किया गया;

और जब कि जांच अधिकारी ने विनांक 21-5-1981 को प्रस्तुत की गई जांच रपट में कहा कि चूंकि उक्त श्री सूद ने आरोप को स्वीकार कर लिया है अतः जांच समाप्त हो गई;

और जब कि अधोहस्ताक्षरी ने इस मामले के सम्बद्ध कागज पत्रों के आधार पर तथा दिनांक 21-5-1981 की आंच रपट (प्रति संलग्न हैं) का सावधानी पूर्वक मनन करने के पश्चात् आरोप को सिद्ध हुआ मानते हैं तथा इस निर्णय पर पहुंचे हैं किं। उक्त श्री एनं के सूद पर सेवा से निष्कासन का बंड अधि-रापित किंगा आये;

अतः अबं, अधोहस्ताक्षरी केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण व अपील) नियम 1965 के नियम 12 के उपनियम के अनुन्छदे (ब) को परमाणु उन्जी विभाग के आवेश सं. 22(1)/68-प्र. 11, विनांक 7-7-1979 के साथ संयोजित करते हुए उनमें प्रवत्त शिक्तयों को प्रयोग करते हुए एतव्वारा उक्त भी एन. के सूद को सेवा से तत्काल प्रभाव से निष्कासित करते हैं। संलग्न: 1

(1) श्री एन. के. सूद ए 7/16, प. ऊ. विहाउसिंग कालोनी,

हैंदरीवाद-500 762 ।

(2) ब्री एन. के सूद पूत्र-कस्तूरी लाल सूद 6, रामनगर, सानी पत

> एन क्षेत्रिक राव मस्य कार्यपालक

# हवराबाव-500762, दिनांक 29 जून 1981 आदोश

सं.: नार्ह स/का प्र 5/2606/2120/1267—जब कि नाभिकीय इधिन सम्मिश्र के मृतिका इधिन गढ़न संयंत्र के कारीगर 'अ' श्री च. लक्ष्मण स्वामी बिना अन्जा के दिनांक 6-2-1980 के बाद से काम से अनुपरिथत रहें;

और जब कि उक्त श्री लक्ष्मण स्वामी ने अपने उपय्कित कृत्य द्वीरा नाभिकीय इधिन सम्मिश्र के स्थायी आदिशों के अनुच्छोद 39(5) के अन्तर्गत कदाचरण किया;

और जब कि उक्त श्री लक्ष्मण स्वामी को आपन सं. ना ई स/ का प्र 5/2606/2120/1308, दिनांक 5-7-1980 के स्कास उनके विरुद्ध आरोप एवं प्रस्तावित कार्यवाही की सूचना की गई;

2-206GT/81

और जब कि उक्त श्री लक्ष्मण स्वामी को दिनांक 5-7-80 का आरोप पत्र दिनांक 12-7-80 को प्राप्त हो गया था, किन्तु अपना लिखित बचाब का वक्तव्य नहीं प्रस्तृत किया;

और जब कि उन्तत श्री लक्ष्मण स्वामी को दिनांक 15-9-80 को एक पत्र प्रेषित कर उन्हें अपना अभिवेदन दिनांक 30-9-80 तक या उसके पूर्व प्रस्तृत करने का अवसर प्रदान किया गयाः

और जब कि उक्त श्री लक्ष्मण स्वामी को विनांक 15-9-80 का पत्र विनांक 24-9-80 को प्राप्त हुआ, किन्तु उन्होंने अपना लिखित बचाव का वक्तव्य उन्हों अवसर दोने के बाद भी नहीं प्रस्तुत किया;

और जब कि अभोहस्साक्षरी ने विचार किया कि उक्त श्री लक्ष्मण स्वामी के विरुध्व लगाए गए आरोप की जांच करने के लिए एक जांच अधिकारी की नियक्ति की जाय;

और जब कि आदोश सं. ना इंस/का प्र 5/2606/2120/88, दिनांक 5-1-1981 के ख्थारा दिनांक 5-1-81 की एक जांच अधिकारी की नियक्ति की गयी;

और जब कि उक्त श्री लक्ष्मण स्वामी को प्रेषित जांच अधि-कारी की निय्क्ति का दिनांक 5-1-81 का आदश डाक प्राधि-कारियों द्वारा बिना वितरित किए इस अभ्युक्तियों के साथ लौटा दिया, "प्रेषिती चला गया है-सात दिन समाप्त हो गए-प्रेषक को वापस किया जाता है";

और जब कि जांच अधिकारी ने विनांक 16-1-81 की मृतवाह में इंगित किया कि उक्त श्री लक्ष्मण स्वामी को उन के ब्वारा प्रेषित संदोश बिना वितरित किए हुए ही लौटा दिए गए हैं तथा जांच की एक पक्षीय कार्यवाही की गई;

और जब कि अधोहम्ताक्षरी इस मामले के कागज पत्रों तथा दिनांक 16-1-81 की जांच रपट का साधधानी पूर्वक चिंतन करने के महचात इस अनंतिम निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री लक्ष्मण स्वामी पर मेवा से निष्कासन का वण्ड अधिरोपित किया जाय:

और जब कि उक्त श्री लक्ष्मण स्वामी को जापन सं. ना ईस/का प्र 5/2606/2120/1059, दिनांक 22-5-81 ब्वारा उपर्युक्त अनिन्तम निष्कर्ष की सूचना दी गई, तथा दिनांक 22-5-81 के जापन की प्राप्ति से 10 दिवस के भीतर प्रस्तावित वण्ड के विरुद्ध अभिवेदन प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया;

और जब कि विनांक 22-5-81 का शापन जो पानतीं सह पंजीकृत डाक, द्वारा उनके निवासीय पते अर्थात् निवास सं. 1-9-295/13/ए/2, विव्यानगर, हैंदराबाद-500044, पर प्रेषिक किया गया था, उसे डाक प्राधिकारियों ने इस अभ्यक्ति के साथ वापस कर दिया, "व्यक्ति चला गया है";

और जब कि दिनांक 22-5-81 का ज्ञापन जो उनके स्थायीं पते अर्थात् च. लक्ष्मण स्वामी, पूत्र-क्रोटय्या, पत्रालय-वर्नी, जिला निजामाबाद, आ. प्र. को पावती सह पंजीकत डाक ख्वारा प्रेषित किया गया था, उसे भी डाक प्राधिकारियों ने बिना वितरित किये इन अभ्युक्तियों के साथ वापस कर दिया, "सात दिन हो गए हैं, प्रेषक को वापस किया जाता है";

और जब कि अधोहस्ताक्षरी इस मामले के कागज पत्रों तथा बाद से नाभिकीय इंधिन सम्मिश्र को बिना अपना पता-ठिकाना स्चित किए अप्राधिकृतः काम से अनुपस्थित रह रहे हैं, तथा स्वेच्छातया अपनी सेवा परित्याग कर रहे हैं;

और जब कि अधोहस्ताक्षरी इन मामले के कागज पत्रों तथा विनांक 16-1-81 को जांच रपटे (प्रतिलिप संलग्न हैं) के आधार पर आरोप को सिद्ध हुआ मानते हैं तथा इस अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि श्री च. लक्ष्मण स्वामी पर सेवा से निष्कासन का दंड घोषित किया गया:

अतः अब, अथोहस्ताक्षरी नाभिकीय इधिन सम्मिश्र के स्थायी आविशों के अन्क्छेद 43 को परमाण उन्जी विभाग की आदिश सं. 22(1)/68-प्र-2, दिनांक 7-7-1979 के साथ संयोजित कर उन में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा उक्त श्री लक्ष्मण को सेवा से सत्काल प्रभाव में निष्कामित करते हुँ।

### अनुलग्नक एक

अतः अब, अभोहस्ताक्षरी निभकीय द्वीं धन सम्मिश्र के स्थायी आदोशों के अनुकर्शद 43 को परमाण उन्नजी विभाग की आदोश सं. 22 (1)/68-प्र.।, दिनांक 7-7-79 के साथ संयोजित कर उन मी प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा उत्कत श्री लक्ष्मण स्वामी को सेवा से तत्काल प्रभाव से निष्कासित करते ही।

- श्री च. लक्ष्मण स्वामी निवास सं. 1-9-295/13/ए/2, विद्यानगर, हैदराबाद-500 044 ।
- श्री च लक्ष्मण स्वामी पूत्र-श्री कोटय्या, पत्रालय : वनीं, जिला : निजामाबाद, आन्ध् प्रवेश ।

एन. कॉंडल राव मुख्य कार्यपालक

### (परमाणु खनिज प्रभाग)

# हैदराबाद-500016, दिनांक 3 अगस्त 81

- सं. प ल प्र-1/1/81-भर्ती परमाणु कर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निद्येषक एतद्द्वारा श्री अधाक क्मार पाधों को परमाणु खनिज प्रभाग में 9 जुलाई, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/ अभियन्ता ग्रेड 'एस. बी' नियुक्त करते हैं।
- सं. प ख प्र-1/6/80-भती परमाणू कार्जा विभाग, पर-माणु खिनज प्रभाग के निविधक एतव्दवारा श्री आर. ए. गोरीखान को 16 मई, 1981 के पूर्वाहन से अगले आदोश होने तक पर-माणु खिनज प्रभाग में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/ अभियन्ता ग्रेड 'एस. बी.' नियक्त करते हैं।
- सं. प ख प्र-2/3004/80-प्रणा श्री ए के पानी द्वारा परमाणु जर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग में वैज्ञानिक अधिकारी/एस बी के अस्थायी पद से विया गया स्थाग पत्र परमाणु खनि ज प्रभाग के निक्रों के बवारा 30 जन, 1981 के अपराह न से स्वीकार कर लिया गया है।

एम. एस. राव वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

# पर्यटन एवं नागर विमान मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नहाँ दिल्ली, दिनांक 31 जुलाहाँ 1981

सं. स्था. (1) 05907—प्रावंशिक मौसम केन्द्र, मद्रास भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहायक मौसम विज्ञानी औं एम्। कृल्याण का 18 जुलाई ; 1981 को स्वर्गवास हो ग्या। 'के मुखजी

मौसम विज्ञानी (स्थापना)! कृते मौसम विज्ञान के महानिविधक

# महानिद्देशक नागर विमानन का कार्यालय मुद्दे दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1981

सं. ए.35018/16/80-इं. 1— राष्ट्रपति ने तकनीकी सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत वैमानिक संचार स्टोशन, कलकत्ता के श्री एस. के. वास, निवशक संचार की सेवाए दिनांक 21 मई, 1981 (अपराह्न) से प्रतिनियुक्तित के आधार पर विवश सेवा शर्तों के अधीन एवियेशन इलैक्ट्रोनिक्स अनदशक के रूप में दोहा कटार में नियुक्ति के लिए अन्तर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन को सौंप दी है।

स्थाकर ग्प्त उप निदोशक, प्रशासन

# नइ दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1981

सं. ए. 39012/3/81-इंसी.—राष्ट्रपति ने निवेशक, रोडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय के की के. वेणू, सकनीकी अधिकारी का दिनांक 30-5-81 (अपराहन) से सरकारी सेवा से त्यागपत्र मंजूर कर लिया है।

# दिनांक 28 जुलाई 1981

सं. ए-32013/5/80-इं.सीं.—-राष्ट्रपति ने महानिवेसक नागर विमानन (मृख्यालय) के निम्निलिखित दो सहायक संचार निवंशकों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः। मास की अविधि के लिए उपनिवंशक/नियंत्रक संचार के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियक्त किया है और उन्हें उन के नाम के सामने दिए गए स्टोशन पर तैनात किया है:---

क्रम सं० नाम	तैनाती स्टेशन	कार्यं ग्रहण करने की तारीख
1. श्री डी०सीठ मेहता	रेडियो निर्माण भ्रौर विकास एकक नई दिल्ली ।	2-7-81 (ग्रपराह्न)
2. श्री पी० सेठ	महानिदेशक नागर विमानन का कार्या- लय, नई दिल्ली (मुख्यालय)	22-6-81 (पूर्वाह्स)

सं. ए-32013/11/79-इ.सी---राष्ट्रपति ने क्षेत्रीय निय-शक, सफवरजंग एयरपोट, नई दिल्ली के श्री डी. के. धर्मी, तक नीकी अधिकारी को दिनांक 15-6-81 (प्रविह्न) से छ। मास की अवधि के लिए वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियक्ति किया है और उन्हें निद्शेक, रोडियो निर्माण और विकास एक क, नई दिल्ली के कार्यांतक में तैनात किया है। सं. ए-38013/1/81-ईसी--नागर विमानन विभाग के वैमानिक संभार संगठन के निम्निलिखित वो अधिकारियों ने प्रत्येक के नाम के सामने विए गए स्टोशन से निवर्शन प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत होने पर दिनांक 31-6-81 (अप्राप्टन) से अपने पव का कार्यभार त्यागृ विया हैं—

ऋ०सं० नामग्रौरपदनाम	तैनाती स्टेशन
सर्वश्री 1. सी० जी० मीनाकी, सहायक संचार श्रधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, बंबई ा
<ol> <li>साइमन डी० सिल्वा, सहायक संचार अधिकारी</li> </ol>	वैमानिक संचार स्टेशन, हैदराबाद

# विनांक 30 जुलाई 1981

सं. ए-39012/2/81-ईसी—-राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टोशन, बम्बई के श्री एस. के. गाँड, संचार अधिकारी का विनांक 4-7-81 (अपराह्न) से सुरकारी सेवा से त्याग पृत्र स्वीकार कर लिया है।

# विनांक 31 जुलाई 1981

सं. ए-38013/1/81-ईसी—निविधक संवार, वैमार्गिक संवार स्टोन, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास के कार्यालय के श्री एन. ए. जोजफ, सहायक संवार अधिकारी ने निवर्तन आयू प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत होने पर दिनांक 30-6-81 (अपराहन) से अपने पूर्व का कार्यभार त्याग दिया है।

प्रम चन्त्र सहायक निवश्यक प्रशासन

### विविध संचार संवा

# बम्बद्दी, विनांक 22 जुलाई 1981

सं . 12/1/81-स्था .-- विद्या संचार सेवा के महानिवासक एतवृद्यारा निम्नितिस्त स्थानापन्न उप प्रियात प्रबंधकों को खाना 3 में प्रत्येक के सामने वी गयी तारीख से मूल, रूप में उप परियात प्रबंधक नियक्त करते हैं ---

क्रमांक	नाम	मूल प्रबंध की		हैसिय		परियात नियुक्ति
1. श्री	डी० एस० पेण्डसे				2-1	<del></del> 1978
	- শ্বী০ শ্বী০ পতা	t			3-1	-1978
	एन० के० दास	`				-1978
	्बालक्रुष्ण सूरी		`			-1979
5. श्रा	जे० एम <b>० डी</b> ०	सल्वा ———			1-8	-1980
			उप्	<b>मिव</b>	सक	मलहात्र (प्रशाः) है निबाधुक्यः।

# वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय वहरावान, विनांक 3 अगस्त 1981

सं. 16/367/81-स्थाः ।—अध्यक्षः, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, ने श्री शिव धारी सानकर को वन मृदा तथा वनस्पति सर्वेक्षण के क्षेत्रीय केन्द्र, जबलपूर में 10 जुलाई 1981 के पूर्वाह्म से अगले आदेशों तक सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त किया है ।

ऑकार नाथ काँना कुल समिया, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालया

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्ता का कार्यालय सीमाश्ल्क स्थापना

मन्नास-1, विनांक 20 जून 1981

सं. 5/81—श्री ए । जयनन्त्रन को संज लोक सेना आयोगु के उम्मीदवार 19-6-81 के पूर्वाहन से अगले आदेश तक, अस्थाई रूप से सीमागुल्क घर में सीभी भर्ती अप्रैसर (गैर विशेष पत्र) नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक प्रश्निम काल में रहेंगे।

### दिनांक 17 जुलाई 1981

सं. 10/81—श्री टी. राजेंद्रन को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीववार 6-7-81 के पूर्वाहुन में अगले आदिश तक अस्थाहै रूप से सीमाशुल्क घर में सीधी भर्ती अप्रैसर (गैर विशेषक्र) नियुक्त किया जाता है। वे वो साल तक पस्वाधीन काल में रहांगे।

ए सी. सलदाना सीमागुल्क समाहर्ता

# बम्बई-1, दिमांक 29 जुलाई 1981

सं० एस० टी०-2/80-81- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली 1944 के नियम 232-ए के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों के प्रयोग में तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा नमक श्रिधिनियम 1944 की धारा 9 के ग्रधीन न्यायालय द्वारा दोषी पाये गये व्यक्तियों श्रीर श्रधिनियम की धारा 33 में संदर्भित श्रधिकारी द्वारा 10,000/- ६० या इससे श्रधिक की राशि के लिये दंक्ति व्यक्तियों के नाम श्रीर पते उप नियम 2 में उल्लिखित श्रन्थ विवरणों सहित निम्न प्रकार से प्रकाशित किये जाते हैं:-

### I-कोर्ट के मामले

क्रम सं० व्यक्तिकानाम , पर	ता प्रधिनियम	के किन प्रावधानों	का उल्लंघन किय	क्षा मधाः वण	ड राणि
1 2 3		4			5
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		शून्य			
,	II—	-विभागीय न्याय	निर्णेयन		
क्र० सं० उस व्यक्ति का नाम जिस पर ग्रिधिनियम की धारा 33 के भ्रन्तर्गत भ्रधिकारी द्वारा 10,000/ २० का या इससे श्रधिक का श्रर्थ दण्ड दिया गया है	पता	ग्रधिनियम के प्रावधान भ्रथवा उसके भ्रन्तर्गत बने नियमों का उल्लंघन किया गया	वण्ड राशि	भन्तर्गत न्याय- निर्णित शुल्केय माल का मूल्य जो	प्रधिनियम की धारा 34 के प्रन्तार्गत जब्दी के स्थान पर प्रश्ने पर
1 2	3	4	5	6	7
1. सर्वश्री भ्राशीष गम्स (इंडिया)	20-21/बी, गिरिकुंज इण्डस्ट्रि- यल एस्टेट, महा- काली केब्स रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400 093	के ॰ उ० गु० नियमा- वली के नियम 174, नियम 173 एफ के साथ पठित के ॰ उ० गु० श्रिध- नियम की धारा 6 के प्रावधान, नियम 9(1), के साथ पठित नियम 173 (जी), नियम 52 ए के साथ पठित नियम 173(जी) नियम 53 तथा 226 के साथ पठित नियम 173 जी(4)	नियमावली 1944 के नियम 173	र 0 17200/- भ्रौर रू 9100/- 26300/- (मद सं 0 68 के भ्रधीन भ्राने वाले माल) शुल्क का भुगतान करने पर माल के निकास की भ्रमुमित	तान करते पर निकाले गये परि- मित माल

मु॰ श्री दिलीपसिंहजी समाहर्ता

नागपुर, 29 जुलाई 1981

प्राप्त करने पर विनांक 30 जून 1981 के अपराहन से सेवा निवृत्त हो नये हैं।

सं. 9/81—-इस समाहर्ताक्षेत्र के वर्धारंज के अधीक्षंक, श्रोणी, ''स'' श्री वी. एच. घोडसांदे सेवा निवस्ति की आम

के. संकरारामन् कलेक्टर

### केर्न्द्रीय जल आयोग

# नर्इ दिल्ली-110022, दिनांक 23 जुलाई 1981

्र सं. ए.-19012/1(3)/81-स्थापना एक—-अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री एम. एल. मल्ला, स्थायी वरिष्ठ व्यावसायिक सहायक (सांस्थिकी), केन्द्रीय जल आयोग को अतिरिक्त-सहायक निर्वेशक (सांस्थिकी) के ग्रेड में रं. 650-30-740-35-810-दं. रो.-35-880-40-1000-दं. रो.-40-1200 के वेतन-मान में 23-6-1980 (पूर्वाह्न) से छः महीने की अविध के लिए अथवा इस पव को नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

के. एल. भण्डूसा अवर सचिव

# केन्द्रीय जल और विष्युत अनुसंधान शाला,

## पुण-24, विनांक 29 जुलाई 1981

सं. 602/19/81-प्रका. — विभागीय पदोन्नित समिति (भूप ''ख'') (राजपत्रित) में की गई सिफारिश पर निद्शेक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, पूणे एत्व्द्थारा श्री एन. जी. वासप्रकायस्थ को सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-रसायन) के पद पर केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, पूणे में वेसनमान रुपये 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-व. रो.40-1200 नियमित रूप से स्थापनापन्न पवों पर दिनांक 29 जुलाई, 1981 पूर्वाह्न से निय्वित करते हैं।

श्री एल. जी. दासपूरकायस्थ, सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-रसायन) के लिए केंद्रीय जल और विद्यूत अनुसंधान शाला, पूर्ण में विनांक 29-7-1981 (पूर्वाहन) से दो साल की परिवीक्षावधी रहेगी।

# विनांक 31 जुलाई 1981

सं 602/8/81-प्रकार --- विभागीय पदोन्नति समिति (भूप ''स'') (राजपत्रित) सं की गृद्द सिफारिश पर निद्देशक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान भाला, खडकवासला, पूणे, एतद्द्र्वारा निम्नांकित अधिकारियों की सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-गणिस) के पद पर वेतनमान रापये 650-30-740-35-810-द रो -35-880-40-1000-द रो -40-1200 पर नियमित रूप से स्थानपन्न पद पर दिनांक 31-7-1981 के प्वहिन से नियुक्ति करते हैं।

 श्री बी. सी. संखर राव (इस समय स. अ. अ. (गणित) के पद पर तदर्थ रूप में काम कर रहे हैं)

### 2. श्रीके. जी. के. मूर्ति

उपग्रुंक्त अधिकारियों के लिए सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-गणित) के कडर पर केन्द्रीय जल और विद्युत अनु-

संधान शाला, पूर्ण में दो साल की विनांक 31-7-1981 से परिवीक्षावधी होगी।

एम. आर. गिडवानी प्रशासन अधिकारी, कृते निवेधक

# कोन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक जुलाई 1981

सं. 22/1/81-प्रशा.-1(वी)—अध्यक्ष, केन्द्रीय विव्युत्त प्राधिकरण एतव्द्वारा, निम्निलिस्ति अधिकारियों को, जिनके ग्रेड उनके नामों के सामने लिखे हैं, केन्द्रीय विव्युत प्राधिकरण में, उनके नामों के सामने लिखे तारीकों से, केन्द्रीय विव्युत प्राधिकरण में, उनके नामों के सामने लिखी तारीकों से, केन्द्रीय विव्युत हंजीनियरी (ग्रुप बी) सेवा में, अतिरिक्त सहायक निद्देशक/ सहायक अभियन्ता के ग्रेड में, स्थानापन्न क्षेमता में अगले आवर्ष होने तक, नियुक्त करते हैं।

नाम	जिस ग्रेड के हैं	कार्यभार संभालने की सारीख
सर्वश्री		
<ol> <li>सुभाष सेठी त</li> </ol>	कनीकी सहायक	26-6-81 (पूर्वा <b>ह्म</b> )
2. एम०एस० कौशिक	—वह <del>ी</del> —	26-6-81 (पूर्वाञ्च)
3. एस०ए० खान	<del></del> -वही	13-7-81 (पूर्वाह्न)
4. एस०के० श्रग्रवाल	पर्यवेक्षक	22-6-81 (पूर्वाह्न)
		<b>बी</b> . एम. लाल अवर स <b>चि</b> व

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी ला बोर्ड

कम्पनियों के रजिष्टार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बांगलूर सिनीमोठों जिराफिक इंडस्ट्रीस प्रा. लिमिटेड के विषय में ।

# बंगलूर, दिनांक 30 जुलाई 1981

सं. 2522/560/81-82--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतब्द्वारा यह स्वना दी जाती है कि इस तारील से तीन मास के अवसान पर बांगलूर सिनीमोठोजिरापिक इंडस्ट्रीस प्रा. लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण विर्धित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर वी जाएगी।

पी. टी. गजवानी कम्पनियों का रिष्स्ट्रार प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूना

पूना, दिनांक 13 जुलाई 1981

निदर्भि सं सीए5/एस आर हवेली/नोह बुर 80/81-82/522-यतः मुक्ते गृष्टिकान्त कृतकण्यि

आयकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं और जिसकी संख्या नं 1, हिस्सा नं 3ए 1 हैं, तथा जो हडपसर, पूर्ण में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रुपिस्ट्रीकर्ता अधिकारी

अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिपस्ट्रीक ता अधिकारीं के कार्यालय दुय्यम निबंधक हवेली में, रिपस्ट्रीक रण अधिनिवस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-11-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमांने प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपर्ति का उचित बाजारे मूल्य, उसके क्रयंमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकता अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के स्थीन शिम्मस्थित व्यक्तियों अ्ष्ति ा

- (1) 1 शी बाँ विकास हरफ ने 2 शी बी एफ हरफ ले रा. फुरसुंगी, ता. हवेली, जि. पूर्ण (अन्सुरक)
- (2) उत्कर्ष सहकारी गृहरचना संस्था लि., सं. नं. 1, हिस्सा नं. 3 ए 1, हडपसर, पूर्ण 28 र (शुन्दरिवी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतुर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियु व्याराः।
- (ख) इस मूचना हे राजपत में प्रहाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितशब किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा, प्रवोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

संपत्ति जो सं नः 1, हिस्सा नः 3 ए 1, हडपसर जि. पुणे में स्थित है। जिसका क्षेत्र 14375 किः मीटर है। (जैसे की रिजस्ट्रीकृत विलेख कः 4488 जो 29-11-1980 को दुयम निबंधक, हवेली के दफ्तर में लिखा है।)

> शशि कान्त कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, पूना

तारीब : 13-7-1981

मोहरु 🛮

प्रकृष भाई • टी • एन • एस • ---भावकर प्रविविद्यम, 1961 (1961 का 43) की भ्राचा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीकण)

अर्जन राँज, भोपाल भोपाल, विनांक 23 जुलाई 1981

निवर्ष सं अवर्षः ए सी अर्पन् अतः मुक्ते विजय माप्र आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्मे इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार ब्रूच्य 25,000/- रुपवे से अधिक है बारि जिसकी सं । फेक्ट्री हैं , तथा जो कन्नोंद में दिसत हैं (बीड़ इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), इ.जिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कन्नोद में रजिस्टकरण **बाधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्रधीन 4-12-1980** को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमानं प्रतिफल के लिए अक्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्स्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पण्डत् प्रतिमतं से प्रधिम है और पन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिपत्न, निम्नलिखित उद्देशक से उपत अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं दिया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई फिसी बाय की बाबत उपत प्रधिनियम के शशीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में शभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रीवनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत ग्रीवनियम, या धन-कर ग्रीवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए चा, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अद्विनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त महिनियम की धारा 269-न की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) सेठ सरूप चन्द हुकुमचंव और ओकार जी कस्तूर चन्द सन्दर्भः

(मन्दरको

(2) श्री गोपाल जी और महोन्द्र कामार पृत्र कपूर चन्द जी दियाबानी इन्द्रारा

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख्य करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी धार्धेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारी कांसे से 45 दिन की जनिवा या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की धवित, जो भी धवित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन बद्ध किसो अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपददीकरण:--६मर्ने प्रयुक्त अन्तां और वर्षो का, जो तसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाणित हैं, बहा मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

. **प्रनु**सूची

श्चिनिय केन्द्री कान्त्रों श्चिमा होवास में दिसका

विजय माथुर सक्षम प्रापिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोन्ज भोपाल

तारीच : 23-7-1981 मोह्यु #

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) वर्जन क्षेत्र,, भोपाल

, भोपाल, विनांक 23 जुलाई 1981

निष्येषा सं 🗗 भाइ 🕒 🗷 🗷 🗎 🗸 भारती — मृत्ये । सुध्ये विष्येष माध्र षायकर मधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इपर्ने इसके पश्चात् 'खका अधिनियम' की घारा 269-ख के ग्रंधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है जि स्यावर सम्यति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रूपए से मधिक है भीर पिसकी सं<sub>य 22/3</sub> है, तथा औ इम्बरि में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रकरण अभिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन 1-11-1980 को पूर्वेक्ति संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के एक्यमान् प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भविक है और पन्तरक (भग्तरकों) बौर भग्तरिती (भग्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,

(क) अन्तरण से हुई किसी मार्य की बाबत, उक्त प्रिक्षि-नियम के भ्रधीन कर वेने के प्रस्तरक के कायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए। भीर/या

निम्नलिबित छड्डेश्य से उपत ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक 🕶

से कवित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था था किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः, श्रवः, श्रवःत प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, ते, श्रवत प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन निकासिबात व्यक्तिमों, श्रवति :--

- (1) 1 बी हाजी गुलाम नबी पुत्र अब्दूल गपकार ब्रक्सी
  - 2 ; मो , यूसुफ पूत्र गुलाम वृक्सी
  - 3. गुलाम हसन
  - 4. अन्तुल कप्म
  - 5 , नृजीर अहमद
  - मो । श्रफी पुत्र गुलास न्वीं निवासी सोन्वाफ़ श्रीनगरा।'

(मन्तरक)

(2) चन्डेबाल चर्म्बस व्यारा तुलसी राम अगुवानदास चंडे-वाल 415 महात्मा गांधी मार्ग इन्दौर।

(भन्तरितीं)

की यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्रजैन के सिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रार्क्षपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बादा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी मन्य व्यक्ति जारा मधोहस्ताक्षरी के पात विकित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीक्रवण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधि-नियम के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस ग्रह्याय में विधा नया है।

# अनु सूची

मृत मृत 22/3 साउथ तुका गंध गुली नृत 1 इन्दर्दि में स्थित।

> विजय माथूर सुक्षम प्रा<u>प्तिकारी</u> (निरीक्षी) सहायक आयकर आयुक्त अर्जन र**ेज,** भोपाल

वारीब ब 23-7-1981 मोहरु ध प्ररूप प्राई० टी० एन० एन० ----

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269व (1) के अधोन मुचना

भारत मरकार

कार्याक्षय, सष्टायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1981

ितवॉक संु आर्था प्रेः सी ा (अर्थन)ं —-अ्तः मुक्ते दिव्जयः माभुर

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है के स्थावर सम्पत्ति, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दे से ग्रधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 3 है, तथा जो पंडरी तराई रायपुर में स्थित है (और इससे उपवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) व्हें सधीन 18-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मधि-नियम के मधीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या भ्रन्य खास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में मुविधां के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थातः—— 3—20601-81 (1) श्री हुनुमानवास व्यास सुपृत्र स्वृत्र दिवृत्वास व्यास सुद्र वाजादा, दायपुर।

(बन्तरक)

- (2) 1 श्री सुरेख चन्य सुपुत्र मोती लाज धारुवाला
  - 2. श्री महेन्द्र कुमार सुपुत्र मोतीलाल धरीवाला
  - अ श्री विषय कुमार सुपुत्र मोतीलाल् भारीवाल्
  - 4. श्री प्रमोद कुमार सुपुत्र मोतीलाल धारीनाला हलवाई लेन, दायपुर

(बन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ं उक्त सम्पत्ति के ग्राजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी करें से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्वक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त मध्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रविक् नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस बद्धाय में विया गया है।

### **भनुसूची**

प्लाट में 3 त सर्वों में 3 541/3 त 541/9 त 541/11 रकमा 7750 वर्ष मी विद्या मुख्य 10 भी डाय्युर-बृढांदा बाजाउ राड पूर रिभव है।

विजय माथूर सुक्षम् प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) जुर्जन रोज, भोपालु

तारीच ः 23-7=1981 मोहुद् ः प्रकृप बाई• टी० एन• एस•--

आयकर श्र**धिनियम, 1961 (1961 का 43) की बा**रा 2**69-ब**(1) के श्र**धीन सूच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 जुलाई 1981

िन्दिक सं आर्ट एक सी (अर्थन)—मूत्य गुक्ते दिख्य स्थान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-रुपये से धीकक है

शौर जिसकी सं न मकान है, तथा जो वार्ड 18 रायगढ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं) र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय रायगढ़ में र जिस्ट्रीकरण अधिनयम्, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-11-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर पन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए, तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उदेश्य से उक्त भन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर देने के धन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य जास्तियों की, जिम्हें भारतीय श्रायंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या एकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, बन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, क्रिस्तिवित क्यक्तियों, सर्थान् :--- (1) श्री प्रदीप कामार भगवानजी अमस्सी चाटवानी वार्ड नं मा 18 हासमूख।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भगवानजी अमरस्सी चाटवानी पुत्र स्व. तुलसी-दास्, जाटवानी, वार्ड नं ा 18, रायगढ।' (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रूपव्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रभ्याय में बिया गया है।

# अनुसूची

दो मंजिला मकान जो नजूल प्लाट नं. 9 एवं 8/1, शीट नं. 44, बाड नंज 18, हामुगढ़ में स्थित हो।

> विजय माथूर सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, भोपाल

तारींच् । 24-7-1981 मोहरु ॥ प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

नभोपाल, दिनांक 24 जुलाई 1981

निर्वाश सं अगर् । ए सिं (अर्जन) अतः मुक्ते विषयः माधुर आयकर अग्निनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इतके परवात् 'उक्त अग्निनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अग्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं 905 और 906/3 है, तथा जो जवाहरगंज जवलपुर में रिश्वत है (और इससे उपवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जवलपुर में रिजस्ट्रीकरण अभिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृपयमान प्रतिफन के लिए प्रस्तिरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि प्रयापूर्वोक्त सम्पत्ति का अविव बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिन्न नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्रांय या किसी श्रन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विश्वा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अभीन, निष्मित्विष्त अधिकत्यों, वृष्तिक्र--- (1) श्री जयमंगल आक्षा पुत्र स्व. बंशीलाल आक्षा, एडवोकेट 88, नानावटी बंगला, गांधीश्राम, जूनाग्ढ, गुज्रातः - हाल ज्यनपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री दिगम्बर कामार पृत्र हरीशचन्द्र जैन नि. सराफा वाड अबुल्पुरा।

(अन्त[रती)

((3)) बैंक आफ बरोंड़ा अवाहरांज अवलपुर (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति हैं) को यह सूचना जारी करक पूर्वोंक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करती हो।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पर्दों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान् ने 905 आहे. 906/3 906/3 क्लाक ने 905/3 प्लाट मैं 906/3 905/3 क्लाक ने 905/3 जियाहर गंज वार्ड जबलपुर में स्थित है।

विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी (निरक्षी) सहायक आयकर आयृक्तु अर्जनु रोन्जु भोपाल

**कारीब : 24-7-1981** 

### प्रकप माई • टी • एन • एस •----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व(1) के ध्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्थन क्षेत्र भोषान

भोपाल, विनांक 23 जुलाई 1981

निवर्ष सं∠ आर्ड ट हो ॒ सी.ः ((वर्षन) ---अत्ः मुक्ते विजयः सम्पर्

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, वह निस्वास करने का कारण है कि क्ष्मावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्रताट नं 180 है, तथा भी हाइट झाऊन प्रवृत्पुर में स्थित है (श्रीर इससे उपवृष्ध शृत्युषी में श्रीर पूर्ण रूप से विणिते हैं,), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-11-1980

कर पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके प्रयमान प्रतिफल से, एसे प्रयमान प्रतिफल का प्रयह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण कि विष् त्य प्राया ग्या प्रतिफल किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐंसी किसी भाग या किसी धन या ग्रन्थ भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर श्रीमिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनयम, या धन-कर श्रीमिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती को प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए,

(1) नंद कुमार पुत्र स्थामसुन्दर अग्रवाल निवासी-1175, नेरिप्युद्ध द्वाजन् अवसपुर।

(मन्तरक)

(2) श्री बुजमोहन तरा पृत्र श्री रामचन्द्र तरा नि 160/3 विव्यानगृद्ध श्री : पी : एफ : अवलपुर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाओंप :---

- (क) इस सूचना ने राजपल में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की समित्र या तत्संबंधी क्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की समित्र को भी क्रमध्य में समाक्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियं में से किसी क्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से 4 ह दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य न्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जी सकेंगे।

स्पन्धी करणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्मों का, जो उक्त अधि-नियम के साध्याय 20-क में पिन्मिषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विकासया है।

# अनुसूची

प्लाट में 180 का भाग - बीट में 153, मौबा सुभाषनगर, दाइट टाउजन नार्ड पुराना नया नार्ड, नेपीयुर टाउजन - हक्का-2394 वर्ग फुट (23'×57')

विजय माथुर सुक्षम् प्रा<u>पि</u>कारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>र</sup>ज् भोषाल्

भतः अव, उक्त मधिनियम् की धारा 269-ए के अनुसरण में, धैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ज़शीन दिस्नियित व्यक्तियों, व्यक्ति के

तारीख : 23-7-1981

मृहिदु 🗈

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन् क्षेत्र्, भोपाल

भोपाल, विनोंक 23 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई. एे. सी. (अर्जन)—अतः मुक्ते विजय माभूर क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं 180, 180 ए हैं, तथा जो राइट टाउजन जबलपुर में स्थित हैं (और इससे उपनद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में बास्तिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम् की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

अतः जब, उनत अभिनियम की भारा 269-गंके, अनुसरण में, मैं, उनत अभिनियम की भारा 269-गंकी उपभारा (1) के अभीन निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः--

- (1) श्री नन्द क्मार पुत्र श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल निवासी 1175, नेपीयुर टाउउन, अव्लपुर।
  - (अन्तरक)
- (1) श्रीमृति आरः शारः श्रह्णा प्ती श्री आरः बारः अह्जा 901, बार्द का बगीचा, जबलपूर।
- (2) श्री रमशकुमार अनेजा पुत्र जमनलाल अनेजा, 880 बाह का स्पीमा अस्तप्रा

(अन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वायत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**ई भी आक्षेप्:---**

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बर संची

प्लाट नं 180 / 180ए का भाग = दकवा 4770 वर्ग फ्रीट मौजा सुभाषनगर, जो राइट टाउर्जन थर्ड जबलपुर में स्थित है।

> विजय माथुर स्क्रम् प्रा<u>प्थिकारी</u> सहायक् भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोष्ट्रभारेपाल

ता**रीख**ः 23-**7-**1981

मोहरू 🖺

प्रकृष भाई∙ टी• एन• एस०—

भायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 ज्लाइ 1981

निर्दोश सं. आर्ह्स. ए. सी. (अर्जन)--अतः मुक्ते, विजय माथुर, आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 हा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख ने अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है जि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित 25,000/-रुपए से प्रधिक म्ल्य और जिसकी सं. प्लाट नं. 180 का भाग है, तथा जो राइट टाउन जबलपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, 6-11-1980

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृण्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अहेग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त भिधि-नियम के ग्रंगीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्या था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रधितियम की धारा 269-ग के शनु-करण में, में, धक्त श्रधितियम की धारा 269-घ की उपश्रारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवित:— (1) श्री नंद करमार पृत्र स्याम सन्दर अग्रवाल, निवासी 1175 नेपियर टाउन जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर. बीर. अहूजा पत्नी श्री आर. आर. अहूजा, निवासी 901, बाई का बगीचा, जबल-पूर।

(अन्तरिती)

को महसूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति बारा;
- (ख) इप पूचना के राजपत्न में प्रकाशत की तारीख से 45 दित के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पण्डीकरण: --इसमे प्रमुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिमाधित हैं, बही अर्थ होगा जी उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

# अनुसूची

कारपोरोशन प्लाट नं. 180 का भाग - मौजा सुभाषनगर - वार्ड राईट टाउन - पूटाना, नया नेपियर टाउन वार्ड - रकबा -  $\frac{49+32}{2}$   $\times$   $\frac{62+57}{2}$  — 2400 Sq. ft. करीब

विजय माधुर सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त) अर्जन रोज, भोपाल

दिनांक : 23-7-1981

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 24 ज्लाई 1981

निर्दोश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः म्भे, विजय माथ्र,

धायकर घिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रश्नोत सम्मन्न प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क्पये से ग्रिधिक है

और जिसकी सं. 15/533 का भाग है, तथा जो जवाहर नगर वार्ड में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-11-1-380

16) क अधान, 4-11-1380 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से हन के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पग्दह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या घन्य घास्तियों की, जिन्हें भारतीय भागकर ग्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनियम, या धनकर भिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत।—— (1) श्रीमती प्रमीला गोहिल पत्नी श्री खुशाल सिंग सा राज महोन्द्रो द्वारा मुख्ल्यार लास श्री कौशवजी वल्द जयराम राठार नि. फाफांडिह।

(अन्तरक)

(2) मै. अग्रवाल गुडाक्षू फौक्टरी फर्म खरिसया द्वारा श्री गजानंद बल्ब मंशाराम अग्रवाल नि. खरिसया त. रायगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दां और पदों का, जो उकत मधि-नियम के श्रष्टपाय 20-रु में परिभाषित हैं, बही सर्थ होगा, जो उन ग्रष्टयाय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं 15/533 का भाग जो जवाहर नगर वार्ड रायपुर में गुजराती स्कूल के पास स्थित है। प्लाट रकवा-1035 वर्ग फुट।

विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त) अर्जन रोज, भोपाल

दिनांक : 24-7-1981

शारूप आई. टी. एन. एस. --

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 जुलाई 1981

निवर्षा सं आर्घ ए सी. (अर्थन)—अतः म्भे, विजय माथ्र,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है

और जिसकी सं. 33 है, तथा जो ग्रेटर तिरुपित कालोनी में स्थित है (और इससे उपबव्ध अनुसूची में और पूर्ण के कप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दरि में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-11-1980

अधीन, 25-11-1980 को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमन प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्धन प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए:

- (1) श्रीमती बलवंत कार पति सरवार गुरुवांव सिंह बेन्स नि 33 गेटर सिरुपति कालौनी, इन्दौर हाल-9, ऋषीकंज, गोरलपुर, जबलपुर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रमा सचवेष पति श्री योगराज सचवेव, निवासी 15/2, सा. तुकोगंज, इन्दरि। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भगुसुची

मकान नं . 33, ग्रेटर तिरुपित कालोनी, इन्दौर में स्थित है।

विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त) अर्जन र<sup>उ</sup>ज, भोपाल

कतः अत्र , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः——

तारी**स** : 24-7-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एम.-----

भायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 जुलाई 1981

िनुष्येषु सं कार्याः एउ सी (श्रूषिन) व्याप्तः मुझे विष्यम् माथुड कायकर सिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवातः 'उक्स अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मृत्ति जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

खाँर जिसकी सं. मकान नं. 15/533 का भाग तथा जो जवाहर नगर वार्ड में स्थित हैं (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्या, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4/11/1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किया याथ की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/ग्रा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणाने में मुविधा के लिए;

अतः भ्रव, उक्त श्रिष्ठिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिष्ठिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थीत् :-- 4--206GI/81

- (1), श्रीमती प्रमीला गोहिल पस्ती श्री खुवाल सिंग सान राजुमहोन्द्री द्वारा मृ. बास श्री के घुवजी वृल्द जुयून राम रावर जि. फाफाडीह, रायपूर। (श्रन्तुरक्री)
- (2) मं अग्रवाल गुडास फेक्टरी बिलासपूर द्वारा श्री रामचन्द्र वल्व में शाराम अग्रवाल, बिलासपूर। (अन्तर्तिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित के ध्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हं।

जनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भ्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त गब्दों धौर पदों का, जो उक्त श्रवि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

### प्रनुसूची

मुकाको नं त 15/533 का भाग औं जुवाहर नगर वार्ड रायपुर में गुजराती स्कृल के पास स्थित हो। रक्का प्लाट-1342 वर्ग फाट।

> विजय माथूर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज, भोपाल

दिनांक : 24-7-1981

# प्रकप काइ. टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देश्ण)

· अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 24 जुलाई 1981

निर्देश सं. आर्ड. ए. सी. (अर्जन)——अतः मुक्ते, विजय माधर,

कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 18/2 है, तथा जो सियागंज में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-11-1980

क्ये प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्झ, उसके इच्यमान प्रतिफल से, एसे इच्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अयं, उक्त अधिनियमं, कौ भारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अधीत् :--

- (1) (1) कानुभार्व सुपुत्र दारेजीभाई पटल
  - (2) श्री रमनभाई सुपुत्र दारेजीभाई पटल
  - (3) श्री रमेशभाई सुपुत्र दारजीभाई पटल
  - (4) श्री राजन्द्रभाई सुपूत्र दारजीभाई पटले नि. स्थान 25, जवाहर मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरक) (2) श्रीमती मुनीरा पत्नी मुस्तका बोहरा, चांदनी चौक, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा :
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गुया हैं।

# मन्सूची

मकान नं. 18/2, सियागंज, इन्<mark>दर</mark>ि।

विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त) अर्जन रॉज, भोपाल

दिनांक ; 24-7-1981 मोहर ; प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सुक्ता

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 जुलाई 1981

निद्रिश मं. आई. ए. सी. (अर्जन) — अतः मुक्ते, विजय माथ्र,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं मकान नं हैं, तथा जो जवाहर मार्ग में स्थित हैं (और इससे उपबद्ध अनसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उम्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविशा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उन्भारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

- (1) में. फकीरचन्द एंड कम्पनी, एम. टी. क्लाम मार्कोट, इन्दौर।
- (अन्तरक)
  (2) श्रीमती तसनीम पृति गुलाम अस्मास, जांबनी चौक, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 43 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुरी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं. 206, जवाहर मार्ग, इन्दरि।

विजय माथूर सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त) अर्जन रोज, भोपाल

दिनाक : 24-7-1981

मोहर ः

### प्रकप धाई । टी । एत । एस । ----

# आयकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 म (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1981

निवंश सं. आई. ए. सी. (अर्जन) --- अतः मुक्ते, विजय माध्र, आयकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त घर्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- र॰ से

मधिक है

और जिसकी सं 5 है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप सं वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 3-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उकत भ्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कि किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिन्नियम, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने 'में स्विधा के लिए।

अतः, सब, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षातु:--- (1) श्री केशर सिंह हीरा सिंह, नि. कना<u>डिया,</u> इन्दरि।

(अन्तरक)

(2) रामनारायन मोडीलाल अग्रवाल, 4/2 श्र**द्**धानन्द मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवादियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की भविष, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा:
- (क) इस सूचना के राजरव में प्रकाशन को तारीख से 45 विन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पब्दी चरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धितियम के अध्याय 20-क में यथा परिचाचित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस धव्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं<u>.</u> 5, उद्योग नग<u>ए</u> इन्दौर, क्षेत्रफल 15120 वर्ग फीट।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी (निरक्षिती सहायक आयकर आयुक्त) अर्जन र<sup>र्</sup>ज, भोपाल

दिनांक : 23-7-1981

मोहर ः

# प्रकृष चाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1981

निर्दोश सं आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुक्ते, विजय माथुर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के धर्धान समम शिधकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति विश्वका छिन्त बाजार मूस्य 25,000/-द से अधिक है

और जिसकी सं. 40 है, तथा जो इन्दौर में स्थित हैं (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप सं विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर मे रिजस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 3-11-1980

की पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तारत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसं दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित बहुश्य से अन्तरण कि लिए तम पामा गया प्रति-कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुइ किसी आय की बाबत उन्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दाजिए के किसी करने या उधसे बचने में खुनिशा के सिए। और/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या खब्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना शाहिए बा, छिपामे में सुबिधा के लिए;

अतः अव, उपत अधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उस्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिजित व्यक्तिनों, अर्थात् 1—

- (1) श्री कोशर सिंह हीरा सिंह, नि. कनाडिया, इन्दौर।
  - (अन्तरक)
- (2) रमंद्रा चन्द्र घनश्याम दास, 38 काटन कालोनी, इन्दौर। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **भर्ज**न के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उयत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविष्ठ, को भी श्रविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों पें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नोकरण। इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उत्त अधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ ोगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

प्लाट नं. 40, उद्योग नगर, इन्दौर, क्षेत्रफल 15000 वर्ग फीट।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायकं आयकर आयुक्त) अर्जन रजे, भोपाल

दिनोक : 23-7-1981

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

### कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)---अतः मुभ्ते, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं 52 एफ हैं, तथा जो इन्दौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर मे रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-11-1980

करे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजा-मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल हो पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य असितयों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिस्त व्यक्तियाँ अर्थातः--

 श्री कशर सिंह हीरा सिंह, नि. कनाडिया त. इन्दौर।

(अन्तरक)

2 (1) श्री आवेदेवर जैन छवी लाल जैन, (2) श्रीमती विनोद जैन पत्नी एस पी. जैन, (3) राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, इन्दौर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जनु के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्युंक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

### अमुस्ची

प्लाट नं . 52 एफ , उद्योग नगर , इन्दारे , क्षेत्रफल 27500 वर्ग फीट।

विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, भोपाल

दिनांक : 23-7-1981

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-मु (1) के अधीन स्थना

### भारत् सरकार

कार्यान्तय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1981

निर्वोश सं. आर्घ. एं. सी. (अर्जन)--अतः मुक्ते, विजय माथुर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक ही

और जिसकी सं 52 हैं हैं, तथा जो इन्दौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-11-1980

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिणाम के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या धनकर अधिनियभ, या धनकर अधिनियभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था चिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री क्षेत्रर सिंह हीरा सिंह, नि. कनाडिया, त. इन्दौर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री ज्ञान चंद्र पुत्र रतन चंद्र, (2) रतन चंद्र पुत्र दसूमल, नि. 12 गोधा कालोनी, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# अनुसूची

प्लाट नं. 52 ई, उद्योग नगर, इन्दौर, क्षेत्रकल 23500 वर्गफीट।

> विजय माथ्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र<sup>र्</sup>ज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिख्त व्यक्तियों, अर्थीत् ः—

दिनाक : 23-7-1981

मोहर 🐠

प्रकप भार्ष । टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 469-म (1) के अधीन सुमना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1981

निर्दोश सं. आर्द्र. ए. सी. (अर्जन)——अतः मुक्ते, विजय माथुर,

म्रायंकर मिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिष्ठिनियम' किहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-रुपय से मिष्ठिक है

और जिसकी सं : 52 डी है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक 3-11-1980

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रस्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारम है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उल्लि बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पश्चह प्रतिशत से प्रधिक है भीर धम्तरक (धम्तरकों) घौर अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे धम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उहेश्य ा उस्त धम्तरण लिखित में बाहन-विका कप से विषत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वासिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य पास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म के अमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन निम्नतिस्थित व्यक्तिगों, क्यों र :---  श्री कशर सिंह हीरा सिंह, नि. कनाडिया, त: इन्दौर।

(अन्तरक)

2. (1) सुरोश कुमार रतन चंद, (2) श्रीमती निर्मला बाई पत्नी विशन दास, 12 गोधा कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के किए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की सर्वाध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूजना
  की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी सर्वाध
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक्ष से
  45 दिन के भीतर उक्त क्यावर संपत्ति में
  हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोह्स्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :-- इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, को उक्त धिवित्यम के सन्याय 20-क में परिचाचित हैं, वहीं धर्य होगा औ उस सन्यान में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं . 52 डी, उद्योग नगर, इन्दौर, क्षेत्रफल 23500 वर्ग फीट।

विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

दिनांक : 23-7-1981

मोहरू 🥲

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

> > भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1981

निर्दोश सं. आर्दा. ए. सी. (अर्जन) -- अतः मुक्ते, विजय

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसे इसमें इसके पंग्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गंगा है), की धारा 269-ख के ग्रधीत सञ्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिपका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ६० से

और जिसकी सं. 29 है, तथाओं इन्दौर में स्थित ही (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में दर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूरूप, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है। भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐं। पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फ र, निम्तिलिखन उद्देश्य न अका अस्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उबत मधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिहब में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, यो धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रतः ग्रव, उक्त मधिनियम, की घारा 269-ग के प्रनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों अर्थात :--

(1) श्री कंशर सिंह हीरा सिंह, नि. कर्नाड्या, त. इन्दार।

(अन्सरक)

(2) (1) श्री लीला शंकर त्रियंदी, छोटी खाल टोली, इन्दौर, (2) ओम प्रकाश 5/8 रोड नं 1 परदेसीपुरा इन्दरि, (3) सूरज प्रसाद मोतीलाल जैन, 3/3 नार्थ राज मोहल्ला, इन्द्रौर।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकानन की तारीख से 4.5 विन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पर्दो का, जो जकत अधिनियम के धक्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं . 29 , उन्नोग नगर , मूसाखेड़ी , दिव गुरास्थि। रोड, इन्दौर, क्षेत्रफल 25800 . वर्ग फीट।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

विनांक : 23-7-1981

मोहर :

5-206GI/81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ण)

अर्जन राज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1981

निद्रंश सं. आई. ए.सी. अर्जन—अतः मुक्ते, विजय माथुर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 1/110 व 1/111 है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्री-करण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12 नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए;

आतः अब. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) को अभीन निम्निल्कित स्पिनत्यों अर्थात ≝--  श्रीमती लक्ष्मीबाई पत्नी शंकर लाल यांकड़ा निः नजर अली मार्ग, उज्जैन,

(अन्तरक)

2. श्री त्रिलोक नाथ पुत्र तारथजी नारंग, दशहरो मैदान, उज्जैन.

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके वृवाँकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास्
  सिचित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।।

### अनुस्ची

मकान नं. 1/110 व 1/111 का भाग जो दूध तलाहैं उज्जीन में ही।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोन्ज, भोपाल

दिनांक : 23-7-1981

मोहर 🕽

प्रकार धार्ष हो। एतः एसः----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के खबीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. अर्जन—अतः मुक्ते, विजय माथुर, बायकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त पितियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अतीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है हि स्थावर सन्ति. जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं. टीएस-आई है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 नवस्वर, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिफल के पश्चह प्रतिशत से यिक है धीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) क बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तांक रूप से कथित महीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अग्निमयम के अधीन कर दने के ग्रन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आज या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत ग्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की बारा 209-ग के अमुखरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपज्ञारा (1) के अधीन, निम्निनिखित व्यक्तिमें ग्रवीष्:--

(1) श्रीमती शान्ती वांची पत्त्नी बावल चन्त्र जैन , नि . 199 चिताबद वाम्बे , आगुरा होडे , धन्त्राहि ,

(अम्त<u>र</u>क)

- 2. (1) श्री राजेश कुमार,
  - (2) होमन्त कूमार,
  - (3) मनीय कामार
  - (4) भाषेष कुमार दूषाऱा कान्तीलाल **शाह**, मृनीष् ट्रष्ट, इन्तर्ौर,

(अन्<mark>तरि</mark>तो)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के आरए कार्यवाहियाँ शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब
  किसी अस्य ण्यक्ति द्वारा, ग्राचोहस्ताक्षरी के पास
  खिखित में किए जा सकेंगे।

रुपक्टी तरण -- इसर्ने प्रयुक्त शक्यों भीर पर्यो भी, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बढ़ी श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

# मनुसुची

प्लाट नं. टीएस-आई, ट्राफिक रूट नं. 6-7, स्कीम नं : 31, विकास प्राप्तिक रण, इन्दौर, 12992 वर्ग फीट।

्रियय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रन्ज, भोपाल

विनांक : 23-7-1981

मोहर 🖰

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, कार्यालय अर्जन क्षेत्र,

भोपाल, दिनांक 24 जुलाई 1981

नि सं आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुक्ते विषय माथ्र शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. वन-भूमि है, तथा जो चिकलोद कलां में स्थित है (और इससं उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में विर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, गोहरगंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28 नवस्वर, 1980

को पूर्वीकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना आहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-मु की उपधारा (1) के स्थीन निम्नलिखित व्यक्तियमें अर्थातः== (1) श्रीमती एच एच मेहरताज नवाव साजिदा सुल्तान बेगम, सूपूजि एच एच नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खान, नि - केसर-ए-सुल्तानी, अहमदाबाद पैलेस, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) नवाब मन्सूरअली पटाँदी, सुपुत्र इफ्तीकारअली खान, 8-बीं, रसमी कारमिचले रोड, बम्बई-400261।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन, के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

नवीन स्वसरानं 21, 24, 70, 71 में स्थित वन भूमि, जिसका कृत रक्तवा 95.63 एकड़ हैं और जो ग्राम विकलोकलां में स्थित हैं।

विजय माथ्र सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त) अर्जन रन्जे, भोपाल

विनांक : 24-7-1981

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

# कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सुधीन सूचना

#### भारत सरकार

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, कार्यालय अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जुलाई 1981

नि. मं. आर्ड. ए. मी. (अर्जन)—अतः म्फे विजय भाथ्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. वन-भूमि हैं, तथा जो चिकलोद कलां में स्थित हैं (और इसमें उपबद्ध अन्सूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित हैं), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शौहरगंज में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29 नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपान में सविधा को लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्रीमती एच एच महरताज नवाब साजिदा सुल्तान बंगम सूपूत्रि स्व एच एच नवाब मोहम्मद हमीद्वला खान, नि —कैसर-ए-सुन्तानी, अहमवा-बाद पैलेस, भोपाल (म प्रा)।
  - (अन्तरक)
- (2) श्री सूवर्ण शमरोर जंग बहादार राशा सूप्त एकराज जंग बहादार, नि. सैलाना डोढी, तुकोगंज, इन्दौर (म. प्र.)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### **अन्**स्ची

नवीन असरा नं 34, 35 एवं 50 में स्थित वन-भूमि जिसका कर्न रकबा 94.85 एकड़ है, और जो ग्राम चिकलोद कर्ना में स्थित है।

> ंविजय माथुर सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त) अर्जन रोन्ज, भोषाल

दिनांक : 22-7-1981

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जलाई 1981

नि. सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुके विजय माथूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्द्रत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. वन-भूमि हैं, तथा जो चिकलोद कलां में स्थित हैं (और इससे उपाबत्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, शोहरगंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28 नवस्बर, 1980

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कि संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधार (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों स्थातः :--

(1) श्रीमती एच एच महरताज नवाब साजिदा सुल्तान बंगम सुपुत्री स्व एच एच नवाब माहम्मद हमीदाल्ला खान, नि. कसर-ए-सल्लानी, अहमदा-लाद, पैलेस् भोपाल (म. प्र.)।

(अन्तरक)

(2) श्री जंठालाल मोवी सूप्त्र विटठलदास , नि मोदी कर्ज, माट्रांग, तेलंग रोड, बम्बई।

(अन्तरिती)

को पढ़ पूजना जारी करके पूर्वीस्त सम्मत्ति के **अर्जन** के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# जनसूची

Forest Land situated at Village: Chiklod Kalan, New Kh. No. 33, 43, 64, 65 and 76. (94.89 Acres).

विजय माथ्र सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयक्तर आयुक्त अर्जन रन्ज, भोपाल

दिनांकः 22-7-1981

मोहर 🕆

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जुलाई 1981

नि. सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः मूक्ते विजय माधूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उपकत अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. वन-भूमि है, तथा जो चिकलोद कलां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शोहरगंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27 नवम्बर, 1980

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार
मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिवक
रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः (1) श्रीमती एच. एच. महरताज नवाअ माजिदा स्वतान बंगम सुपुत्री स्व. एच. एच. नवाब मोहम्मद हमीदावला खान, नि. कमर-ए-स्वतानी, अहमदा-बाद पैलेस, भोपाल (म. प्र.)

(अन्तरक)

(2) श्री यूसूफ अली सुपुत्र कमरुडीन, 398/400, नरसी नाथा स्टोशन, कत्था बाजार, बम्बर्ष। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्मित्स के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों कता, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-का में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

#### वन्स्ची

नवीन ससरा नं 25, 27, 61, 75 एवं 79 में स्थित वन-भूमि, जिसका कुल रक्त सा 95.34 एकड़ ही, और जो ग्राम् चिकलोध कलां में स्थित ही।

विजय माथ्र सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त) अर्जन रोन्ज, भोपाल

दिनांक : 22-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय्लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जुलाई 1981

नि. सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—-अतः म्फे विजय माथूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. वन-भूमि है, तथा जो चिकलोद कलां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय, शैहरगंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27 नवम्बर, 1980

को प्त्रों क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए:

(1) श्रीमती एच. एच. महरताज नवाव साजिदा स्टेतान वेगम सुपुत्री स्व. एच. एच. नवाब मोहम्मद हमीद ल्ला खान, नि. कौसर-ए-स्वानी, अहमदा-बाद पैलेस, भोपाल (म. प्र.)

(अन्तरक)

(2) श्री नराँद्र का मार सिंह सप्त्र हीरालाल, नि. कल्याण भवन, तुकोगंज, इन्दौर (म. प्र.)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस श्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## बन्स्ची

नवीन ससरा नं 32, 41, 45 एवं 58 में स्थित वन-भूमि जिसका कूल रकबा 95.98 एकड़ है, और जो ग्राम चिकलोद कलां में स्थित है।

> विजय माथ्र सक्षम प्राधिकारी निरक्षिी सहायक आयकर आयुक्त

# 

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

वर्जन् क्षेत्र्, भोपाल्

भोपाल, दिनांक 22 जुलाई 1981

नि. सं. आई. ए. सी. (अर्जन)——अतः म्फे विजय माभूर शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 249-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 25,000/-व• से अधिक है

जीर जिसकी सं. वन-भूमि है, तथा जो चिकलोद कलां में रिश्वत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिर्चत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शौहरगंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29 नवस्वर, 1981

पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रवापुर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल का प्रवाह प्रतिशत से अधिक है और प्रकारक (प्रकारकों) धौर प्रकारित (प्रकारितयों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्देश्य से उचत प्रकारण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी खाय की बाबत छक्त श्रविनियम के प्रधीप कर देने के बन्तरक के वाबित्व में कमी करने वा छससे वचने में सुविधा के लिए; खोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घर या अच्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में पुशिधा के लिए;

बतः अब, उस्त प्रधिनियम, की बारा 269 म के धनुसरक में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के धारीन निम्मलिखित व्यक्तियों, धार्यीतः— (1) श्रीमती एच. एच. महरताज नवाब साजिवा सुन्ताम बंगम् सुपृत्रिः स्व. एच. एच. त्वाबः मोहम्मद हमीद्रुल्ला खान, नि. क.सर-ए-सुन्तानी, अहमवा-बाद, पैलेस भोपाल (म. प्र.) 1

(बन्त्रक)

(2) मदनलाल मालवीय सुपुत्र रुपशाम, नि. 14, नवल्खा मन् रोड, इन्धौर (म. प्र.) ।

(जन्त[रतो)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 48 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर धूचना की वामीन से 30 विन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी के दे 45 दिन के भीतर सकत स्थावर संपत्ति में इतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होना, जी इस बच्याय में विया क्या है।

## भनुसूची

नधीन ससरा नं. 36, 37 एवं 68 में स्थित बन-भूमि जिसका कुल रक्षेत्रा 94.11 एकड़ है, और जो साम चिकलोद कलों में स्थित है।

विजय माणूर सक्षम प्राधिकारी निर्देशी सहायक शायकद्व शायकक् अर्जन रुन्ज, भोपाल

विनोक 🕆 22-7-1981

मोहर 🛭

प्ररूप धाई • टी ॰ एस ॰ एस ॰ ——

नाय्कर निभनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनक्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 ज्लाई 1931

नि. सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः म्फे विजय माथ्र श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का स्नारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूस्य 25000/- इ० से अधिक है

बौर जिसकी सं. वन-भूमि है, तथा जो चिकलोद कलां में रिश्वत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, शौहरगंज मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27 नवस्बर, 1980

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के छन्ति बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छन्ति बाजार मृह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप स कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई जिसी धाय की बाबत उकत अधिनयम के भ्रधीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने था उसके अचने मे सुविधा के लिए; धौर/यां
- (ख) ऐसी किसी आय या विसीधन या प्रश्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः प्रव, उक्त व्यविनियम की धारा 269-ग के प्रतुसरण में, में, उक्त व्यविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्वात्:— (1) श्रीमती एच. एच. महरताज नवान साजिदा सुल्तान बेगम सुपृत्री स्व. एच. एच. नवाब मोहम्मद हमीद्रल्ला खान, चि. कौसर-ए-सल्तानो, अनुमदा-बाद पैलेस, भोपाल (मृ. प्र.)

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती पन्ना पल्लन पत्नी द्वेवेन्बर, नि. 8, श्री निकेतन, 14 क्वीन्स रोड वम्बद्दे-400020। (अन्तरिती)

क्यो यह सूचना जारी करके पृबों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी व से 4 8 दिन की मधित या तत्सवंधी व्यक्तियों पर तृषका की जामी ज से 30 दिन की भवित, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा:
- (ख) इस पूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्नोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के प्रध्याण 20-क में यथा-परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याण में दिया गया है।

## अनुसूची

नवीन खसरा नं. 15, 17, 19 एवं 22 में स्थित वन-भूमि, जिसका कुल रकवा 95.99 एकड़ है, और जो ग्राम चिकलोव कलां में स्थित है।

> विजय माथूर सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रन्ज, भोपाल

दिनांक : 22-7-1981

मोहर:

प्ररूप आहे. टी. एन. एस ----

भार्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) निरोक्षी सहायक आयकर आयुक्त, कार्यालय अर्जन क्षेत्र, भो्पाल

भोपाल, दिनांक 22 जुलाई 1981

नि. सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अत: म्के विजय माथ्र बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं वन-भूमि है, तथा जो चिकलोद कलां में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शौहरगंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27 नवम्बर, 1980

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्तल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एए दृष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया ग्या प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवंक क्य से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गं के अनुसरण में, म<sup>‡</sup> उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधाराः(1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् ≟--

- (1) श्रीमती एच. एच. मेहरताज नवाव साजिदा सुल्तान् बेगम सुपुत्री स्व. एच. एच. एच. नवाब मोहम्मद हमीद्रक्ला खान, नि. कैसर-ए-स्क्तानी, बहुमदा-बाद पैलेस, भोपाल (म. प्र.) (अन्तर्क)
- (2) श्रीमती गीता साहरियारियन, पत्नी जहांगीर, नि । 8, श्री निक्तेन, 14, अभीन्स रोड, बस्बई-400020।

(अन्तरिसी)

को यह स्चना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनां की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात विख्ता में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## अनुसूची

नवीन ससरा नं 10, 16, 18 एवं 11 में स्थित वन-भूमि, जिसका कुल रकबा 95.38 एकड़ है, और जो ग्राम चिकलोष कलों में स्थित है।

> विजय माथुर मक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रन्ज, भोपाल

दिनांक 🦸 22-7-1981

मोष्ठर 🖇

प्ररूप आर्धा वटी । एन । एस । 🗢

जासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) जे अभीन सुमना

भारत् सरकार

कार्याल्य, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण)

मुजीन ओस्टा भूरेपाल

भोगान्, ताडीन 22 जूनार् 1981

निष्डं अ हो कार्य है एक होता (सर्वन् - स्ताध मुक्ते निष्यस माण्ड

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- का से अधिक है

और जिनकी सं वन भूमि है, तथा जो जिकलोद कलां में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शाहर गंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27 नवस्बर, 1980

करे पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस, निम्मणिवित उद्देश्य से उच्त जिस्ति में बास्तिक्क कम के कियत नृष्टी किया गया है %--

- (क) मन्दरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त बरि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था सा किया जांशा जाहए था, कियाने में सुविधा के सिए?

(1), श्रीम्ती एक्क एक्क महर छाज भ्यान आधिका सुन्तान वेषम क्रम्या स्वा एक्क प्रकृत नवाद मोहम्मद हुमी-दिल्ला बान्, नि-कंसर-ए-सुन्तानी अहमदाबाद पैलस्,। भोपाल

(अन्त्रुक)

(2) श्रीमती नान्ही बालिया पत्नी अस्जीत रिसंह कि -20, इंबगाह हिल्स, भोपाल (स. इ.) (जन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पृष्टिकत सम्परित के अर्थन के ज़िए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कांद्र भी वाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना को राजधन में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी वर्ष विवास में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वें
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभीहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरुण:—-इसमें प्रयुक्त खुव्यों और पयों का, जो खब्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षे होगा जो उस अध्याय में विशा ग्या हैं के

#### वन्स्ची

नृतीचं खुसुरा नंदा 701 8 एवं 9 में प्रेस्थल वन-भूमि जिसुका रकवा 95.07 एकड़ ही, और जो ग्राम चिकलोद कर्ला में स्थित हैं।

्रिंत्यय मायुर सक्षत्र प्राप्तिकारी ((निरोक्षी सहायक आयकर आयुक्त) सूर्यन् रन्य भोपास

बतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के ब्रधीन, निस्नुसिद्धित स्युक्तियों, स्थाति हि—

तार्राख्य 22-7-81 मोहर≇

## प्रकप् आर्ड . टी . स्न . एस . ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन भोजू, भोपाल

भोपाल, वारीब 22 जुलाई 1981

दिवर्षेषु सं ज नाष्ट्री ए । सी ु (सर्जन) — अतुह मुक्के दिव्यस् वासकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000 / एत. से अभिक हैं

विद्वार किया है। वस भूमि है। तथा को जिक्कार कर्ना में स्थित हैं (और इससे उपायव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिज़स्ट्रीकर्ता अधिकादी के कार्याल्य, बाहर गंख में रिजिस्ट्रीकरण अधिनुश्चिम, 1908 (1908 का 16) के मभीनः 27-11-1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए जन्तरित की गई। हैं और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार भूक्य, उसके प्रस्पमान प्रतिफल से, एसे प्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक ही बार अन्तरक (अन्तरकाँ) बार अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबद, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आर्थ या किसी वन या अन्य ऑस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर भिभियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाता चाहिए भा, छिपाने में सुविधा को लिए:

(1) श्रीमती एचः एचः महरताज नवाध साजिदा सुल्तान बेगम कुन्या स्वा एच्य एच् नृवाब मोहस्मुब हमीय ल्ला चान्, नि.-कौस्ट-ए-स्नृतानी, वहम्या-बाव-पैलेस् भ्रोपाल

(2) श्री कृष्टेन नृगीन शाह पुत्र श्री शांदिआई **हरजीवब** महता ति - 8 श्री निकेतन है। 14 क्वीन्स होंबा

बम्बर – (400-020),

को यह स्थाना जारी करके प्योंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामिल से 30 विन की भविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद लिखित किए जा संकरे।

स्पक्कीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में दिया गया है।

## भन्स्ची

नवीन खसरा नं् 1 से 6 / 13 एवं 63 में हिस्थत वन-भूमित जिसका कृत रकवा 98.57 एकड़ है। बाँड जो बाम जिकनी कुलां में दिश्व हो।

> निष्य भाष्र सकम् प्राप्तिकारी (निर्जिकी सहायक आयक्र आयुक्त) ज्यन् इत्य भोपालः

बतः भव, उक्त बिधिनियम, कौ धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (11) के अभीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫 —

तार्याच 22=7-(1981) माहरू

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपान

भोपाल,, तारीब, 22 जुलाई 1981.

निव्देश सं आर्ड हि दि सिर्धान कि मुद्देश मुख्दे सिर्धा माथुर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु से अधिक हैं और जिसकी सं ज्वा भूमि हैं, ज्या को जिक आदे कला में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), द्रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के स्थीन, 27-11-1980 को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम क द्रश्यमान

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1), श्रीमती एच् एच् महर ताज नवाब साजिया सुल्तान बंग्म कल्या स्वः एच् एच् नवाब साहिम्मव हमीव् ल्या चान्, नि न क्षेत्र-ए-सुन्तानी, श्रहम्बान वाव पैक्षेत्र, भ्रोपाल (म.प्र.ण)

(1), श्री <u>उत्तन सिंह पुत्र पृथ्वीसिंह नि.ः विवृत्</u>यस्त, श्रिला=

भाउ (म.म.ज)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त स्म्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

न्यीन खसऱा नं , 20, 57 एवं 59 में दिखत दन-भूमि जिसका कुल दकवा 95.01 एक इ हो, औड भी प्राम जिक-लोद कर्ता में दिखत हो।

> ृतिजय माथुर सक्षम प्राप्तिकारी (मिह्हाकि सहायक आयुक्त आयुक्त)) अर्जन् ट्रन्थ भोपाल

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, सूर्यात् ६---

विनांकः 22-7-8]) मोह्यः प्रक्ष पाई॰ डो॰ एन॰ एत॰---

आयकर अविनियम; 1961 (1961 मा 43) की धार। 269-व (1) के ब्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भूगाल भूगाल, विनास 22 जुलाई 1981 निवर्षेश्व सं\_ आई ् ए. सीं\_ (अर्जन)—अत्य मुभ्ये विजय

माभूद प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व० से ग्रधिक है

और जिसकी सं वन-भूमि, है तथा जो चिकलांद कलां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित्त हैं), रिज़स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर गंज में रिज़स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29 नवस्कृत, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके धृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रश्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप ने कथिन नहीं किया गया है:--

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा को लिए; बीड़/या
- (क) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती एक् एक् एक् महर ताज नवाब साजिया स्रक्तान वेग्म कन्या स्वा, एक् एक् नवाब मोहम्मव हमी-दक्ता बान निज् कसर-ए-स्रक्तानी, शहमवाबाद पैलेस भोपाल-(स-१४०)

(अन्तरक)

(2) श्री सुमेरमल जैन पुत्र गंभीरमल सी / ओ . योज कार-पहुंसा , जीवनी संडी , आगुरा (उ न्मू है) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यश्विकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

ं नृजीन बसुरा नंत 540 55 एवं 69 में स्थित बन-मूमि जिस्का कुल दकवा 94.96 एकड़ हैं,, और ओ ग्राम जिल्ह-लोद कुलों में दिस्पत हैं।।

> ृिवृष्यः माणुरः सक्षम् प्राप्तिकारी ([न्रिकी सहायकः आयुक्तर आयुक्त), अर्जन रुन्त्र भोपाल

भतः जब, उक्त भीधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः---

बिनांकः: 22-7-198<u>1</u>)

मोहरू

प्ररूप आइ . टी . एन . एस . -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

# अर्थान औष्⊅ भॉपाच भॉपाल्य पिनांक 22 प्रतार 1981

निष्ण सं वादा एउ सी (मर्जन)—मत् मूके विष्ण मापुर बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रहं से अधिक है

बौड जिसकी सेन प्न-भूमि हैं, तथा जो जिकलांद कर्ला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), र्जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोहर गंजा में रिजिस्ट्रीकरण विर्मित्यमन, 1908 (1908 का 16) के अधीम, 27 नवम्बर, 1980

को-प्वांवत संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के स्थ्यमान सिल्फल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपरित का उचित बाजार मूख्य छसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिक्क कि निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कम से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

त्रीम्ती एष् । एष् । महर ताथ नवाब साणिया सुन्ताब बेग्स कान्या स्थः। एष् । एष् नवाब महिन्नव हमी-दुल्ला चान्। यि। करेदर-ए-सुन्तानी, बहुमवाबाद पेलेस, भोपाल-(स.प्र.)

(2) श्री अमीर-उद-दिन पुत्र कमरुव्दनि माफेत अमीर वृद्धाः मुक्सानी हाँका इंचरि-(माट्यात)

को यह सूचना जारी करको पृत्रों कर सम्पृतिस और अर्थन को लिए कार्यमाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्णिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वासा;
- (स) इस सूचमा के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हित्सक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शत निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो स्वस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

## **मन्स्**ची

न्यीक चलुरा में 39 त 48 त 66 एवं 72 में स्थित वृत्-भूमित जिसका कृत एकका 95 31 एक है त जोड़ को बाब किकालों कुला में स्थित है।

> विषय माणूर सक्षम् प्राधिकारी ([न्रीकी सहायक बायकर बायूक्त) अर्जन रन्त्र, भोपाल

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के, बनुसरम भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

विनाकः 22•7±1981 मोहरः प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 22 जुलाइ 1981

निवर्षिः सं ः आर्हे ् ए ः सी ः ′(अर्जन) — স্বঃ নুসট বিজ্ঞ माध्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मंल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी संवन-भूमि है, तथा जो चिकलोद कलां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रॉजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहिर गांज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) की **अधीन, 29 नवम्बर, 1980** को पूर्वीक्त संपन्ति के उपित आजार मृल्य से कम के उश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाज़ार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्दरभय से उक्त अन्तरणा लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बल्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तिसमों अर्थातः-- (1) श्रीमती एक. एक. महर साज नवाब साज्रिया सुल्तानः वेगम कान्या स्वं. एक. एक. नवाब मोहम्मद हमी व् कुल्ला कान नि. कैसर-ए-सुल्तानी, अहम्बाबाद कैसेस, भोपाल-(म.प्र.)

(2) श्री एवं. एचं. दिग्विजय सिंह प्त दिलीप सिंह, चसवंत पैनेंस, सैनाना, काया-उतलाम (म.स.)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

नवीन खसरा नं 31, 44, 52, 56 एवं 74 में स्थित वन-भूमि, जिसका कृत रकवा 96.57 एक इंडि. और खो ग्राम चिक लोट कलां में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी ([नरीक्षी सहायक आयकार आयुक्त) अर्जन रोन्ज, भोपाल

**विनांक : 22-7-1981** 

माहरः

प्ररूप आई. टी. एत. एस.————— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्थन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 22 जुलाई 1981

निर्वोध् सं ु आई ु ए ुसी ु (अर्थन) — असः मध्ये विषय व्यायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण **है** कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुत. से अधिक हैं और जिसकी सं. वन-भूमि है, तथा जो चिकलोद कलां में स्थित है (और इसमें उपाबद्दध अन्सची में और पूर्ण रूप से विर्णत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शाहर गंख में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **अभीन, 28 नवम्बर, 1980** क्यों पर्वोक्ति सम्पति के अभित बाजार मृत्य से कम के रहममान व्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विद्वास कारने का कारण है कि यथापुर्वोचित संपत्ति का उचित बाजार अन्त्र, उसके पद्यमान प्रतिफल से एसे पद्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक कप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरम से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) बीमती एक. एक. मेहर ताज नवाब साजिदा सुल्तानं बेगम कन्या स्व. एक. एक. नवाब मोहम्मद हमी-बुल्ला खान नि. कैसर-ए-सुल्तानी, अहमदाबाद पैलेस, भोपाल (म्.प्र.)
- (2) श्री लल्लू भाई पटोल पृत्र इचु भाई मार्फत उषा स्टोर्स हरीपुरा मेन रोड, सूरत-(गुजरात)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारोक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

नवीन खतरा मं. 28, 30, 51 एवं 80 में स्थित बन-भूमि, जिसका कृष रकवा 95.36 एकड़ है, आर्ट खो प्राम् जिकसोव कर्ला में दिस्पृत है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी (िन्हीकी सहायक आयक्तर आयुक्त) अर्णन रॉज, भोपाल

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात्:--

दिनांकः: 22-7-1981 मोहरः: प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.-----

आयकर आर्थानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 जुलाई 1981

निर्वास सं अहा । ए सी (अर्जन) — अतः मुके विषय माथूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूस्य

25,000 / − रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. वन-भूमि है, तथा जो चिकलोद लॉक में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शौहर गंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27 नवस्वर, 1980

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्रात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्रिथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम निम्नीसिचित व्यक्तियों अर्थात्ः— (1) श्रीमती एच एच महर ताज नवाब साजिदा सुल्तान बंगम कन्या स्व. एच. एच. नवाब मोहम्मद हमी-बुल्ला खान नि. कैस्र-ए-सुल्तानी, अहमदाबाब पैलेस, भोपाल-(म.प्र.)

(2) श्रीमती रती बार सीवाला पत्नी अमसेर नि व 670 ह जबर बाबू टिरोस, रोड नं 13, पारसी कालोनी

वादर, बम्बर्ष-(400-014)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति द्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

.स्वच्छिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

नवीन ससरा नंत 23, 26 एवं 29 में स्थित वन-भूमि जिसका कृत रकता 95.71 एकड़ है, और जो ग्राम चिकालोद कलां में रिश्वत है।

विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयुक्त आयुक्त) अर्जन रॉज, भोपाल

दिनांकः। 22-7=1981 मोहरः। प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

## वर्षन् क्षेत्र्, भाषाक

भोपाल, विनांक 25 जुलाई 1981

निर्दोश सं. आर्झ. ए. सी. (अर्जन)--अतः मृभ्रे, विजय माथ्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी सं मकान नं ई-4/124 है, तथा जो अरोरा कालोनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, 5 नवस्वर, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कर्तकारों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अस्, अक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री डा. चुवालचन्य मृतया, संभागीय विकास अधी-क्षक, बूर्ग (म.प्र.)

(2) भीमती सुमनं जैन कन्या श्री जिनेन्द्र कुमाइ जैन्। पोस्ट-गौर झाम्र, साग्र (म<u>.प्र.)</u>

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के निव्य कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्दोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हु<sup>8</sup>।

#### अन्स्ची

मकान मं , र-4/134, अरोरा कालोंनी, भौपाल

विजय माथुर, सक्तम प्राधिकारी (निरोक्ती सहायक आयक्तर आयुक्त) अर्जन रॉज-11, भोपाल

विमकिः 2*5-*7-1981

मोहर्

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सृष्ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अपनि क्षेत्र, भोपास्

सोपान्, विनांक 25 जुलाई 1981

निर्दोश सं. आर्ह. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुक्ते, विजय माथुर,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु से अधिक हैं

और जिसकी सं., कृषि भूमि हैं, तथा जो संबंधिए में रिथ्त हैं (और इससे उपबद्ध अनूसची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय, शौहर गंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8 दिसम्बर, 1980

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल निम्निलिखत उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुवै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) भी छोटे चां, इकवास चां, भारमण श्री मोहस्मय चां नि. न्यापुरा मेवाती, तहः—शोहरगंज, जि., राम सेन (म.प्र.)

(2) श्री सप्तक्षियुं डोटी एण्ड फार्म सण्डीविष्, तह उ शौहर गंज, जि. राम सेन (म. प्र.)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वनुसूची

कृषि भूमि को खसरा क. 9 में स्थित है, और जिसका कृष रक्षा 20.38 एकड़ में से 90.96 एकड़ बेचा गया है। यह भूमि ग्राम मंडीदीप में स्थित है।

> विजय माथूर, **सक्षम प्राधिकारी** (**निर्दीकी सहायक आयुक्त**र **आयुक्त**) अर्जन रॉज-I<sup>I</sup>, भोपाल

विनांक: 25-7-1981

मोह्र्रःः

## प्रकृप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 25 जुलाई 1981

िनदोंश सं आर्द्यः ए. सी. (अर्जन)—–अतः मुक्ते, विजय माथ्र,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं कृषि भूमि है, तथा जो मंडिविष में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गहिरगंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9 दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथात नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अव, उक्त बिधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बभीन, निम्निसित व्यक्तियों अधीतः :—

- (1) श्री छोटे खाँ, इकवाल खाँ, आत्मज श्री मोहम्मद खाँ नि. नमापुरा मेवाती, तृह. शृहरगंज, जि... रामसन (म. प्र.)
- (2) श्री सप्तेत्राणि डोरी एण्ड फार्म मण्डीवीप्, सहु। श्रीहरगण्, रिष्, राम सेन् (म.प्र.)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, क अध्याय 20-क में परिभाषित ंह, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि जो ससरा क. 9 में स्थित है और जिसका कृत रकता 20.38 एकड़ में से 90.97 एकड़ बेचा गया है। यह भूमि ग्राम मण्डीदीप में स्थित ही।

विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी (निरक्षि सहायक आयुक्तर आयुक्त) अर्जन रज-11, भोपाल

दिनांकः 25-7-1981

मोहरः⊬

प्ररूप आई० टी० एन∙ एस∙---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 💷 43) की धारा

269-घ (1) के घन्नीन सूचना

मारत मरकार

निरीक्षी सहायक आयकर आय्क्त, कार्यालय अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1981

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी. अर्जन—-अतः म्भे, विजय माथुर,

पायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्रधिकारी को, यह जिस्लास करते का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्षण से प्रधिक है और जिसकी सं. 384 है, तथा जो देवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकित्ती अधिकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ने कम के दृश्यक्षान पनिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह धिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रत् प्रतिशत से भिष्ठक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी याय की बाबत, उक्त मधि-नियम, के अधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे वजने में मुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या ग्रन्य प्रास्तियों को, जिस्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धनकर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा लियाने में संविधा के लिए;

मत: मन, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त मिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के समिन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थाण:--- (1) मैं. नरोन्द्र सिंह विक्रम सिंह चौधरी एण्ड सन्स, 93, शालनी रोड, दोवास।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री खान चंद वीरूमल, (2) संवक पृत्र खान चंद, (3) कु. जयवन्सी पृत्री खान चंद, 29 गोपाल बाग कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी ऋरके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सरता हूं।

उक्त समात्ति के अर्जन के सम्बन्ध में होई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भग्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मन्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ट-नियम के प्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थे होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं 384 , तारनी कालौनी , देवास , 11250 वर्ग फींट।

> विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयक्त) अर्जन र्जा-<sup>II</sup>, भोपाल

तारीस : 21-7-1981

मोहर :

. प्र<del>रू</del>प ग्राई० टी० एन० एस०<del>---</del>

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की <mark>धारा</mark> 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

> निरीक्षी सहायक आयकार आयुक्त, कार्यालय अर्थन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनीक 21 जुलाई 1981

निद्रोंश सं. आर्ड्ड. ए. सी. अर्जन—अत: मुक्ते, विजय माथर,

आयंकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीविनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के ग्रीविन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अजित बाजार मस्य 25,000/- क्पये से अधिक है

और जिसकी सं. 384 है, तथा जो देवास में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घौर मझे यह विष्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है घौर अन्तरक (अन्तरकों) घौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त यन्तरण लिखिन में व्यक्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (ह) अन्तरण सं दुई किसो प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रश्वरक के दायिका में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय सायकर सिंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः **धव, उक्त** अधिनियम की <mark>बारा 269-व के बनुसर</mark>ण में, म, खक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के स्रधीन: निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) मैं. नरेन्द्र सिंह विक्रम सिंह चौधरी एण्ड सन्स, 93, शालनी रोड, देवास।

(अन्तरक)

(2) (1) गोरभन लाल शंकर लाल राय, (2) भगवान वास गोरभन लाल राय, (3) मेवा बार्ड पत्नी छत्तु लाल राय, नि. ३६.३७, लोभी मोहल्ला, इन्दरि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के क्षर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खक्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी बाखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रष्य स्थित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिंखित में किसे जा सकेंसे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त कथ्वों कीर पदों का, जो छमत प्रधिनियम के धश्वाय 20-क में परिकाचित हैं, वहीं प्रवें होना, जो उस प्रच्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं. 384, तारनी कालौनी, देवास, 11250 वर्ग फीट।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त) अर्जन र<sup>र्</sup>ज, भोपाल

सारीख: 21-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के ज्योन सुचना

#### भारत सरकार

निरोक्षी सहायक आयकर आयुक्त, कार्यालय अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1981

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी. अर्जन--अतः म्भे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं. म. नं. '50 है, तथा जो कौताश मार्ग, इन्बौर मों स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-11-1980

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का 'कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्त कि निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त बन्तरण लिलिय में व्यस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की भावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने भें स्विधः के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तिरिष्ट द्वारा प्रवट गर्ग किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपार्थ में एविया को निया

अतः अब, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-य के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री परस राम जेठानंदं, निं् सिरपुर, इन्दौर। (अन्तर्क)

(2) श्री हरी कृष्ण पृत्र जगन्नाथ अग्रवाल, नि. 56, किलाश मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए अर्थियाहियां करता हो।

लक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वार में समान हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यन्ति ने में में निजी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्साक्षरी के पाम लिखित. में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूखी

मकान नं 50 का उत्तरी भाग जो कौलाश मार्ग, इन्वौर में ही।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रॉज, भोपाल

> > F ...

तारील : 21-7-1981

मोहर :

8---206GI/11

प्ररूप भाई • टी • एत • एस • ----

श्रायकर धिर्मियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष(1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

भार्वालय, सहायक आयकर आयक्त i(निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1981

निद्रिंश सं. आर्ह. ए. सी. अर्जन—अतः मुफ्ते, विजय माथुर,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के स्रभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से श्रीक है

और जिसकी सं. म. नं. 50 ही, तथा जो कीलाश मार्ग, इन्दार में स्थित ही (और इससे उपबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-12-1980

को वर्गेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐने दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐने अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल किम्नलिखन उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का पन्न का प्रतिकार के प्रतिवास के वास्तविक का प्रतिकार का प्रतिकार

- (क) प्रनारण ने तुई किसी न्राय की वावन उपन अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी ्रीकरने या उससे वचन में स्विधा के निए; भौर/या
- (आ) ऐसी किसा याय गां किसा धन या प्रनय प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अश्रितियम, या धन कर प्रश्नित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, खियाने में एविश्व के लिए;

क्षतः श्रव, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-म के ग्रनुसरण में , में, एक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नजिखित व्यक्तियों, अधिन 1-

- (1) श्री परस राम जेठानंद, 64, सिरपुर, इन्दौर। (अन्तरक)
- (2) श्री हरी कृष्ण पुत्र जगन्नाथ अग्रवाल, 56, कौलाश मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाब में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कन्तों घीर पदों का, जो उक्त धींधनियम के भध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रयं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

म. नं. 50 का दक्षिणी भाग जो कौलाश मार्ग, इन्दार में हैं।

विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र<sup>न</sup>ज, भोपाल

तारीर्ल : 21-7-1981

मोहर

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.-----

(1) श्री धूल जी पुत्र घीसा जी राजपूत नि. लसूडिया मोरी त. इन्सौर।

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म् (1) के मुभीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) सरवार जमीत सिंह पूत्र सरदार त्रिलोक सिंह, मं नं 62 पुलसीकर कालीनी, इन्दौर।

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

(अन्तरिती)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के शिए कार्यवाहियां करता हुं।

भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1981

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

निद्रिंश सं. आर्ड. ए. सी. अर्जन--अतः मूक्ते, विजय साथुर,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धा व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपतित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकी।

बीर जिसकी में 102/1 है, तथा जो इन्दौर में स्थित हैं (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-11-1980

स्थव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गम। हैं।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्मात का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुक्ने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (स) एभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिप्पाने में स्विधा के लिए;

# अनुसूची

ग्राम लसूडिया भोरी तहसील इन्दौर की भूमि, ससरा नं. 102/1, एक एकड़।

> विजय माधुर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) क्षर्जन रंज, भोपाल

अतः वन, उक्त अधिनियम, की भारा 269-मृके अनुसरण में, म<sup>1</sup>, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन्, निम्नुलि**क्त व्यक्तियाँ**। अभीत् धः

तारीच : 21-7-1981

मोहर 🛭

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 जुलाई 1981

नि. सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः, विजय माथूर वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से आधिक हैं

और जिसकी सं दो मंजिल मकान ही, तथा जो महल कालोनी में स्थित ही (और इससे उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण के रूप से वार्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवपूरी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24 नवस्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचले में सूर्विधा के लिए; सर्दि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :-- (1) श्री मोतीलाल ओझा, सुपुत्र श्री जगराम ओका, नि. महल कालोनी, शिवपरी, (म. प्र.)।

(अन्तरक)

(2) श्री हल्कराम स्पूत्र रामचरण नगरिया, नि. ग्राम-वीरा, पर-पिछोर, जिला शिवपुरी (म. प्र.) । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्दिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## **अनुस्**ची

एक दो मंजिल सकान, जो कि "महल कालोनी, शिवपूरी" में स्थित है, का आधा भाग।

> विजय माथूर सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त) अर्जन रोन्ज, भोपाल

दिनांक: 25-7-81

मोहर 🕄

प्रकप आई• टी• एन• एस•———— घायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के घषीन सूचना

भारत सरकार

## <sup>[कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्नण)</sup>

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 जुलाई 1981

निर्देश सं. आइ. ए. सी. (अर्जन)— अतः मुक्ते, विजय कुमार आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क० से प्रधिक है

और जिसकी सं. दो मंजिल मकान है, तथा जो महल कालोनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक ता अधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24 नवम्बर, 1980

अधान, 1 देनाक 24 नवस्वर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं
कम के दूश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान
प्रतिकल ते ऐसे, दूश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल,
निम्निर्नित्र एक्ष्य से उस्त अन्तरण जिखित में बास्तिकक
कप से कथित नहीं किया गया, है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, इन्त विधिनियम के बाबीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए। बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त श्रीधनिषम की धारा 269-म के अनुसरन में, मैं, उक्त श्रीधनियम की चारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री मोती लाल ओका, सुपुत्र श्री जगराम ओका, नि. महल कालोनी, शिवपुरी, (म. प्र.)।

अन्तरक

(2) श्रीमती विद्यादेवी पत्नी बालकृष्ण गुप्ता, जाति-वैरय, ग्राम-वीरा, पर - पिछार, जि.-शिवपुरी (म. प्र.)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शास्त्रेप:---

- (क) इस सूबना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत . व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## **अनुसूची**

एक दो मंजिल मकान, जो कि "महल कालोनी, विविष्री" में स्थित ही, का आधा भाग।

विजय माथ्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोन्ज, भोपाल

दिनांक : 25-7-81

मोहर 🖟

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोषाल, दिनांक 25 जुलाई 1981

नि. सं. आइ. ए. सी. (अर्जन)—अत:, विजय माथूर आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. मकान नं. 29 हैं, तथा जो सिव्धेरवरी रोड में स्थित हैं (और इससे उपवद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप

में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णीत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवप्री में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5 नवम्बर, 1980

पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्तेच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उथल जिथ-नियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के पायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य आसिसयाँ करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

अशः अव, अकत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन निम्नुलिखित अपुनित्यों, अर्थात् हम्म (1) श्रीमती काँशल्या देवी पत्नी महंद्र प्रताप अरोरा, एवं श्रीमती संध्या देवी पत्नी राजेंद्र पाल अरोरा, नि. सिद्धेश्वरी रोड, शिवपुरी (मृ. प्रु.)।

(अतरक)

(2) श्रीमती रामलू राजा पत्नी श्री पृथीपल सिंह, नि. सिद्धेश्वरी राड, शिवपुरी (म. प्र.)।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवर्षेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन बां। अशीध का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यथि, जो भी व्यथि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदमे का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मनुसूची**

मकान नं. 29, जो कि ''सिद्धोध्वरी रोड, शिवपूरी'' मैं 'स्थित हैं।

विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त) अर्जन रन्ज, भोपाल

विनांक: 25-7-81

मोहर 🗓

प्ररूप धाई० टी॰ एन० एस०-

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269=व (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकालम

कोच्चिन-16, दिनंक 13 जुलाई 1981

निद्योश सं. एलसी नं. 523/81-82--यतः मुक्ते टी. जेड. मणि,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिनकी सं. अनुसूची कें अनुसार है, जो कालिकट में स्थित हैं) और इससं उपाशद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कालिकट मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, 13-11-80 और 29-11-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूहय से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्डह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की राजस, उक्त श्रिष्ठिनयम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जचने में मुविधा के लिए: भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए.

श्रत: ग्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-व की उपग्रारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री के. जी. राधाकृष्ण

(अन्तरक)

(2) पी. टी. सैतालवी और पांच

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बग्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितदाद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पढटोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के श्रम्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रम्याय में दिया गया है।

## अनुमुची

64 Cents of leased with a five storeyed building in Calicut.

टी. जेड़. मिण् सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, एरणाकुलम

तारील : 1/8-7-1981

मोहर:

प्रकप माई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्मालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज्, एरणाक लम

कोच्चिन-16, दिनांक 17 जुलाई 1981

निविश सं. एल. सी. 526/81.82 यतः मुक्ते टी. जेड़. माणि

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्राह प्रतिशत से श्रष्टिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त धिक्ष-नियम के धिभीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधितः---

- (1) श्री अब्दूल रहिमान सेठ एण्ड अदरस (अन्तरक)
- (2) श्री/श्रीमित बी. ई. तोमस और डाक्टर. लिल्ली तोमस

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खनत संस्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त भविन नियम, के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

## अतमची

20.984 Cents of land with a building in Alleppey village.

टी. जेड्. माणि सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रंज, एरणाक लम

दिनांक : 1**7 जुलाई 1**981

माहर:

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.------

मायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- प (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

काम् लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिज,

एरणाक लग, दिनाक 20 जुलाई 1981

निवोश सं. एल . सी. 527/81-82--यतः मुर्फे, टी. जेड.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

**और** जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है, जो कोल्लम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काल्लम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-11-1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रति-कल निम्नसिसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तयिक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससं बचने में स्विभः के लिए: बीर/या
- ं(च) एेसी किसी अाय या किसी धन या अन्य अवस्तियों कों, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधः के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, वर्णात्ः---9--206GI/81

(1) श्री सण्णि

(अन्तरक)

(2) चैतन्या कोर्परोशन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथ्वित क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्ष्री के पास विस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरुण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नग्तुवा

46 Cents of land in Sy. No. 8477/C 1.4 of Quilom village.

टी. जोड. मणि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, एरणाक लम

विनांकः: 20 जुलाइं 1981

मोहर 🛚

प्ररूप भाई० टी॰ एत॰ एत॰ एत॰ धायकर भिन्नतियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार,पटना पटना, दिनांक 3 जुलाई 1981

निर्दोश सं. ।।।/497/अर्जन/81-82--अतः मूभ्हे, हृदय नारायण,

धायकर प्रधिनियम, '1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं तौजी संख्या 5225/14850 बार्ड संख्या 33, सिर्काल संख्या 245, खाता संख्या 62 है, तथा जो दुजरा (बोरिंग रोड) पटना में स्थित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-11-80

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर ग्रन्तरितो (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण जिखान में ग्रम्तर का स्वाद्य नहीं किया गया है :---

- (क) यन्तरण से हुई िकसी आप की बाबत, जनत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के राजिन्य में कभी घरते पाउससे बचने में सुविधा के निण; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी बन या ब्रम्थ ब्रास्तियों, की, जिन्हें पारतीय पान-कर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत ब्रिधिनियम, या धन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ब्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुखिद्या के लिए;

अतः अदा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा()) के अधीन निम्नलिखित स्यक्तियों, ग्रर्थात् —

- (1) श्रीमती राज क्मारी सिंह जीजे श्री क्मार गणपती प्रसाव सिंह वहीं सियत मां और वली श्री कुमार अमित सिंह वो श्री कुमार अरबीन सिंह नावालिगान साकिन रांक्काराज पत्रालय रांक्काराज जिला पलाम्। (अन्तरक)
- श्री श्री कृष्ण नन्दन वाष्णिं य आत्मज श्री देवकी नन्दन वाष्णीं य (2) श्रीमती ज्योत्सना जाँजे श्री कृष्ण नन्दन वाष्णीं य साकिन महल्ला कदम कुआं थाना कदम कुआं पटना।

(अंतरिती)

(3) (1) श्री श्रीकृष्ण्ण नन्दन वाष्णीय, (2) श्रीमती ज्योत्स्ना । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्परित

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मिल के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रज़ेंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त प्रविनियम के प्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## सनुसूची

जमीन का रकवा 2 कट्ठा 5 घूर एक मंजिला पक्का मकान सिहत मौजा बुजरा पटना में स्थित हों तथा जो पूर्णरूप से वसिका नम्बर, 7896 दिनांक 17-11-80 में वर्णित हो तथा जिसका निवन्धन जिला अवर निवन्धक पदाधिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, प्टना

तारीख : 3-7-1981

मोहर 🙄

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के श्रिष्ठीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पटना

पटना, दिनांक 3 जुलाई 1981

निव<sup>र</sup>श सं. ।।।-499/अर्जन/81-82—अतः मुक्ते, हृदय नारायण,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- से मिनिक है

और जिसकी सं प्लाट संख्या 520,523,524 का भाग सीट नं 23, होल्डींग संख्या 84 का भाग सर्कील संख्या 3 है, तथा जो बांकीपूर लोदीपूर जो अब छज्जूबाग के नाम से जाना जाता है और डा. टी. एन. बनर्जी रांड, पटना में स्थित हैं (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 1-11-80

1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस 1-11-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है धीर प्रन्तरकों धीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रश्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के षायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; खौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उमत ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भव, उक्त ग्रिशिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, चक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अजीन, निम्निसिज्ज व्यक्तियों, ग्रथीत् :-- (1) मिस्टर अचलेन्द्र नाथ मुखर्जी, अवकाश प्राप्त न्याया-धीका, पटना हार्इ कोर्ट वल्द स्व. राय बहादुर सुरेन्द्र नाथ मुखर्जी खुद ओ बली, वहैं सियत डा. अंजन मुखर्जी, पुत्र निवास स्थान बेंक रोड, थाना कोतवाली, पटना।

(अन्तरक)

(2) मिस्टर अनुप मुखर्जी, आई. ए. एस. वल्द मिस्टर प्रभुवत्त मुखर्जी, निवास स्थान आर्थिवाद, एस. पी.न बर्मा रोड, पटना, वर्तमान जिलाधीक समस्तीपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताकारी क पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पवों का, जो सकत प्रधितियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रयं होगा, जो उस भ्रष्टयाय में विया गया है।

## अमुसूची

जमीन का रकवा 479,93 वर्ग मीटर जो मौजा छज्जुबाग, डा. टी. एन. अनजी रोड पटना में स्थित है जो पूर्णरूप से बिसका नम्बर 7660 विनाक 1-11-80 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पवाधिकारी पटना ब्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण् सक्षम प्राधिकारी स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणं), अर्जन रज, पटना

ता**रीस** : 3-7-1981

मोहर्

प्रूष आई.टी.एन्.एस.-----

बायकड वृधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष्(1) के वधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालुय सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) अर्जन रोज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 जून 1981

निर्देश सं. ए.सी./र्रेष-सं. 930/एक्यू.-आर.-।।/ कल. -- यतः मुभी, आई. बी. एस. जुनेजा, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ एत. से अधिक हैं और जिसकी सं. 65ए , 65 बी., एण्ड 2/1ए. है तथा जो पदमपुकुर रोड जोगेक्षमित्र रोड कलकत्ता में स्थित है और इससे उपबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित हैं), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकरता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस् 20-11-80 को पूर्वेक्त संपरित के उपचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एरयमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तु अन्तरण जिल्लाक में बास्तविक

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या

इस्प से कश्यित नहीं किया गया है हिन्न

(प) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया स्या था या किया जाना आहिए था कियाने में सुन्धिया के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को सुधीन तुन्नितिवात व्यक्तियों सुधीव्∷--

- (1) (1) आबन्य प्रभा मित्र (2) सुसन्त मित्र (3) पिनाकि मित्र (4) प्रतिभा दत्तु (5) पृणिमा दत्तु (अन्तरक)
- (2) श्री अनुमेजुय दास वैरागी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### गगुजुरी

65 ए. 65 बि एंड 2/1 ए. पबपूक्तूर रोड़ एन्ड जोगेस मित्र रोड-कलकरता में अबस्थित 7 कट्टा 3 छटांक 8 वर्ग फिट जिमन पर आंक्षिक एक तल्ला और दो तल्ला मकान औ 20-11-80 तारीख में रिजस्ट्रार आफ एसूरेन्स का देपतुर रिजस्ट्री हुआ।

> आई. वी. एस. जूनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।। 54, रफीअहमद किंदवाई रोड, कल्कत्ता-16

तारीख: 18-6-81

मोहर 🚁

प्रस्प आईं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरोज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 जुलाई 1981

ि निर्दर्भेष सं. 928 ∕एक वी. आर. ∼181-82 – – युतः, मृ्भे,

आर्ड वी एस जुनेजा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/रू. से अधिक है

और जिसकी सं 4/73 है तथा जो चन्डीतला लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपालब्ध अनुसूची में और, पूर्णारूप से बिणत है), रिजष्ट्रीकरती अधिकारी के कार्यालय आलिपूर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-11-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनिमयं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के मुधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों मुधीत्ः—

- (1) श्री हिरन वाला सादा और दूसरा (अन्तरक)
- (2) श्री हिरा लाल साबा और दुसरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्बुरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप;--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बासे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानित्यों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासु लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

4/73, चन्डीतला लेन, कलकत्ता, 3 के-1 सी. एच.-1 एसु क्यू. एफ.टी. जमीन पर मकान।

> आई वी एस. जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज।।। 54, रफीबहमद किदवाई रोड,

> > कलकत्ता-16

तारी**ब**ः 1-7-81 मो**ह**र ध प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.------

ਰਿਕਸ਼ 1061 (1061 ਲਹ 49) ਛੀ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रोज-।।।, 54 रफीअहमद किंदवाई रोड, कलकरता अर्जन रोज, कलकरता

कलकत्ता, दिनांक 1 जुलाई 1981

निव का सं. 927/एकची. आर.-।।।/81-82---यतः, मूक्ते, आईं. वी. एस. जूनेजा, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः. से अधिक है

और जिसकी सं. 25 है तथा तो वढारल सढ़, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबध अनुसूची में और, पुर्णारूप से वर्णित है), रिजब्द्रीकर्सा अधिकारी के कार्यात्य के तकत्ता में, रिजब्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

3-11-1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्वरिय से उक्त अन्तरण जिल्हित में बास्तिवक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्नसिमित स्यक्तियों अमृतिः,— (1) श्री/सुधीन्द्र कुमार दास,

(अन्तरक

(2) श्री/अमबर प्रपारटीस लिः

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति को वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृयों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वपृष्यी

25, वढारलू स्ट्रीट, कलकत्ता मे अवस्थित अविभक्त मकानु का 1/6 हिस्सा । दिलल् सं 265 [۱]

> आई वी. एस. जूनेजा सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकार आयुक्त निरक्षिण) अर्जन रेज, 54, रफीजहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीबः 1-7-1981

मोहरू 🖫

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, कलकत्ता

कलकता, विनाक 6 जुलाई 1981

सं. 929/एक्वी-।।।/81-82-कलः — यतः मुक्ते, आईः वी. एसः जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 159/1 ए, 159/बी है तथा जो रामिबहारि एमिन, कलकरता में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुमूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-11-1980

की पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करते या उससे अवसे में सुविधा के लिए; शीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अरूप अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिख;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधादा (१) को अधीन, निस्निसिसित व्यक्तियों अधिक्≟-- (1) मनिशा सेन और इसरा

(अन्तरक)

(2) राम किशोर चौधरी और इसरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त म्विन्तयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारींक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्तित में किए जा सकारी।

स्यब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

#### नगृज्यी

मकान का ठिकाना :--159/1 ए एन्ड 159/1 बी, रासबिहारी एमिन, कलकरता
1 बी-5 के-13 इंच जमीन पर मकान।

आई. बी. एस. जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।। 54, रफीअहमद किदबाई रोड, कलकरता-19

तारीच : 6-7-1981

मोहर 🖫

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

अक्य आइंक टाठ एनठ एसंच

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्तात दिनांक 20 जुनाई 1981

निद<sup>फ</sup>श सं. ए. सी.-39/र्रज-4/कल $\cdot$ /81-82—अतः मूक्ते, के. सिंहा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा में अधिक हैं

का मं अधिक हैं जार जा अमृतनाल दां राँड, जाना एवं मांजा-बरानगर है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशीपूर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18 नवम्बर, 1981 को पूर्वोंक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में बास्तविक कप से किथन नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिष्ठिनियम के भ्रिष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

के च, उक्त ग्रधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण चिनियम की धारा 269-व की खपद्यारा (1) चत व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) भीमती सुरुष बाह

(अन्तरक)

(2) श्री रवीन द

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मब्दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बनस सी

1980 का दस्तावेज सं 8435 के मृताविक 66 अमृतलाल हा रोड, बरानगर, कलकत्ता पर मृतान सुमेत 8क. 98. 35 वर्गफूट जुमीन हो।

कें. सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, 54<sub>71</sub> रफीबृहमद किंदनाई रोड, कृतकता=16

दिनांकः। 20-7-1981 मोहर्

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अभीन सूचना

## भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अ<u>र्जन</u> रोज्ञ, विगलोर

# बेंग्लोर, विनांक 3 अप्रैल 1981

निर्दोश सं. 325/81-82--यतः मुक्ते, आर. थोथाद्रि, वायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंरवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स. से अधिक ही और जिसकी सं सि टी एस नंबर 213/2 और 205 है, णो एम. सि. मार्कोट, हुवालि मो स्थित है (और इससे उपावदेश अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी 📆 कार्यालय, हार्बाल अंडर डाक्यमोंट नम्बर 1889 मी भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारींख 26-11-1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।
- अतः अवः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) स्रोति निक्तितिसन व्यक्तियों, अर्थात्:~ 10—206GI/81

- 1. (1) श्री वीरप्पा गर्सिद्धप्पा भसनर
  - (2) श्री सुधीर वि भूसनूर
  - (3) श्री सुनील बि. भूसनूर कामांक 2 श्रीर नीन श्रुत्य = व्यन्क श्री बीरप्पा गुरुसिस्प्पा भूसनूर की संरक्षना में श्रुविल्साल्य हुर्बिल्

(अन्तरक)

2 (1) श्री पुकराज अ भूरन

(2) श्री अवेरिलाल पि, भूरन अवित्साल, हुव्हिक (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी, व्यक्तियाँ पर स्वश की तामील से 20 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

एम. जि. मार्कोट, हार्बाल, वार्ड नम्बर 2 में स्निथ इमा-रत (जगह महित) जिसका मि. हि. एस. नम्बर हैं 213/2 और 205 ।

> आर. थोथादि सक्षम् प्रा<u>प्तिकारी</u> सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रजे, बेंगलोर

दिनोकः 3-4-1981

मोहर⊹

## प्ररूप आई० टी• एम० एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

# अर्जन र ज्ञान के गुलार कोंगलोर्ज विनांक 22 अप्रील 1981

निर्दोश सं. 331/81-82— यतः मूर्फे, आर. थोथादि, सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. मे अधिक हैं वार्र नम्बर 15/142 हैं। जो वार्ड 145

मौर जिसकों सं ज बोर नम्बुर 15/142 हैं ते जो वार्व 14 ति नेहरू को बोपरेटिव कालोंनी, होसपेट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होसपेट अंडर डाक्युमेंट नम्बुर 1282 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 27-11-1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रियमान प्रतिफल से ऐसे ख्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री के मूरुगेश मुदलियार का पृत्र श्री एम. सुबूमन्यन, पटले नगर, होसपेट।
- (अन्तरक)
  (2) श्री एच आर गवियप्पा का पुत्र श्री एच जि रंगनगैडा, नेहरु कोआपरेटिव कालीन, हासपेट।
  (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या त्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से दिन्ही व्यक्ति दुवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा भक्षेपे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्धी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### असमाची

वार्ड नम्बर XV नेहरु को आपुरेटिंग कालोनी सासपेट में स्थित बिल्डिंग (भूमि सहित) जिसका डोर नम्बर हैं 15/142।

आर॒ भाभादि सुक्षम् प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जुन् ट्रॉज्, बॅग्लॉर

दिनांक**% 22-4-1981** मोहरः

# प्रस्प बार्च. टी. एन्. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायकत (निरीक्षण)

# अर्जन होज्य बेंग्लोड बेंग्लोड विनोक 22 अर्जन 1981

निर्दोश सं. 333/81-82—यतः मुभे, आर. थोथात्री, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचत अधिनियम' कहें गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

कार जिसकी सं जिसकी सं जिल्ला दि जा एस ज मुम्बर 2860 हैं। जा कर बजार, बेलगेंग में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में बाँद पूर्ण रूप से विर्णित हैं) रिज़स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेल्लाम अंडर डाक्यूमेंट नम्बर 2806 तारीख 25 नवस्वर, 1980 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,

ता पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिये; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अधीन ः—

- (1) (1) श्री नारायण गणेश जवाइ, कड बजार, बेलगम (अन्तरक)
- (2) (1) श्रीमती संघिष वसुमितिबेन सेवंतिलाल
  - (2) श्रीमती दारिय प्रभावन नानालाल
  - (3) श्रीमती शीमलाबेन जयंविलाल 1507, देशपंडि गुल्ली बुंशपून

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

खड बजार, बेलगम में स्थित बिल्डिंग (जमीन सहित) जिसका सि. टि. एस. नम्बर है 2860।

> आर. थोथात्री सक्षम प्रा<u>र</u>ीधकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) **अर्जन रोज, बॅग्जो**र

विनांकः 22-4=1981

मोहरः

प्ररूप आहू . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्स (निरीक्षण)

# अर्जन रौज्न, बंगनूर बंगलूरन विनास 25 समेल 1981

निर्देश सं. सी. आर. 62/28898/80-81/एसीक्यूबी---यतः मुक्ते आर. थोथात्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ए के अर्थान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाप करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. पुरानी सं. 36 और नया सं. 59 (2 फ्लोर) है, तथा जो मिल्लरस रोड, बेन्सनू टाउन, बेंगलूर में स्थित हैं। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4 नवम्बर, 1908

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रध्न प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक स्व सं कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या. अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री मेह्यी वाली विवृगंत अव्युक्त हव को पुत्र संख 16-7-302, अअमपुरा हवराबाद-500024 (ए. पी.)

(ग्रन्सरक)

(2) बाज एसज एनज महम्य संज 6-3=246/1 बंजारा हिल रोड, हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वों क्स सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाह्य को समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से, 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए था सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### यतसची

[बस्तावेज सं. 3072/80-81 दिनांक 4-11-80] धर सम्पत्ती है जिसका प्रानी सं. 36, और नया सं. 59,

(II फ्लोर) मिल्लरस् रोड, बेन्सन टाउजन, बेंगल्र

चक्रवन्त्री हैं।

उ<sub>ल</sub> में—[मल्लूरस् राडि

द. में --दिक्षण रोलवे को संपत्ति

पु. मो --- अन्तरक को काटोज

प में --प्रैवेट प्रापरटी

आर. थोथात्री सु**क्षम् प्राप्तिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र**ं**ज, क्षेंगलुरू∽

विनांकः। 25-4±1981 मोहरुः। प्रह्मप आई० टो० एन० एम०----

आयमःर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

# वर्षन्त्राज्ञ व्याल्र

# नंगल्द्र, दिन्कि 25 स्प्रैल 1981

निर्दोश सं. सी. आर. 62/28897/80-81/ए. सी. जी. बी. --यतः मुभ्ते, आर थोथद्री बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रश्चिनियम' कहा गया है), की धारा 2 त9-ख के प्रधीत अजय पाधिकारी की, यह विश्वास करते का करण है कि स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मस्य 25:000/- ६० मे खिंब के है और जिसकी सं. प्रानीसं 36 और नया सं. 59(1 फलोर है, तथा जो मिल्लरस् राष्ट्र, बेनभन टाकुन बेगलुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बोंगलर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10 नवम्बर, 1980 सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खबित बाजार मुन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का परब्रह प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (भ्रम्तरकी) मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिबित में बास्तविक ऋष से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के आधीन कर देने के ध्रस्तरक के द्रायिश्व में कमो करने पा उनसे बचने में सुविधा क लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धरर पाहितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

प्रतः प्रतः, उता पिधिनियम को घारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्का पिधिनियम की घारा 269-घ को उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु:---

- (1) श्री महिदी आली दिवंगत अब्दाल रङ्के पुत्रः मं 16-7-302, अजमपुरा, हैदराबाद
- (2) श्रीमृती महापरा रुपीव रुपयाम् की पृत्नी सङ्देशवाव हो वरावाव

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजप**ड** में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित-बद किसी भ्रम्य स्थक्ति द्वारा, अब्रोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वद्योकरण --इसमें प्रयुक्त गर्का और पदों का, जो उक्त धावितयम, के घट्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होना जो उस घट्याय में दिया गया है।

## प्रनृसूची

[वस्तावेज सं. 3061/80-81 ता. 10-11-80] घर सम्पत्ति है जिसका पुरानी सं. 36, और नया सं 59 (I फलोर) मिल्लरस रोड, बेनसन् टाउन्न, बेंगलूर । जुक बन्दी हैं।]

- उ. में -- मिल्लरस् रोड
- द में --- दक्षीण रोलवे के संपत्ती
- प. में --अन्तरक के काट ज
- पं. में --प्राइविट प्रापरटी

आर. थोथात्री सु**क्षम् प्रा<u>प्</u>रिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र**ं**ज, बेंगलुर

दिनांकः। 25-4-1981 मोहरः।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, बेंगलोर

बंगलोर, दिनांक 14 मई 1981

निर्दोश सं. 337/81-82--यत:, मुफ्ते, आर. थोथाद्रि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. घर नंबर 814 है, जो चिंचिनिम ग्राम गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, साल्सेट, गोवा अंडर डाक्यमेंट नंबर 106/751, तारील 1-11-1980 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 19 ( का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रसिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) (1) श्री क्लोडिनो बेनडिक्टां फर्नीडिस, (2) फ्लोरा प्याट्रोसिना उर्फ फ्लोरा प्याट्रोसिना पेरेरा इ फर्नीडिस उर्फ फ्लोरा फर्नीडिस असोलना, गोवा।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री क्रान्सिस्को भोवियर अलंकसांड्रीनो डे सौसा (2) इपिकानियो ओ लुसिनो डे सौसा, घर नंबर 22 (पुराना), 43 (नया), दुर्गा चिंचिनिम, गोवा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वां कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

चिंचिनिम ग्राम, गोवा में स्थित 994 स्क्वेर मीटर जगह और उस पर की बिल्डिंग जिसका नंबर है 814।

> आर. थोथादि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बेगंलोर

तारीख: 14-5-1981.

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बेगंलोर

बेगंलोर, दिनांक 8 जून 1981

निव<sup>™</sup>श सं. 339/81-82--यतः मुभ्ने, आर. आधार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (और िसे इसमें इसके एक्वान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राक्षिकारी को यह विषवास करने का कारण है कि रुयावर नमानि जिसका उल्लाह बाजार भुल्य 25,000/- रुपये से पांधक है

और जिसकी सं. मेंट्रिज नंबर 280 ल्यांड रिज. नंबर 1958 है, जो पणिज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पणिज, गोवा अंडर डाक्यमेंट नंबर 451/80 मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,

का' पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्षिण के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मिन्न-नियम मे प्रधीन कर देने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या सससे अचने में सुविधा के लिए; घीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों तो जिन्हें भारतीय ग्रायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम वा धनकर मधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269- थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों कर्थात्:--

- (1) (1) सोलानो बारन कौलन पलहा
  - (2) रामन सि. पलहा
  - (3) कोस्मे पलहा
  - (4) डाक्टर सोलन बेलोडिया पलहा, सोलारम्ल कोर्ट, गोम्स पेरीया रोज, पणिज।

(अन्तरक)

- (2) (1) श्री कोचूनिटो इसिडोरो लुइस डिकन्हा
  - (2) श्रीमती मारीया औरिलिया मेनेजिस क्नुहा सोर्लामुल कोर्ट, गोम्स पेरिश रोड, पणजि। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्बन्धि के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दित की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की प्रवधि जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखास 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जासकों गे।

स्पब्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का जो उक्त अधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा, जो उस घ्रष्टयाय में विया गया है ।

# अनुसूची

पणिज में लयांड रिजस्ट्रोशन नंबर 1958 और मेट्रिज नंबर 280 जमीन पर स्थित ''सोलरोमाल कोर्ट'' नाम का इमारत में फ्लयाट नंबर 3।

> आर. थोधादी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, बेगंलोर

**सारीख** : 8-6-1981

प्ररूप आहर्र. टी. एन्. एस. ----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्याक्षयः, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 जुलाई 1981

निर्दोश सं. सी. आर. 62/28854/80-81/एक्सू. **बी**---यतः म्फो, डा. ललित कुमार राव वी. ए., बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार म्ल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं और जिसकी सं. परानी सं. 429/1 और नयी सं. 152 है, तथा जो 8वां मेन रोड मल्लेस्वरम्, बंगलूर-3 स्थित ह (और इससे जपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजी नगर, बंगलूर में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. 24-11-1980 को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफूल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योवय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है !--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारातीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री एस. बालसुबुमनियन्, सं. 67, डा. राधा-कृष्णन् रोड, मैलापुर, मद्रास-4। (अन्तरक)
- (2) श्री डी. श्रीनिवासन् और 99 अन्य लोगों सब के प्रतिनिधि हैं, श्री डी. श्रीनिवासन् सं. 4, 12 कास, 8वां मेन रोड मल्लेस्वरम् बंगलूर-3 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

(दस्तावेज सं. 4224/8081 ता. 24-11-80)

घर संपत्ति है जिसका पुरानी सं. 429/1 और नयी सं. 152, VIII मेन रोड मल्लेस्वरम्, बंगलूर-3223 3996 स्कर मीटरस् जिसमें इमारत भी है। चक बन्दी है:

उत्तर में --सैट सं. 429/एस विक्षण में --श्री मती वास के संपरित पूर्व में --7वां मेन रोड परिचम में --8वां मेन रोड

> डा. वी. एन. लिलत क्यार राव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, बंगलुर

तारीस : 3-7-1981

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, मद्रास-60006

मन्नास-600006, दिनांक 25 जून 1981

निवर्णा सं 15912--यतः, म्रुके, राधा बालकृष्न, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000 रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं 181, लस चरच रोड और 144, रामपेट्टा है, जो है रोड, मैलापुर, मब्रास में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अभिकारी के कार्यालय, मैलापुर (ठाक मेंट सं. 52/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, जनवरी, 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उपित बाजार भुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के भीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दर्धय से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर् मेधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अवः, उक्तं अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) क्रे क्रधीन निस्मलिकित व्यक्तियाँ वर्षात् धः---

(1) ठी. बी. अप्पा राव।

(अन्सरक)

(2) बी. के. निलिन जयनती।

(अन्सरिती)

(3) लस स्टाल होलंडरस। असोसियेशन और अदर ट नटस।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभागे में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🖫---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 🖠 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित-बर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्री 🕏 पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हत् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियां गया है।

# नपुत्री

भूमी और निर्माण - 181, लस चरच रोड और 144, रायपेट्टा ही रोड, मौलापुर, मद्रास (ठाकुमेंट 52/81)।

> राधा बालकृष्म सक्षम प्राधिकार्र सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्जन रोज-। मद्रास-600006

तारीख: 25-6-1981

मोहर :

11---206GI/81

प्रुरूप आइ<sup>2</sup>, टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मद्रास-600006

मग्रासा-600006, दिनांक 4 जुलाई 1981

निवर्षेश सं. 7/नवम्बर/80--यतः, मुभी, राताबाल किरुशणन.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 9, बककोर रांड, मद्रास-10 (आर. एस. सं. 3138/5) है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नारथ मद्रास, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, 30-11-80 (डाक्नमेंट सं. 4785/80)

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-इन निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाद की बाबत उक्त जींध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण के. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधिन, निम्नृतिहिता व्यक्तियम का आधीत्

- (1) श्रीमती श्रीदेवी पतमकामार और अनदर। (अन्तरक)
- (2) श्री उद्धो शहायज।

(अनतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूजाँक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध शव में समाप्त होती हो, के भीत्र पृविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

भूमी और निरमाण अट डोर सं. 9, बलफोर रोठ, मद्रास-10। (डाक्-मेंट सं. 4785/80)

> राधा बाल्किरुशणन सक्षम प्राप्तिकारी सहायक जायुकर जायुक्त (निरक्षिण) अर्णन ट्रॉज, सद्गास-600006

**सारीस**ः 4-7-1981

मोहर 🕄

## प्रकप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अंर्जन रॉज, मक्षास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 14 जुलाई 1981

निर्दोश सं 59/नवम्बर/80—यतः, मूभ्के, आर. रिव-वन्द्रन, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने, का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से अधिक है

हकौर जिसकी सरवे सं 75 और 76, किलाकांड्र गांव है, जो लेन्कासी डाल्क में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तन्कासी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1022/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, खबत, बिधिनियम के अभीन कर बेने के अन्तरक के बियत्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; खॉर√बा
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

जतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निस्नुलिखित व्यक्तिस्यों, अभित्ध-= (1) श्री ए. किरुष्णम राजा फार मैंज्र मृतुरामिकरूष्ण राजा।

(अन्तरक)

(2) श्री एम. एस. सुबीर अहमत् और अजदर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बृद्ध किसी जन्य व्यक्ति ह्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम्, के सुध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

## **जन्**स्ची

(भूमी सरवे सं. 75 और 76, किलाकाड़ गांव तेन्कासी डालूक, तिरुजनेलुबेली डिस्ट्रिक्ट—डाकूमेंट सं. 1022/80)।

> आर. ऱिवचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन ऱ्रंज, मद्रास-600006

तारीख : 14-7-1981

# प्रकप धाई० टी॰ एन॰ एस॰---

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्याल्य, सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र<sup>5</sup>ज, मद्रास-600006 मद्रास-600006, दिनांक 14 जुलाई 1981

निदर्भे सं. 58/नवस्त्रार/80--यतः मृझे, आर. रवि

चन्त्रन, नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सरवे सं 75 और 76, किलांकाड़ गांव, सेनकासी है, तथा जो तालुक, तिरुनेववेली डिस्ट्रिक्ट में स्थित हो (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनकासी में भारतीय राजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-11-80

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकृत सं अधिक हाँ और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरिताँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; औड़/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त जिथिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन निमन्तिचित्र व्यक्तियों, अर्थात् ध-= (1) ए ए किरुष्णाम राजा फार मेजर ए. सी. सिवरामिकृष्ण राजा।

(अन्तरक)

(2) श्री एम एस सबीर अहमव।

(अन्सरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्तों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं [1]

# प्रमुसूची

अमृस्ची

(भूमि, अट विलाकाड़ू गांव तनकासी ताल्क, तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट डाक्रूमेंट सं. 1015/80)।

> आर रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र्रेज, मन्नास-600006

तारीस : 14-7-81

प्ररूप धाईं• टी• एम• एस•----

क्षायकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अबीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, मग्रास

मद्रास-600006, विनांक 14 जुलाई 1981

निद्धां सं 57/नव्यवर/80—यतः, मुझे, आर त्यि-जन्द्रन, शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-का के प्रधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है, और जिसकी सरवे सं 75 और 76, किलाकाड़ू गांव, है, जो तनकासी डालूक, तिरुनेलवेली डिस्ट्किट में स्थित है (और हमसे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वार्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-11-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित कहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिये। और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिमित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिमित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के, जनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तित्यों अधितः-- (1) श्री ए. ए. कृष्णम राजा और अज़दर।

(अन्तरक)

(2) श्री एम. एस. सबीर अहमत और अजदर। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हूं।

उन्त सम्पति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की धविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः → इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अबंहोगा, जो उस अध्याय में विधा सया है ।

## अनुसूची

(भूमि अट सरवे सं. 75 और 76, किलांकाडू गांव, तेनकासी डाल्क तिरानेलवी डिस्ट्रिकट—डाक्ट्रमेंट सं $_{\odot}$  1014/80।

आर रिवचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र्रेज-। ने महासु-600006

तारीख : 14-7-81

प्रकृप आई० टी० एन● एस●-

# आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म(1) के अधीन सुनना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक पायकर धायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-। मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 14 जुलाई 1981 निर्देश सं. 60/नव्म्बर/80---यत्:, मुक्ते, आर्ः रवि-

चन्द्रन, मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके परचाद 'उन्त प्रधिनियम' नहा नया है), की घारा 269-च के प्रजीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से प्रविक है

और जिसकी सरवे सं. 75 और 76, किलांकाड़ गांव है, जो तेनकासी डालूक, तिरुनेलवेली डिस्ट्रिकट में स्थित है (और हमसे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनकासी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-11-80

(डाक में ट सं. 1023/80)

को पूर्वोवत सम्पति के अचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रन्तरक के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेग्य से उच्त प्रन्तरक लिखित में वास्तविक उप से कचित नहीं किया चवा है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी ग्राय. की बाबत उक्त ग्रिविनयम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वक्तने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या मक्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा कियाने में सुविद्या के निष्

श्रतः संव, उस्त सिंहिनियम की खारा 269न के बनुसरम में, में, उस्त अधिनियम की बारा 269न की उपज्ञारा (1) के बसीम, निम्मिनियत व्यक्तिमें, वर्षीत् (1) श्री. ए. ए. किरुष्णम राजा फार मेंजर ए. के । गनेस सुब्बराम राजा।

(अन्तरक)

(2) श्री एम एस सबीर अहमत और बजदर। [(अन्त्]रती)

की यह सुवता जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

धकत सम्पत्ति के ग्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि; जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी बासे 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः ---इसर्ने प्रपुत्रन शक्तों और नदां का, जो 'खक्त ऋधि -नियम', के शक्याय 20-क में परिचाचित हैं; वही अर्चे होगा, जो उस अक्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

(भूमी अट सर्वे सं $_{\odot}$  75 और 76 किलांकाडू गांब $_{\odot}$  तेन्कासी डालूक——डाकूमेंट सं $_{\odot}$  1023/80)।

आरः रिविचन्द्रन सक्षम् प्राप्तिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-। मुद्रास-600006

तारिख ः 14-7-81 मोहर ा प्ररूप आई.टी.एन.एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-। मधास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 14 जुलाई 1981

निद<sup>र्</sup>श सं. 61/नवम्बर/80—–यतः, मुझे, आर. रवि-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और 76, कि लांकाड़ गांव हैं, जो तेनकासी डालूक, तिरुनंलवेली डिस्ट्रिकट में स्थित हैं (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनकासी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-11-80

(डाक मेंट सं 1024/80) को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके उदयमान प्रतिफल से, एसे उदयमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक हुए से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अधीत —

- (1) श्री ए. ए. कृष्णम राजा फार मैंजुर ए. के. जराम (अन्तरक)
- (2) श्री एम. एस. सबीर अहमत।

(अन्तुरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो एक्त भिन्न-नियम के भाष्ट्रयाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अब्याय में विया गया है।

## **भ्रनुसूची**

(भूमी अट सरवे सं 75 और 76, किलांकाडर गांव, तेन्कासी, डालूक, तिरक्षनेलुबेली डिस्ट्रिकट—डाकर्मेंट सं 1024/80)।

आर. रिवृजन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-। मन्नास-600006

दिनांक 14-7-81 मोहरः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-। मद्रास-600006

मक्रास-600006, दिनांक 14 जुलाई 1981

निद $^{\infty}$ श सं 62/नवस्बर/80—यतः, मृक्षे, आर. रिय-भन्दन,

आयक्षर प्रवित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रवित्तियम' कहा नया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राविकारी की, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- व से प्रधिक

और जिसकी सरवें सं. 75 और 76, कि लांकाड़ू गांव है, जो लेनकासी डालूक, तिरुनेलवेली डिस्ट्रिकट में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनकासी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, (डाक्रूमेंट सं. 1025/80)

30-11-80.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ये से कम के वृश्यमान प्रतिकृत के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकृत का पत्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर वन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायत्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; 'गेंर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तु अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिर्विश के सिए;

ब्रुतः ज्व, उक्तु वरिप्रियम् की भाषा 269-व के वसुसरण् में, में, उक्त वरिप्रियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ब्रुधीन निम्मणिविद व्यक्तियों, वर्षात् ह—

- (1) श्री ए ए कृष्णम राजा (फार मैजर तिरुप्पति राजा)।
  - (अन्तरक)।
- (2) श्री एम. एस. सबीर अहमृतः।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नंत्रपी

भूमी अट सं . सरवे सं . 75 और 76, किलांकाडू गांव, तेन्कासी डालूक, तिरुजनेलयेली डिहिस्ट्रकट—डाकुमेंट सं <u>.</u> 1025/80)।

आर. रिवचन्त्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-। मन्नास-600006

तारीख : 14-7-81

मोहर 🖰

प्ररूप चाई• टी• एन•एस•----

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज-I मन्नास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 14 जुलाई 1981

निर्दोश सं. 63/नवम्बर/80--यतः, मुझे, आर. रवि-चन्द्रन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- द॰ से अधिक है

और जिसकी सरवे सं. 75 और 76 है, जो किलांकाड़ गांव तेनकासी तालुक, तिरानेलवेली डिस्ट्रीकट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनकासी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-11-80

(डाक् में ट सं. 1026/80)

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिप्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखिस में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरच से हुई किसी बाय की बाबत, उपत सर्वि-नियम के अधीन कर देने के बस्तरक के वायित्व में कमी करने वा इससे बचने में मुविधा के जिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या घन्य शास्त्रियों की जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अग्रिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की धपद्वारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थालः— 12—206GI/81 (1) श्री ए. ए. कृष्णम राजा अनदर।

(अन्तरक)

(2) श्री एम. एस. सबीर अहमत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारी के से 45 बिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाण्त होती हो, के भोतर पूर्वी के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होता होता;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की वारीक से 45 दिन के भीतर अन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भ्रन्य क्यक्ति द्वारा अधोत्तस्ताक्षरी के पास निकात में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरना :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मौध-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो छल अध्याम में दिया गया है।

# ग्रन्सुधी

(भूमि अट सरवे सं. 75 श्रार 76, किल्कां का पृतिक तोनकासी तालूक, तिरुनेल्वेली डिप्टिस्ट्रकट—डाक्ट्रमेंट सं. 1026/80)।

आर. रिविचन्द्रन सक्षम प्रा<u>धिकारी</u> सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् र<sup>ेज</sup>-<sup>I</sup>, मुद्रास-600006

तारीलः। 14-7-81 मोहरः। प्रारूप ग्राई० डी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज- 1 , मद्रास

मुद्रास्, तारीस् 14 जुनाई 1981

निवास सं. 64/नवम्बर/80—यतः मुभी, आर. रिवचन्यन, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर मम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है औरजिसकी सं. सरवे सं. 75 और 76, किलांकाड़ू गांव तेनकासी है, जो तिरुनेलवली डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजन्द्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय तनकासी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-11-1980 (इक्क्रमेंद्र सं. 1027/80), को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से श्रिषक है और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
  - (ख) ऐसी किसी प्राय मा किसी धन या अन्य मास्तिमों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम् की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तित्यों, अधीत् :---

- (1) श्री ए. ए. कृष्णम राजा फार मैजर मृस्तुराम कृष्ण द्वाजा
  - (अन्तरक)
- (2) एम. एस. सबीर अहमत

(अन्तुरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तश्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

# प्रनुसूची

्(भृम् वट सुवे सं ा 75 और 76त कि ब्रांकाडर गांवत ते तेनकासी तालूक, तिरुनेलवेली डिसीक्ट—डाकर्सेट सं ु 1027/80)

आ<u>रः</u> रविवृत्तन्तुन्, **सूक्ष्म प्राप्तिकारी** सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन् र्रज्<sup>रा</sup>, मन्नास

ता<u>रीष</u> । 14=7,41981 मोहरू प्ररूप बाहाँ.टी.एन.एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रंज-I, मद्रास

मन्नास-600006, दिनांक 14 जुलाई 1981

निवर्षा सं. 10/नवम्बर/80--यतः, मुक्ते रिवचन्द्रन नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे.इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर एस सं. 372/12 और 376/17 नैरोजी स्ट्रीट चेटपूट है, जो मदास-31 में स्थित है (और इससे उपा- अव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीक तो अधि-कारी के कार्यालय, मदास नार्थ में भारत रिजस्ट्रीक रण अधि- निर्यम, 1908 (1908 को 16) के अधीन 30-11-80 (डाक मेंट सं. 4822/80)

को पूर्वो कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण निस्त में बास्तिवक रूप से किथा गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

(1) श्रीमती कि रुष्णवानी अम्माल

-----(अन्सरक)

(2) श्रीके. पी. रामसमी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्तुची

(भूमी अट आर एस सं. 372/2 और 376/17 नैग्रोजी स्ट्रीट चेटपुट, मद्रास 31-डाक्रमेंट सं. 4822/80)

> आर रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण अर्जन रेज-1, मद्रास

अन्तः अव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गंके, अनुसरण में, में. उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;--

तारीखः 14-7-81

मोहरः

(1) श्रीमती तेवगी अम्माल

(अन्सरक)

(2) श्रीके. पी. रामासामी

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 14 जुलाई 1981

निद्येश सं. 11/नवम्बर/80—यतः, मुफे, आर रिवचन्त्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. आर एस सं. 372/2 और 376/17 नैव्रोजी स्ट्रीट हैं, जो मद्रास-31 में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजच्दीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, मद्रास नारत में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-11-80 डाक्रमेंट सं. 4823/80

पूर्वा स्पिरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिक्षिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कित संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उव्वरिय से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितमी को जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अ्थाक्त द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

(भूमी अट आर एस सं. 372/2 और 376/17, नैब्रोजी स्ट्रीट चेटपुट, मद्रास-31-डाकरूमेंट सं. 4823/80)

> आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, मक्रास

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 14-7-81

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.------

(1) श्रीके. वेंकडीकृष्णन

(अन्तरक)

2) श्री के पी राम्सामी

कार्यवाहियां करता हुं।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 14 जुलाई 1981

निदाश सं 12/नवस्बर/80—यतः, मुक्ते, आर रिवचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्तं अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा में अधिक है

और जिसकी सं आर. एस. सं. 372/2 और 376/17, स्ट्रीट, है, जो चेटपूट, मद्रास-31 में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन) दिनांक 15-11-80 (डाक् मेंट सं. 4824/80)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मून्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक स्प से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की काबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियः का, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क्रे, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अधितः-- उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

को यह सूचनाजारी करके पूर्वाक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - श्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(भूमि अट आर. एस. सं. 372/2 और 376/17, नैन्रोजी स्ट्रीट, संटप्ट, मद्रास-31-डाक्रमोंट सं. 4824/80)

आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजु, मन्नास्

सा्रीम: 14-7-81

(1) श्री बी. पुरुषोत्तम रेठ्ठी और अद्गस (अन्तरक)

(2) श्री जुगल किशार जलाजे और अन्नस (अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, मद्रास

मद्रास, -6000006, दिनांक 14 जुलाई 1981

निवंश सं. 16/नवम्बर/80—यतः, मुभ्ने, आर. रविधन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

अरि जिसकी सं. 99, हरिडन रोड, मद्रास-31 है, जो में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रि जस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरीयमेट, मद्रास में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-11-80

कर पूर्वे कित संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के रहियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कित संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके रहियमान प्रतिफल से, एसे रहियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :-- को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्कित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरणः - इसमें प्रयुक्त क्षेट्यों और पर्वों का, जो उथत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

# **मन्**स्**चीं**

(भूमी और निरमाण अट डोर रां. 99, हरिंडन रोड, मदास-31 डाक्रमेंट सं. 1392/80)

> आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-.I, मद्रास

ता्रीखः 14-7-81

प्ररूप आहू .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, मद्रास

मन्नास-600006, दिनांक 14 जुलाई 1981

निदेश मं. 42/नवम्बर/80——यतः, मुफ्ते आर. रिविचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. सव सं. 8½ और 90/3, जठकोम्बै गांव.

और जिसकी सं. सर्वे सं. 8½ और 90/3, जठ्कोम्बै गांव, नामक्कल है, जो तालक, सेलम डिस्ट्रिकट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैंडामंगलम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-11-80

।0-।1-80 (डाकॉमेंटसं. 1759/80)

कों पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्तें यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल सं, ऐसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अहेतरण निस्त में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया हैं:—

- '(क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः---

(1) स्त्री के. वें कटक्रिष्णन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सतासिवकारमले चेल्लम्माक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उम्रत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित्त में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(भूमि और सर्वे सं.  $8^{\frac{1}{2}}$  और 90/3, जठूकोम्बै गांव, नाम-क्कल तालूक, सेलम जिस्ट्रीकट-डाक्ट्रमेंट सं. 1759/80)।

आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज महास

तारीख: 14-7-81

प्ररूप आइ<sup>९</sup>.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीको सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-१, मद्राम-600006 मद्राम-600006, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्दोश मं. 13/नवस्वर/81-स्यतः, म्भे, आर रविचन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर एस सं. 4658 और 4659 और डारे सं. 218 है, जो लिंघी चेट्टी स्ट्रीट मदास-1 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदास में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-11-80

(डाक मेट सं. 4860/80)

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्र/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ि छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अक्ष, उक्षतं अधिनियमं की धारा 269-मं के, अनुसरणं में, में, उक्षतं अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः— (1) आल इन्डिया ट्रेडिंग कम्पनी मं 183, लिंघी चंट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1।

(अन्तरक)

(2) मल्ला अबदाल हामीन राघीबार्क बाग द्रस्ट, सं. 218, लिघी चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1। (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## अभूस्ची

(भृमि और निमणि अट डोर मं. 218, लिंगि चेट्टी, मदास-1 डाकामेंट मं. 4860/80)

आर. **रविष**न्द्रन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, **मदास** 

हारी**वः 15-7-81** 

# प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

मद्रास-600006, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश मं 68/नवम्बर/80—यतः, मुक्ते, आर रिव-चन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मं डोर सं 35 सिरोनी, कठलूर मेथीन रोड हैं, जो अम्मावट्ट, सलम में स्थित हैं (और इससे उपाबस्थ अनु-मची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-11-1980 (टाक मेंट सं 6540/80) को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कुम के इश्यमान

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्य में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;। और/या
- '(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) प्रधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों अथित:——
रे06GI/81

- (1) श्री एसः नटराजन चट्टीयार और अदर्स । (**अन्तर्क**)
- (2) श्री एस. राजाभन्तार और अदर्ग । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
  - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनव्ध किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुरा हैं।

#### अनुसूची

(भूमि और निर्माण अट डोर सं. 35, सिरोनी कठलूर मेथीन रांड , अस्मापेट्टी, सेलम-डाकूमेंट सं. 6540/80)

आर. रिवचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, मद्रास

रक्ती**बः 14-7-81** 

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-च (1) के अधीने सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-1, मद्रास-600006 मद्रास-600006, दिनांक 15 जुलाई 1981

निवोश सं. ७९/नवम्बर/४०--यतः, मुक्ते, आर. र<mark>वि-</mark> चन्द्रतः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्गे मं. 1092 और 1093 विविश्विस्तरम गांव, हैं, जो कत्याक्तमारी डिस्ट्रिक्ट में स्थित हैं (और इससे उपावद्य अन्मूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागरकोवला में भारतीय राजिस्ट्रीक्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-11-1980 (डाक मेंट सं. 44480/80)

को पूर्वीकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्त-विक मूण से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः— (1) श्री एस गोपालन

(अन्तरक)

(2) श्री ई. एस. राजामनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीक रण: — इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुसुची

(भूमि और सर्वे सं. 1902 और 1903, विठवीस्वरम गांव, कन्याकुमारी डिस्ट्रिक्ट डाक्रूमॉट सं. 4448/80)

> आर रिवचन्द्रत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, मद्रास

ता्रीयः 15-7-81

प्ररूप आहें.टी.एन्.एस्.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 30 जून 1981

निर्दाश नं ए पी न 2671---यतः मुक्ते, आर गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव मानमा कला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मानसा में रिजम्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारील नवस्वर 1980

का 16) के अधीन, तारील नवम्बर 1980 को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्र्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के निए त्य पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर बॉधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सर्विभा के जिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिहित व्यक्तियों अधीतः— (1) श्रीमती दलजीत कार पत्नी जोरा सिंह, गांव मानसा सुर्द, तहि मानसा, जिला भटिंडा

(अन्तरक)

- (2) श्री हरचरन सिंह, गूरलेज सिंह पूत्र दलीप सिंह, गांव मानसा कला, तिहः मानसा, जिला भटिंगा। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (बह वयिक्त, जिनके बारो में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया हैं।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेखन नं 3791, दिनांक नवम्बर 1980 को रिज्म्हीकर्ता अधिकारी मानसा ने लिखा है।

> आर. गिरधर **सक्षम प्राधिकारी** स**हा**यक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>े</sup>ज, जालंधर

कारीण : 30-6-1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 30 जून 1981

निव<sup>\*</sup>श नंः एः पीः नः 2672—–यतः मुक्ते, आरः गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मानसाकला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकती अधिकारी के कार्यालय मानसा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवस्बर 1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरंण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध-- (1) श्री जोरा सिंह पृत्र शाम सिंह, गांव मानसा खुर्व, तिह: मानसा, जिला भाटिजां।

(अन्तरक)

- (2) श्री हरचरन सिंह, गुरतेज सिंह प्त्र दलीप सिंह, गांव मानसा कलां, तिहः मानसा, जिला भाटिडां। (अन्तरिती)
- (3) जैर गिक उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृथीं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनसची

स्म्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 3826 दिनांक नवस्वर 1980 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा ने लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालंघर

तारीच : 30-6-1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र<sup>\*</sup>ज, जालंधर जालंधर, दिनांक 30 जून 1981

निद्देश नं. ए. पी. नः 2673—यतः मुफ्ते, आर. गिरधरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपक्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो न्यू विजय नगर, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबंद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1980 को पूर्वोक्त संपित्त के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल नो, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्यदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिये; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, कीं धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र पूरन सिंह, गांव-लिटरा, तिहः नकोदर, जिला-जालधर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीना विज पत्नी सुशील विज, मकान नं 140 - काजी मोहल्ला, जालंधर।

(अनतरिती)

(3) जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्मष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं . 5005 विनिक नवम्बर 1980 को रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालंधर

तारीख : 30-6-1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंघर, दिनांक 30 जून 1981

निर्दोध नं ए पी 2674---यतः मुभ्ते, आर्. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो डीफर्स कालोनी, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1980 को पूर्वीकत संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान

1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1980 को पूर्वीक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथ्य नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री लक्ष्मण दास पुत्र गुरदास राम, वासीः। आदम पुर, तहिः और जिला जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्री तीर्थ चंद पाल पृत्र इन्द्र वास पाल, गांवः बरिंग, तहिः और जिला जालंधर।

(अन्सरिती)

(3) जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताभिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं . 5138 विनांक नवम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रचेज, जालंधर

तारीस: 30-6-1981

मोहर 🙁

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सम्बना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 30 जन 1981

निर्देश नं. ए. पी. न. 2675—यंतः म्फे, आर. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ,(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित अजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अन्सूची में लिखा है तथा जो करतारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करतारपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1098 का 16) के अधीन, नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक रूप में किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिये; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री चरण सिंह पुत्र बारा सिंह, गांवः करतारपूर, जिला-जालंधर

(अन्तरक)

(2) श्री मोह गा सिंह पुत्र मोह न सिंह, गांवः ब्यास पिंड, जिला जालंघर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मी कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में .परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

## मन्स्ची

मंपित्त तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 867 दिनांक नवस्वर 1980 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी करतारपुर ने लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, जालंधर

तारीख : 30-6-1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 30 जून 1981

िनर्दोश नं. ए. पी. नं. 2676——यतः मु×रे, आर. गिरुधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैंसा कि अनुसूची में लिखा ही तथा जो करतार-पुर में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हो), रिजस्ट्रीक ती अधिकारी के कार्यालय करतार-पुर में रिजस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 ((1908 का 16)) के अधीन नवस्तर 1080

के अधीन, नवम्बर, 1980 को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 'या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री चरणसिंह पृत्र बारा सिंह वासी: करतार पृर, जिला जालधर।
  - (अन्तरक)
- (2) श्री कहनेल सिंह, पहुमणीत सिंह पुत्र महिला सिंह वासी पुण्य न्यास्। क्रिया जानभन्ता र

(अन्तरिती)

- [(3) असा कि अपूर नं 2 2 में जिसा हैं। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्परिता में उन्हीं त्यता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबबुध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 885 में रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी करतारपुर ने खिला है।

> आर. गिरधर स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, जालंधर

तारीख : 30-6-1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सकता

#### भारत संग्कार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

## वर्जन रंज जालन्धर

जालंधर, दिनांक 30 जुन 1981

निर्दोश नं. ए. पी. नं. 2677—यप्तः मुक्ते, आर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गिदड़बाहा में स्थितन है (और इससे उपाबवध अनस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गीदड़बाहा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अभीन तारील जनवरी, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित ब्राजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में वास्तिवक कृप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र फूला सिंह वासी: मोड़ मण्डी सुर्द, भटिण्डा।
- (अन्तरक)
  (2) श्री प्रभा प्रभा सिंह और बलदेव सिंह पुत्र बीबा सिंह वार्ड नं. 8, गिदङ्बाहा तहसील, सक्तसर, तथा रोग सिंह, लाभ सिंह पुत्र गुरदोव सिंह, वासी अवार्ड नं. 8, गिदङ्बाहा तहसील मुक्तसर जिलाः फरीदकोट।
- (3) जैसा कि उत्पर नं. 2, में 'सिखा है।' (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पर्तित में रु**धी रखता हो।** (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबदुध हैं)

को यह सृघना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दृषारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाें का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

मंपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1387, विजास जनवरी, 1981 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गिवड्बाहा ने लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालंधर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात्:--14—206GI/81

तारीख 🕆 30-6-1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 30 जून 1981

निर्दोश नं. ए. पी. नं. 2678--यतः मुक्ते, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार्रा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-र<sub>ि</sub>. से अधिक हैं और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा ही तथा औ मानसा करला स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनस्यी में आरि पर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मानसा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1981 को पर्नोक्त संपत्ति के लिखित बाजार मृल्य से कम के इत्यर्मान प्रतिफल के लिए अल्तरित की गई हैं और सभे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्मह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल. निम्नलिखित जदवेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री घोर सिंह पुत्र किशन सिंह वासी: बस स्टेण्ड मानसा, जिला: भटिण्डा और गुरनाम सिंह पुत्र होर सिंह गांव: मानसा कलां सिंह मानसा जिला, भटिण्डा।

(अन्तरक)

(2) शरे सिंह पुत्र निधान सिंह, वासी, मानसा केलां तह. मानसा, जिला भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबब्ध है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति व्यक्ति वृशारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि त्रिलेख नं. 5128 दिनांक जनवरी, 1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा ने लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र<sup>र्</sup>ज, जालंधर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, भिम्न लिखित व्यक्तियों अर्थात् :----

तारीब :: 30-6-1981

मोहार 🖫

गिरधर,

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालंधर

ुषालंभुर,, ता<u>रीख् 30 पून</u> 1981 निवर्षेक् नं, ए. पी. नं. 2679—स्वतः मुक्ते, आर., रक्षर

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ब्राँर जिसकी सं ज जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा आहे मानसा कलां में स्थित है (आर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1981

को पूर्वा क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विस्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अपूर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री गुरब्जन सिंह, बलविन्द्र सिंह पुत्र शरे सिंह गांव मानसा कला तहसील मानसा, जिला भटिण्डा। (अन्सरक)
- (2) श्रीमती जसवंत कार पत्नी घर सिंह गांव, मानुसा कला तहसील मानसा, जिला भटिण्डा। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो। (बह व्यक्ति, जनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेखन नं 5129 विनांक जनवरी, 1981 को रिज्स्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा ने लिखा है।

आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालंधर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन ∴—

वारीब 🛭 30-6-1981 मोहर : प्ररूप आइ<sup>\*</sup>. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रंज, जालधर

जालंधर, तारीब 30 जून 1981

निर्दोश नं. ए. पी. नं. 2680—यतः मुक्ते, आर. गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव कि गरा में स्थित है (और उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता विधकारी के कार्यालय जालंधर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्थीन सारीख नवम्बर, 1980

को पूर्वा क्त संगीत कं उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, विश्वतियम, विश्वतियम, विश्वतियम, विश्वतियम, विश्वतियम, विश्वतियम, विश्वतियम, विश्वतियम, विश्वतियम अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री बलराम पृत्र बलवन्त राम जनरल अटोरनी श्री पृथ्वी पाल सिंह पृत्र संत् सिंह वासी गांव द हनगाला तहसील दसुवा। ता

(अन्तरक)
(2) श्री श्रवण सिंह डांगरा पृत्र हजारा सिंह वासी म्.)
नं. BH -128 संतोखपुरा जालन्धर और श्री जानन्
सिंह जोहल पृत्र राजमल वासी जेडियाला द्वारा श्री
बी. एस., जगोता मेनेजिंग डारोक्टर जिंक लींड और
लिमिट ड जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुची रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितब्ब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) धन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर पूजना की पामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्मिति जैसाँ कि विलेख नं 5049 दिनांक नवम्बर, 1980 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में दिन्छ।

आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज, जालंधर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियमों अर्थात् :--

**वारीब**ः 30-6-1981

प्रस्य आई टी एन एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्थर

जालंधर, दिनांक 30 जून 1981

निर्देश नं. ए. पी. नं. 2681--यतः मुक्ते, आर. गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अंथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रङ में अधिक **ह**ै और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा आरो बस्ती रोको जालन्थर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में जोर पूर्ण कर से बर्णित हैं), रोजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में ट्रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवस्वर, 1980 को पूर्वोक्नि संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं काम के दश्यमान प्रतिफंद के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाकित संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्रीमती चांद रानी विश्वा श्री राम साल वासी मुकान नं. डब्लू, ए., 50, गुरु बाजार, जालन्थर।

(अन्तरक)

- (2) ती जालस्थर कांध्या कांपरोटिय हाउन्स विनिडांग सोसाइटी लिमिटोड जालन्थर द्वारा श्री सत पास विगा वासी 66-ए माडल हाउन्स जालन्थर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सं 45 दिन की अविधि या तत्में यंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त, होती हो, के भीतर पूर्वों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इन स्वना के राजपत्र मी प्रकाशन की नारील से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति मी हिन-द्द्य विज्ञ की अन्य व्यक्ति द्दारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मी किए जा सकेंगे।

रलष्टिकरणः— इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

व्यक्ति तथा संपरित् जैसा कि विलेख नं न 4828 दिनांक नवम्बर, 1980 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

आर. गिर्धर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालंधर

तारी**स् ः 30-6-198**1.

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, जालन्धर

जालंधर, तारीख 30 जून 1981

निविध नं ए जी नं 2682 — युत् अ मुक्ते, आर ग्रिक्ष आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मास्टर मोतीसिंह नगर जालन्थर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्थर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के सुधीन तारीख नवम्बर, 1980

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण मं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्था अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वभीन निम्नलि**वित व्यक्तियों अर्थात्ः**--

- (1) भी चरणवास पृत्र श्री मंगुत दाम वासी गांव समुदास जिला जालन्धुदा।
  - (अन्तरक)
- (2) श्री अजीत सिंह पृत्र बंता सिंह और श्रीमृति हरअन्स काँद प्रती श्री अजीत सिंह गांव प्राग्पुद पास्ट शाफिस (अन्तरिती)

म्बरिपंड जिला जालम्भूर।]

- (3) जैसा कि उत्पर नं . 2 में तिखा है।। (वह व्यक्ति, जिसके क्षिभोग में सम्पतित है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पिति में रुखि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पृत्ति में हितववध् हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृव्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
  किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्होकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जम् स्वी

व्यक्ति तथा संपत्ति जैसा कि विलेख नं 5016 विनंक नवम्बर, 1980 को रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी जालन्थर में रिल्खा ग्या है।

आर. गिरधर समक्ष अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रूज, जालन्धर

तारीब् ध 30-6=1981 मोहरः प्रक्प आहं.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालंधर, तारीख 30 जून 1981

निविध मं. ए. पी. मं. 2683—यतः मुक्ते, आर गिरधर आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा ही सथा जो बंगा में स्थित है (और इससे उपाबव्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवस्वर, 1980

को पृथों क्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्ताह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरणं में, में, जक्तं अधिनियमं की धारा 269-थं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् :-- (1) भी संत पुत्र ठाकर रामनाथ सिंह सैनक और मृह्तियार -- ए-- आम लेख सिंह रमेश्वर सिंह और राम प्रताप पुत्र जाती सिंह वासी बगा तहसील नवाशहर फ़िला जालन्थर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पीता पत्नी श्री कांगरक राम म्यन्सिप्ल कमीसन्द, बंगा तहसील नवाशहर।

(अन्तरिती)

(3) प्रसाकि उज्परनं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभागे में सम्पस्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में राजि रखता है। (यह व्यक्ति, जिनके दार से अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सुचना जारी करके पृथांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 -क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### ग्रनुमूची

व्यक्ति तथा संपर्ति जैसा कि विलेख नं. 1438 विनांक 1980 को रिजस्ट्रीकरर्ता अधिकारी बंगा में लिखा गया है।

> आर. गिरधर सक्षम अधिकारी महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्याचन रोज, जालन्धर

तारीब : 30-6-1981

मोहर:

प्ररूप आर्च हो , एन एस , ---- - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जालन्धर जालन्धर, दिनोक 30 जून 1981

निर्देश नं. ए. पी. मं. 2684—यतः मुफे, आर. गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है सथा जो बगां में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीक ता अधिकारी के कार्यालय बगां में रिजस्ट्रीक रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

तारीक नवस्वर, 1980 को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रश् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती, (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री संत सिंह पुत्र ठाकर रामनाथ सिंह सैलफ और मुस्तियार--ए--आम, लेख सिंह, रमेश्वर सिंह और राम प्रताप पुत्र जोतीसिंह वासी बगां तहसील नधाशहर जिला जालन्थर।

(अन्तरक)

- (2) श्री डागर राम पृत्र श्री बंता रोम म्यूनिसिपल कमीशनर बगां तहसील नवांशहर जिला जालन्थर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)
- (4) **जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।** (वह व्यक्ति, जिनके बारों में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदश है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द्र्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **बन्**स्ची

व्यक्ति तथा सम्परित जैसा कि विलेख नं 1439 दिनांक नवम्बर, 1980 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी बगा में लिखा गया है।

आर. गिरधर समक्ष अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, नालंघर

तारीत : 30-6-1981

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

**" अर्जन <del>र</del>ॉज, जालन्धर** 

जालंधर, तारीस 30 जून 1981

निर्वोध नं. ए. पी. नं. 2687—यतः मुक्ते, आर. गिरधर आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित राजार मूख्य 25.000/ रु. से अधिक हैं

जीर जिसकी सं. जैसा कि जनुसूची में जिला है तथा औं कपुरथला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध जनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपुरथला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्नियक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियन के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपान में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निक्ति स्यक्तिसमाँ अर्थात:---

- (1) जी गुरमुख सिंह पुत्र मिहाल सिंह वासी कपुरथला। (अन्तरक)
- (2) श्री जसविन्द्र सिंह बलवंत सिंह कलवंत सिंह वासी, कपुरश्वा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) **जो व्यक्ति सम्म**ित्त् में रुज़ि रचता है। (वह व्यक्ति, जिनके नारों में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदध् हैं)

को यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करों पर 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याग
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 2238, विनांक नवम्बर, 1980 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी कपूरथला ने रिसंचा है।

आर. गिरधर समक्ष अधिकारी सहायक आयक र आयक्क (निरक्षिण) अर्जन रेज, जालन्धर

तार<del>ीब</del> : 30-6-1981

प्ररूप बाहरे. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रांज, जालन्धर

जालंधर, नारीख 30 जून 1981

निर्दोश नं. ए. पी. नं. 2687—यतः मुक्ते, आर. गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- के अधिक हैं

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में जिसा है तथा जो कपुरथला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपुरथला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन तारींख नवस्वर, 1980 को पृत्रींक्त संपर्तित के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वींक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्योदय से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

थतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः

(1) व्यवसीय सिंह पूज बंता सिंह जूव और जी को पूज सारा सिंह, निरमल सिंह, पूज बता सिंह, पूज अगृत सिंह जूद और जी. ए. (1) मधुरा सिंह, (2) सोहन सिंह, (3) जोगिन्द्र सिंह (4) रोशम सिंह, पूरन सिंह और पूरन कौर, मनजीत सिंह, जसिनन्द्र सिंह नसीय कौर, श्रीमती करतारी, सुरजीत सिंह खुद और जी. ए. (1) गुरमीत सिंह (2) बहाबुर सिंह बंगा सिंह खुद और जी. ए. स्वरनसिंह, वासी खानायाल तहसील जिला कप्रथला।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरजम् सिंह, चरन सिंह वासी कांजली तहसील और जिला कपुरथला नागेन्द्रकुमार, जोरिगन्द्र कुमार पुत्र रक्षा राम वासी कपुरथला

(अन्सरिती)

(3) जैसा कि उज्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रचता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पन्ति में हितवदक्ष है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इ.स. सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीवन्ताकरों के पास लिसित में किए जा सक<sup>7</sup>गे।

स्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्कर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### -

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेखन नं 2490, विनांक नवस्वर, 1980 को रिषट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला ने लिखा है।

> आर. गिरधर समक्ष अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, जालंधर

तारीब : 30-6-1981

#### प्ररूप भाई • टी० एन • एस० ----

भायकर अधितियम, 1961 (1 61 का 43) 269-व (1) के अभी सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीकण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालंधर, तारीख 30 जून 1981

हिन्दोक सं<sub>ा</sub> प्र∵पी<sub>ा</sub> 2688—-युद्ध मुक्ते, आर गिरभूर आयकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपये मे प्रधिक है और जैसा कि अनुसूचि में लिखा है तथा जो फिराजपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकरत्ती के कार्यालय फिरोजपुर में रिजिट्टी-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारी ब जनवरी, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह त्रिश्थास करने का कारण है कि **प्रयापूर्वोक्त** सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके **दुश्य**मान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रीर अन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य पे उन्त अस्तरण जिखित में वास्तविक **रूप** से क**णि**त नहीं किया गया है:---

- (क) प्रनारण ने हुई किसो भाग की बाबत उक्त अक्षि-नियम, के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के उत्तरह; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्थिका के लिए;

अत: अब, उन्त भविनियम की धारा 269 म के बनुसरण में, में, उन्त अधिनियम को धारा की 269 म की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्कितयों, अविश्--

- (1), भी व्योना नाथ,, वासी माल ट्रांड प्रिन्टांषपूर शहर। (अन्तरक)
- (2) श्री जी अंस् । पंछी (वकांस) बाँड श्रीमती मोहन हानी , वासी फिटांजपुर कहिंदा। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है।। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पर्ित है)

(4) आ व्यक्ति सम्पत्ति में रुची दुवता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदध् है)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपंत म प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दी सरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों थ्रीर पदों हा, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रंथ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

सम्मति तथा व्यक्तित औसा कि विशेषन नं 6116, विनांक अनवरी, 1981 को रिष्टिनिक्ती विशेषकारी रिष्टिनेष्ट्री में रिष्टी हैं।

आर. गिरधर समक्ष अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेजुन जालन्धर

ता<u>रींच्</u> ः 30-6=19<u>81.</u> मोहरः प्ररूप आहाँ . टी . एन . एस . -----

श्रीयकार अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सृचना भारत सरकार

सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, जालन्थर

जालन्धर, दिनांक 30-6-1981

निवोक्त मं र ए. पी. नं <u>2686— यतः</u> मुक्ते, बार प्रिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गयाहै), की धारा 2.69-ख के ग्रधीन सूक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रु. से अधिक हैं। और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपुरथला में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय क पूरथला में र जिस्ट्रीक रण अधि नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1980 को पूर्णीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफंत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार म्भ्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः-- (1) श्री बचचीस सिंह पुत्र बंता सिंह खुद ओर थी. एं. (1) श्री तारा सिंह, निरमल सिंह, पुत्र बंता सिंह, मोहन सिंह पुत्र अपत सिंह, विस्तृत खोर थी. ए. (1) मधुरा सिंह (2) सोहन सिंह, (3) जोगिन्द सिंह, (4) रेखम सिंह, पुरन सिंह, और पुरन कौर, मनजीत सिंह, जसविन्द सिंह, श्रीमती बसीब कौर, श्रीमती करतारी, सुरजीत सिंह, खुव ओर जे. एं. (1) गुरमीत सिंह, (2) बहाबुर सिंह, बंगा सिंह खुव और जे. एं. , सवरन सिंह, वासी, खानोपाल, तहसील और जिला, कपुरमला।

(अन्तरक)

(2) भी महिन्द कुमार पुत्र प्रकाश चंद वासी कप्रथला और साथु सिंह पुत्र आतया सिंह वासी विधि पुत्र तह-सील और जिला कप्रथला।

(अन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रों क्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध ने कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्रिकरणः --इसमें प्रयुक्त सम्बों और पर्वों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### मम्स्यी

सम्परित तथा व्यक्ति जैसा कि विलेखन नं. 2512 विनांक विसम्बर, 1980 को रिजट्रकर्ता अधिकारी कपूरथला ने लिखा है।

> आर. गिरधर समक्ष अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

तारीच : 30-6-1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, नागपुर

नागपूर, दिनांक 27 मर्ड 1981

निद<sup>\*</sup>श मं. नि. स. आ./अर्जन/176/81—यतः मुक्ते, ए. एम. खरे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. कम सं. 54(भाग) और कम सं. 71 (भाग) है जो विभिन्नाबाद, तांबोड में स्थित हैं) और उसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी का कार्यालय नंदोड (डाक्सेंट सं. 2734/80 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1980 का 16) के अधीन, 1-11-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कत सम्परित का उचित बाजार, मूल्य, उसके रहयमान प्रितिफल से, एंसे रहयमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद् में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स्त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अबं, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन निस्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :——

- (1) दि बांबे डार्ड्रग मीनिफक्चरींग कंपनी, विला हाउन्स हरोडिया मार्ग बलार्ड इस्टंट, मूबर्ड-38। (अन्तरक)
- (2) मेंसर्स बालाजी ट्रेडिंग कंपनी, विभिराबाद नंदेड द्वारा बाहोती अंड कंपनी, बैंक आफ बराडा के पास विभराबाद, नांदेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्धि के अजन के राम्बन्ध में काहा भी आक्षण --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धनसची

S. No. 54 (Part) & S. No. 71 (Part) Vicirubud, Nande,d open land 37 acres 38 gunthas bounded on North by Mahudir Co. Mg. Society South by S. No. 56 Part—by S. No. 56—West—by S. No. 76, Part.

एः एमः खेर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्दक्षण) अर्जन रोज, नागपूर

तारोख: 27-5-1981

मोहर:

#### संघ लोक सेवा श्रायोग नोटिस

**प्रागुसिपिक परीका**, · 1982

मई विल्ली, विनांक 22 धगस्त 1981

सं० एफ० 11/3/81-प० I (स)—मारत के राजपन विनांक 22 अगस्त 1981 में गृह मंत्रालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे दिए गए पैरा 2 में उल्लिखित अस्थायी सेवाओं और पदों पर भर्ती के लिए संथ लोक सेवा आयोग द्वारा अगरतला, सहमदाबाद, ऐजल, इलाहाबाद, वंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकता, खब्बीगढ़, कोचीन कटक, दिल्ली, विसपुर (गोहाटी), हैवराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पण्जी (गोवा), पटमा, पोर्ट स्नेयर, शिलांग, श्रीनगर और जिलंडम तथा विवेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिश्रनों में 7 फरवरी 1982 में एक प्रसियोगिता परीका ली आएगी :—

भायोग यवि चाहे तो उनत परीक्षा के उपर्युक्त केन्त्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उनत परीक्षा के लिए उनकी पसन्त के केन्त्र देने के सभी प्रयास किए आएंगे तो भी धायोग परिस्थितियस किसी उम्मीदवार को भ्रथनी विवक्षा पर भ्रलग केन्त्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उस परीक्षा में प्रवेश वे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएंगी। (भ्रमुबस्य I, परीक्षा स्थल ।)

- 2. इस परीक्षा के परिणाम के स्नाक्षार पर जिन सेवामों सौर पदों पर भर्ती की जानी है, उनके नाम सौर विभिन्न सेवामों सौर पदों से संबंध रिक्तियों की सनुमानित संख्या निम्नलिखित है :----
  - (I) भारतीय विदेश सेवा (ख):--(म्राशृक्षिपिक उप-संवर्ग का ग्रेड-II) 14 (घ० आ० के उम्मीदवारी के लिए

2 भीर ग्र० ज० जा० (II) रेल वे बोर्ड सिवालय स्टेनोग्राफर सेवा— के उम्मीदवारों के लिए ब्रेड-ग (छक्त ग्रेड की चयन-सूची में सम्मिन 1 ग्रारक्तित रिक्तियां लित करने हेतु) सम्मिलत हैं।)

- (III) केन्द्रीय समिवालय प्रामुलिपिक सेवा---ग्रेड-प' (इस ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए)
- (IV) सक्षरक सेना मुख्यालय ग्राशुलिपिक सेवा--ग्रेड-ग

8 (भ्र०भा० के उम्मीव-वारों के लिए 5 भीर भ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 3 भारतित रिक्तियां सम्मिलित हैं।)

(V) भारत सरकार के कुछ धन्य विभागों/
संगठनों तथा संबद्ध कार्यालयों में घाणुलिपिकों के पव जो भारतीय विदेश सेवा
(ख) रेलवे शोर्ब सचिवालय धालुलिपिक
सेवा/केल्ग्रीय सचिवालय धालुलिपिक/
सक्तस्त्र सेना मुख्यालय घाणुलिपिक सेवा
में सम्मिलित नहीं है।

\*रिक्तियां सरकार द्वारा सूचित नहीं की गई हैं।

उपर्युक्त रिक्तियों की संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

 उक्ष्मीवकार उपर्युक्त परा 2 में उहिलाखित सेवाझों/पदों में से एक या इससे झिक के बारे में परीक्षा में प्रवेश हेतु झावेदन मेण सकता है। यदि कोई उम्मीदवार एक से मधिक सेवामों /पदों के लिए परीक्षा में प्रवेश पंजा ना नातृता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पंज भेजने की माव-श्यकता है। तीचे पैरा ७ में उल्लिखित गुल्क भी उमें केवल एक ही बार देता होगा, उस प्रत्येक सेवा/पद के लिए मलग-मलग नहीं, जिसके लिए वह भावेदन कर रहा है।

नोट—इस परीक्षा के माध्यम से भर्ती करने वाले कुछ विभागों/कार्यालयों को केवल मंग्रेजी मागुलिपिक की ही प्रावश्यकता होगी; धौर इस परीक्षा के परिणामों के माधार पर नियुक्ति केवल उन्हीं उम्मी-ववारों में से की जाएगी जिन्हें जिखित परीक्षा तथा संग्रेजी के मागुलिपिक परीक्षा VI के माघार पर मायोग बारा मनुविस्ति किया जाता है (ब्रष्टब्य:नियमावली के परिणिष्ट I का पैरा 4)।

4. उम्मीवनारों को ध्रपने धावेवन-पत्न में यह स्पष्ट रूप से बतलाना होगा कि वह किन सेवामों/पवों के लिए विचार किए जाने का इच्छुक है? उसे सलाह थी जाती है कि वह भपनी इच्छानुसार एक से धाधिक वरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता कम में उनके स्थान को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं पर धनी भांति विचार किया जा सके।

ज़म्मीदवारों द्वारा निर्दिष्ट उन सेवाफ्रों/पदों के वरीयता कम में परि-वर्तन से सम्बद्ध किसी धनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया आएगा जब तक ऐसा धनुरोध "रोजगार समाचार" में लिखित परीका के परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के घन्यर संघ लोक सेवा घायोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहते वाले उम्मीवनार को निर्धारित भावेदन-प्रपन्न पर सचिव, संघ लोक सेवा प्रामोग, बौलपुर हाऊस, नई विस्ली110011 को प्रावेदन करना चाहिए । निर्धारित भावेदन-प्रपन्न तथा
परीक्षा से सबद पूर्ण विवरण वो रुपए भेज कर प्रायोग से डाक हारा
प्राप्त किए जा मकते हैं । यह राणि सचिव, संघ लोक सेवा प्रायोग,
बौलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011, को ममीआर्डर या सचिव, संघ
लोक सेवा भायोग को नई विल्ली जनरल डाक घर पर देय भारतीय
पोस्टल आर्डर हारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल भार्डर के स्थान
पर चैक या करेंसी नोट स्थीकार नहीं किए जाएंगे। ये धावेदन-प्रपक्त
भायोग के काउण्टर पर नकव भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं।
दो रुपए की वह राजि किसी भी हालत में वापस नहीं की आएगी।

नोट:---उम्मीववारों को बेताबनी दी जाती है कि वे अपने आवेक्त-पक्ष पाशुलिपिक परीक्षा 1982 के लिए निर्धारित भूबित प्रपक्ष में ही प्रस्तुत करें। पाशुलिपिक परीक्षा 1982 के लिए विद्यारित प्रपत्नों से इतर प्रश्नों पर भरे हुए धावेदन-पत्नों पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. भरा हुमा मानेवन-पत्न भावश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ छोछ सेवा मायोग, बौलपुर हाऊस, नई विल्ली-110011 को 19 प्रक्तूबर, 1981 (19 प्रक्तूबर, 1981 से पहले की किसी तारीख से मसम, येषासय, प्रक्लाचल प्रवेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, क्रिपुरा, सिक्किम, अम्मू ग्रीर काश्मीर राज्य के सहाख प्रभाग मंग्रमान भौर निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप भीर विवेशों में रहने वाल उम्मीदवारों के मामले में 2 ववस्थर, 1981) तक या उससे पहले जाक द्वारा भवश्य धिजवा दिया जाए या स्वयं भायोग के काउण्डर पर भाकर जमा कर विया जाए। निर्मारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी भावेवन-पत्न पर विचार सहीं किया जाएगा।

धसम, मेघालय, अक्णाचल प्रदेश, मिजोरम, मिषपुर, सागालैंड, तिपुरा, सिक्किम, जम्मू धौर काश्मीर राज्य के लदाख अधाग धंडमाच धौर विकेश में रहते वाले जम्मीधनारों

से प्रायोग प्रवेत चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 19 धनतूबर 1981 से पहले की किसी तारीख से पसम् मेवास्त्र प्रकाशकार प्रवेश मिजंग्स मणिएग नागालैंड, निपुरा, सिकिंग्स, जम्म धीर काश्मीर पांच्य के लहास प्रचार संकाम और निकीक्षार दीप समृह या लक्षडीप या विदेश में एक न्हा सार्

िष्पाची (i)——जो उम्मीदवार ऐसे केलों के हैं जहां के रहते वाले झावेदन की प्रस्तुति हेतु ग्रतिरिक्त समय वे हकदार है उन्हें झावेदन-पत्न के संगत कालम में प्रपने पतों में श्रतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम अर्थात अल्ला, मैचालय, जम्म तथा काण्मीर राज्य का सहाच प्रमाग श्रादि) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए सम्या हो सकता है कि उन्हें ग्रतिरिक्त समय का लाम न मिले।

- किष्यजी (ii) अस्मीववारों , को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवैवन-पत्न को स्वयं सं० लो० से० आ० के काउण्टर पर जमा कराएं अथना रजिस्टर्ज शक द्वारा भेजें । आयोग के किसी अन्य कर्मचारी को दिए गए आवैवन-पत्नों के लिए आयोग उत्तरवायी महीं होगा।
- 7. परीक्षा में प्रवेश चाहने बाले उम्मीदबारों को भरे हुए प्रावेदन-पक्ष के साथ प्रायोग का द० 12.00 (बारह क्ष्मए) [प्रनुस्चित जातियों धौर प्रमुस्चित जन जातियों के मामले में द० 3.00 (तीन रुपए)] का मुस्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा घायोग को मई दिल्ली के प्रधान कार्याक्षय डाक घर पर देय रिश्वांकित मारतीय पोस्टल प्रावेर या सचिव, संघ लोक सेवा घायोग को नई विल्ली में स्टेट बैंक प्राफ इंडिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक ग्राफ इंडिया की किसी भी बाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ब्राफ्ट के रूप में हो।

विवेश में रहते वाले उस्मीववारों को निर्धारित शुरूक भारत के अन्त सांगुक्त, राजवृत या विवेश स्थित प्रतिपिधि के कार्यालय में जमा किना होगा ताकि वह "051 स्रोक सेवा सायोग-परीक्षा शुरूक" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए सौर सावेदन पत्न के साथ उसकी रसीव लगातार भेजभी वाहिए ।

जित कानैवन-पतों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा । यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता को नीचे के पैरा 8 के अन्तर्गत निर्धारित शुरूक से छूट चाहते हैं।

8. सायोग यदि चाहे तो उस स्थिति में निर्धारिस शुरूक से छूट दे सकता है अब वह इस बात से संतुष्ट हो कि झाबेदक या तो 1 जनवरी 1964 से और 25 मार्च 1971 के बीच की संबंधि में सतपूथ पूर्वी वाकिस्ताध (सब बांगला देश) से भारत साया हुआ वास्सविक विस्थापित स्थित है या बर्मा से वास्सविक रूप में प्रत्यावितित मूलतः भारतीय व्यक्ति है सी श्रुप 1963 को या उसके बाव भारत साया है या वह श्रीलंका से प्रत्यावितित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो सबहूबर 1964 के भारत सीचंका समझीते के अन्तर्यंत 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद भारत साया है या साने वाला है और निर्धारित सुलक देने की स्थिति में नही है या निम्न परिभाषा के सनुसार भूतपूर्व सैनिक है:—

"मूतपूर्व सैनिक" का क्षिप्राय उस व्यक्ति से है जिसने संब की सशस्त्र सैनाक्षां (संब की नीसेमा थल सेना या बायु सेना) में जिसमें भारत की भूतपूर्व रियासतों को सशस्त्र सेना सम्मिलित हैं तथा झासाम राइफल्स सेसा रखा कोर, जनरल रिजर्व इंजीनियर फोसं, जम्मू और काश्मी मेलेशिया लोक सहायक सेना, प्रावेशिक सेमा सम्मिलित नहीं है, किसी की रक (सड़ाक् या गैर-रुड़ाक्) में शापण ग्रहण के बाद 19 धवसूबर 1981 को कम से कम छह मास की भविष्ठ सक लगातार सेवा कर सी है, छौर

(1) जो कवाधार या प्रक्षमता के कारण वर्धास्त या सेवा मुक्त होते या इस कारण निर्मुवत होते तक रिजर्व मे स्थानान्तरित होते से निर्मुक्त हुआ है, सथवा

- .(2) जिसे निर्मृक्त होने तक या रिजर्थ में स्थानान्तरित होने का हात्वार बनने के धावस्थक सेवावधि पूरी करने हेतु 19 धक्तूबर 1981 को 6 मास से कम सेथा करनी हैं।
- 9. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर विया हो किंतु उसे भ्रायोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया तो उसे ६० 3.00 (तीन रुपए) भिनुसूचित जातियों भीर जन जातियों के मामले में 10000 (एक रुपया) की राशि वापस कर दी जाएगी ]।

उपर्युक्त या भीचे पैरा 10 में उपबंधित ध्यवस्था को छोड़कर धन्य किसी दावे की स्थिति में प्रायीग को धुगतान किए गए मुक्क की वापसी के किसी भी दावे पर न तो विचार किया जाएगा भीर न ही शुरूक की किसी धन्य परीक्षा या के चयन लिए बारक्षित रखा जासकेगा।

- 10. यवि कोई छम्पीववार 1982 में जी गई प्रामुलिपिक परीका में बैठा हो और सब इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए सावेवन करना चाहता हो तो उसे परीका फल या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीका किए बिना ही प्रपाना सावेदन-पन्न प्रवस्य भेज देना चाहि; ताकि वह निर्धारित तारीख तक सायोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि वह 1981 के परीकाफल के साधार पर नियुक्ति हेतु अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके समुरोध पर 1982 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीववारी रह कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शृक्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उस उम्मीववार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं विया जाता बशर्ते कि अम्मीववारी रह कराने और शृक्क वापस करने का सन्रोध सायोग के शार्यालय में 7 अक्वरी 1982 को या इससे पूर्व प्राप्त हो जाए।
- 11. मानेदन-पत्न प्रस्तुल करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए अम्मीदवार के किसी प्रकार के अभुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा ।
- 12. जैसा कि परीक्षा नियमायकी के परिशिष्ट में उल्लिखित परीक्षा योजना में निर्विष्ट किया गया या सामान्य बंग्नेजी व सामान्य कान के प्रथन पत्नों में वस्तुपरक प्रथन पूछे जाएंगे। नमूने के प्रथन सिहत वस्तु-गरक परीक्षण सम्बन्धी क्योरे के लिए कृपया "उम्मीववार-सूचना-विवरिणका" के बगुर्बंध IJ का बवलोकन करें।

.विनय सा, संयुक्त सम्बद, संघ लोक सेवा धायोग

#### धनुषंत्र-I उम्मीववारों को धनुदेश

1. उम्मीववारों को चाहिए कि मावेबन-पत्न मरने से पहले नोटिस भौर नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात हैं भी या नहीं । निर्धारित शसों में छूट नहीं वी जा सकती है।

धावेदन-पत्र मेजने से पहले उम्मीवनार को मीटिस के पैरा 1 में विए गए केन्द्रों में से किसी एक को अहा वह परीक्षा देने का इच्छुक है धन्तिम कप से भूत लेना चाहिए।

जो उम्मीदवार किसी विदेश सेवा स्थित भारतीय भिशान में परीक्षा वेना चाहता हो उससे भागुलिपिक परीक्षण के लिए भपने ही खर्च पर विदेश स्थित किसी भी ऐसे भारतीय मिशन में बैठने के लिए कहा जा सकता है जहां इस प्रकार का परीक्षण भायोजित करने के लिए भावश्यक प्रबन्ध उपलब्ध हो ।

उम्मीदवारों को व्यान रखना चाहिए कि केन्द्र मे परिवर्तन से संबद्ध अनुरोध को सामान्यतमा स्वीकार नहीं किया जाएगा । किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उकत परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निर्विष्ट किया था तो उसे सचिव, सम लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औचित्य बताते हुए एक पक्ष रिजस्ट डं डाक से अवश्य क्षेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है । ऐसे अनुरोधों पर गुणवता के आधार पर विधार किया जाएगा किन्तु 7 जनवरी 1982 के बाव आप्त अनुरोधों को किसी भी स्विति में स्वीकार नहीं किया जाएगा ।

 उम्मीदवार को धाबेदन-पक्ष तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही स्याही से या बाल व्याइंट पैन से भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ सावेदन-पत्र अध्वीकार कर विधा जाएगा।

नीट:— उम्मीववारों को उक्त परीक्षा की नियमावली के परिकिच्छ । के पैरा 4 के अनुसार अपने आवेदन-पत्न के कालम 9 में स्पष्ट रूप से उम भाषा का उल्लेख कर बेना चाहिए जिसमें वे निवन्ध के प्रका-पत्नों का उत्तर बेने के इच्छुक हैं तथा आशुलिपिक परीक्षण देना चाहते हैं। एक बार विया गया विकल्प अन्तिम माना जाएगा और उक्त कालम में परिवर्तन करने से संबद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया बाएगा । यवि उक्त कालम में कोई भी प्रविष्टि नहीं की गई होगी तो यह मान लिया जाएगा कि उक्त प्रका-पत्न का उत्तर तथा आशुलिपिक का वरीक्षण अंग्रेजी में विया जाएगा ।

उम्मीदवार यह ज्यान रखें कि धावेदन-पत्नों को घरते समय भारतीय धंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप का प्रयोग किया जामा है । चाहे माज्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्न या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख हिन्दी शंकों में दर्ज हो तो उम्मीदवार को सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि जो आवेदन-पत्न वह प्रयोग में लाता है उममें इसकी प्रविच्छि करते समय भारतीय शंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप ही प्रयोग में लाए जाएं । वे इस बात का विशेष ज्यान रखें कि आवेदन-पत्न में की गई प्रविद्यां स्पष्ट ग्रीर मुपाट्य हों । यदि प्रविद्यां अपाट्य या आमक होंगी तो उनके निर्मंचन में होने वाले अम तथा, संविश्वता के लिए उम्मीदवार उत्तरवायी होंगे ।

उम्मीदवारों को ब्यान रखना चाहिए कि मायोग द्वारा मावेवन-पत्त में इनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बवलने के लिए कोई पत्न मावि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें मावेदन-पत्न सही रूप में सिरो के लिए विशेष सावमानी वरसनी चाहिए।

सभी उम्मीववारों को चाहै वे पहले से सरकारी शौकरी में हो या सरकारी धौधोगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के घ्रस्य संगठनों में हों या गैर-सरकारी संस्थामों में निमुक्त हों प्रपने मावेवन-पत्र मायोग को सीम्रे केजने चाहिए । प्रगर किसी उम्मीववार ने प्रपना मायेवन-पत्र नियोक्ता के द्वारा भेजा हो धौर वह संघ लोक सेवा मायोग में देर से पहुंचा हो नो उस मावेवन-पत्र पर विधार नहीं किया जाएगा भले ही वह नियोक्ता को साखरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में धाकस्मिक या वैनिक दर कर्म-बारी से इतर स्थायी या धस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभावित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हों या वे लोक उद्यमों में सेवारत हों उन्हें यह परिवचन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से धपने कार्यालय विभाग के बाज्यक्ष को सुचित कर विया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए बावेबम किया है।

- उम्मीदवार को प्रपने प्रावेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख धवश्य मेजने चाहिएं:---
  - (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए मारतीय पोस्टल प्रार्धर या बैंक क्राफ्ट प्रथवा णुल्क में छूट का दावा करने के समर्थन में प्राप्त प्रमाण-पत्र की प्रमाणि। /प्रिभिप्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नोटिस के पैरा 7 मीर 8 मीर नीचे पैरा 6)।
  - (ii) ग्रायु के प्रमाण-पत्न की भिभिन्नमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
  - (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की श्रमिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिक्षिपि ।
  - (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट भाकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक गैसी प्रतियां जिनमें से एक प्रति भावेदन प्रपन्न पर चिपकी हो भीर दूसरी प्रति उप-स्थिति पत्रक पर निर्धारित स्थान पर चिपकी हो।

- (v) जहां लाग् हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पन्न प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिसिषि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (vi) जहां लागू हो वहां श्रायु में छूट के दाघे के समर्थन में प्रमाण पश्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि [देखिए नीचे पैरा 5 (ख)]।
- (vii) उपस्थिति पत्नक (ग्राधेदन-पत्न के साथ संलग्न विधिवत भरा कुश्रा)।
- (viii) बिना टिकट लगे हुए वो लिफाफे (लगभग 11.5 सैं॰ मी॰  $\times 27.5$  सें॰ मी॰) के जिन पर अपना पता लिखा हो ।
- भोट (i)---जम्मीदवारों को भपने भावेदन-पत्नों के साथ उपगुक्त मद (ii), (iii), (v) तथा (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्नों की केवल प्रतिलिपियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के 🕆 किसी राजपन्नित ग्रधिकारी द्वारा ग्राभिप्रमाणित हो भ्रयवा स्वयं उम्मीववारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीव-बार लिखित परीक्षा के परिणाम के माधार पर भागुलिपिक परीक्षण के लिए धाईंसा प्राप्त कर नेते हैं तो उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जीने के तुरन्त आद उपर्युक्त प्रमाण-पत्नों की मृल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी । परिणामों के 1982 के मई मास में घोषित किए जाने की संघावता है। उम्मीदबारों को इन प्रमाण-पत्नों को उस समय तैयार रखना आहिए तथा लिखित परीक्षा के परिणाम की योषणा के पुरन्त बाद उन्हें श्रायोग को प्रस्तुत कर देशा चाहिए। जो उम्मीदबार उस समय अपेकित प्रमाण-पन्नों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करते हैं उनकी उम्मीववारी रह कर दी जाएगी मौर ये अम्मीदबार पुनः विचार किए जाने कादाबामहीं कर सकेंगे।
- नोट (ii) जम्मीववारों से यह प्रपेक्षा की जाती है कि भावेषन-पत्न के साथ भेजे जाने वाले प्रमाण-पत्नों की भ्रमिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतियों पर भ्रपने हस्ताक्षर करके भेजें तथा उस पर तारीक्ष भी सिखें।
- मव (i) से (iv) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं भीर मद (v) भीर (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4, 5 भीर 6 में दिए गए हैं:---
- (i) (क) निर्धारिक्ष शृत्क के लिए रेखांकित किए गए मारतीय पोस्टल मार्कर:—

प्रत्येक पोस्टल प्रार्डर प्रनिवार्येतः रेखांकित किया जाए तथा उस पर:--"सचिव, संव शोक सेवा प्रायोग को दिल्ली के प्रधान डाकथर पर देय" सिखा जाना पाहिए।

किसी धन्य डाक घर पर वेथ पोस्टल झार्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे पोस्टल धार्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल मार्बरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर भौर जारी करने वाले डाक बरकी स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को अवस्थ ध्यान रखना चाहिए कि को पोस्टल आईर न तो रखोकित किए गए हों और न मजिब संघ लोक सेवा आयोग, को नई विस्त्री जनरक्ष डाक घर पर देय किए गए हों उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

#### (ख) निर्धारित गुरुक के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट:---

बैंक ब्राफ्ट स्टेट बैंक प्राफ एंडिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए प्रीर सजिब, संघ लोक सेवा प्रायोग को स्टेट बैंक प्राफ एंडिया की मुख्य शाखा नई विल्ली में देय होना चाहिए तथा विश्वितत रेखीकित होना चाहिए। किसी भ्रन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ब्राप्ट किसी भी हासत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फ्टे दैंक क्राप्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

- टिप्पणी: --- जम्मीदवारों को प्रथने श्रावेदन-पत्न प्रस्तुत करते समय वैक शृष्ट की पिछली भ्रोर सिरे पर प्राना नाम तथा पत्ता निखना चाहिए। पोस्टल ग्राडेंगें के मामले में जम्मीदवार पोस्टल ग्राडेंग के पिछली श्रोर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर ग्रपना नाम तथा पत्ता लिखें।
- (ii) प्रायुका प्रमाण पक्षः प्रायोग जन्म की वह तारीख स्थीकार करता है जो मैद्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्न या किसी भारतीय तिश्वविद्यालय द्वारा मैद्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्न या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैद्रिकुलेटों के रिजस्टर में दर्जे की गई हो धौर वह उद्धरण विश्वविद्यालय के नमृचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों। जो उम्मीववार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या असकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर खुका है वह उच्चतर पाध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्न की प्रक्षिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

ष्मायु के संबंध में कोई धन्य दस्तावेज जैसे जन्म कुंडली, शापयपद्ध, नगरनिगम के सेवा अभिलेख से प्राप्त धन्य संबंधी उद्धरण तथा धन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

भ्रतृदेशों के इस भाग में भाए हुए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर साध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न वाक्यांश के भ्रन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्न सस्मिक्ति हैं।

कभी-कभी मैद्रिकुलेगन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पन्न में जन्म की तारीख नहीं होती या झायु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष भौर महीने ही विए रोते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदनारों को मैद्रिकुलेगन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पन्न की प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के ध्रतिरिक्त उप संस्थान के हैडमास्टर/प्रिंमिपल से लिए गए प्रमाण-पन्न की प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैद्रिकुलेगन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उसीणं की है। इस प्रमाण-पन्न में उस संस्था के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक ध्रायु लिखी होगी चाहिए।

उम्मीववारों को नेतावनी थी जाती है कि यवि प्रावेवन-पन्न के साथ इन भनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं मेजा गया शो भावेवन-पन्न ग्रस्वीकार किया जा सकता है।

- टिप्पणी (1) जिस उम्मीववार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाव प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पन्न हो उसे केवल प्रायु से सम्बद्ध प्रविद्धि वाले पृष्ट की ग्रामिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।
- टिप्पणी (2)— उम्मीदवार यह व्यान द कि श्रायोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख की स्वीकार करेगा जो कि श्रावेदन-पक श्रस्तुल करने की तारीख को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में वर्ज है श्रीर इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी भनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।
- टिप्पणी (3) -- अम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनके हारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने भीर आयोग द्वारा उसे अपने भ्रमिलेख में दर्ज कर लेने के बाद में या किया परोक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं वी जाएगी।
- टिप्पर्णा (4)—जो जम्मीदघार (i) किसी मान्यसाप्राप्स उष्धतर माध्यमिक विद्यालय (ii) इडियन स्कूल सर्टिफिकेट एरजामिनेशन के लिए विद्यापियों को तैयार करने वाले किसी मान्यता प्राप्त स्कूल 16—206GI/81

- (iii) श्री प्रतिव प्रन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र पाडिचेरी का हायर सेकेन्डरी कोर्स या (iv) दिल्ली पालीटेक्नीक के तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा में उत्तीणं हो, उसे सम्बद्ध स्कल के प्रिसिपल से परा 3 (iii) केनीचे मोट 3 के बाद निर्धारित प्रपन्न पर लिया गया श्रायु का प्रमाण- पन्न ध्रवण्य भजना चाहिए श्रीर इसके भतिरिक्त श्रायु के प्रमाण के रूप में कोई सन्य प्रमाण-पन्न श्रपेक्षित नहीं होगा।
- टिप्पणी (5)—जो उम्मीयवार पहले से ही स्थाई सरकारी सेवामें हो, उनकी सेवा पुस्तिका की प्रविष्टियों को जन्म की तारीख और पौक्रिक योग्यताओं के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जा सकता है।
- (iii) शक्षिक योग्यता का प्रमाणपत्न :— उम्मीद्वार की एक ऐसे प्रमाण-पत्न की प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भवष्य भजनी चाहिए जिमसे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्न उस प्राधिकारी (श्रूषांत् विश्वविद्यालय या किसी श्रन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिससे उसे योग्यता विश्वष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्न की प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण प्रवश्य बताना चाहिए श्रौर श्रपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध अपने दावे के समयन में किसी धन्य प्रमाण-पत्न की प्रतिलिपि भजनी चाहिए। श्रायोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवता के झाधार पर विचार करेगा किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाह्य नहीं होगा।
- नोट 1:---जो उम्मीववार किसी एसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसमें उसीणें होने पर वह आयोग की इस परीक्षा में बैठने के लिए शक्तिक रूप से योग्य हो जाता है किन्तु उन्हें परिणाम की सूचना नहीं मिली है और वह एसी प्राहंक परीक्षा में बैठने का इरादा रखता है तो वह प्रायोग की इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए पाल नहीं होगा।
- नोट 2:—जिस जम्मीवनार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाणप-त हो उसे उस प्रमाण-पत्न की धिषप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के साथ केवल एस० एस० एस० सी० परीक्षा परिणाम की प्रविष्टियों वाले पृष्ठ की प्रतिलिपि भजनी चाहिए।
- नोट 3:—जो उम्मीदबार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माघ्यमिक विद्यालय (ii) इंडियन स्कल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन विद्यालयों की तयार फरने वाले किसी मान्यता प्राप्त स्कूल (iii) श्री अर्रविद अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र पांडिचेरी का हायर सकेन्डरी कोर्स या (iv) दिल्ली पालीटक्नीक के तकनिकी माध्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो उसे सम्बद्ध न्कूल के प्रिमिपल हिडमास्टर से नीचे नोट में निर्धारित फार्म र लिया गया शक्षिक योग्यता प्रमाणपत्न भ्रवस्य भजना चाहिए।

उम्मीदबार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाने प्रमाण-पन्न का फार्म [दृष्टब्य : पैरा 3(ii) का नोट 4 श्रीर उपर्युक्त नोट (3)]।

प्रमाणित किया जाता है-

(1) श्री/श्रीमता/हुमारी <del></del>
मुपुन्न/मुपुन्नो * श्री
इस विद्यालय की
सेकेंडरी इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन/श्री अरविन्द अन्तर्राष्ट्रीय
णिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी के हायर संकेटडरी पाठयकम* दिल्ली पालीटबनी
तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पाठ्यकम की उपांतिम कक्षा
उत्तीर्ण है ।

5. (क) नियम 6 (वा) के धन्तर्गत प्रायु में छूट का वावा करने वाले

प्राशुलिपिकों (जिसमें भाषा ग्राशुलिपिक भी ज्ञामिल है)(क्लकॉं/स्टमो-

टाइपिस्टों को घपने विमाग/कार्यांकय के प्रशान से निस्नक्षियत प्रपक्त

पर एक प्रमाण पत्र भूत रूप में प्रस्तुत करना चाहिए।

(2) इस विद्यालय के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गई उनकी जन्म	संविधान (जम्मू ग्रौर काश्मीर) ग्रनसूचित जातियां व्रावेश 1956
की तारीख की	*संविधान (ग्रष्टमान ग्रीर निकोबार द्वीपसमूह) भ्रनसूचित जन जातियों
स्थानांतरण प्रमाण-पत्न/विद्यालय में विद्यार्थी के दाखिकों के समय उसकी भोर से प्रस्तुत किए गए विवरण* से पृष्टि कर सी गई है।	भावेश 1959 *प्रानमुचित जातियां तथा मनसूचित जन जातियां आदेश
तारीबः हैडमास्टर्गिप्रसिपल हस्ताक्षर	(संगोधन) प्रधिनियम 1976 द्वारा यथा संगोधिन*
स्थान (विद्यालय का नाम)	संविधान (बाबरा ग्रौर नागर हवेली) श्रनुसूचित जाति भादेश 1962*
*जी शब्द लाग नहीं उन्हें काट वें।	संविधान (बादरा भीर नागर हवेली) अनुसूचित जातियां ग्रादेश 1962*
(iv) फोटो की दो प्रतियां :—-उम्मीदवार को ग्रपमे हाल ही के पास-	संविधान (वावरा ग्रीर नागर हवेली) ग्रनुसुचित जन जातिया भावेश
पोर्ट माकार $($ लगभग $5$ सें $\circ$ $ imes$ मीं $\circ$ $7$ सें $\circ$ मी $\circ$ $) के फोटो को$	1962*
दी एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिएं। इनमें से एक प्रति धावेदन-	·
प्रपक्ष के पहले पृष्ठ पर भीर (ग्रन्य प्रति उपस्थित पत्रक में निर्धारित	संविधान (पीडियेरी) भनुसूचित जातिया प्रावेश 1964*
स्थान पर चिपका देनी चाहिए) फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार की स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।	संविधान (भनुसूचित जन जातिया) (उत्तर प्रवेश) घावेश 1967*
स्याका स हस्ताजर करन चाहरा। ह्यान वें:जम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि झावेदन-पन्न के	संविधान (गोवा दमन भीर विष्) भनुसूचित जातियां भावेश 1968*
साथ अपर पैरा 3(ii) 3 (iii) भीर 3 (iv) में उल्लिखित	संविधान (गोवा दमन ग्रीर विय्) ग्रनुसूचित जन जातियां ग्रावेश 1968*
प्रमाण-पद्म ग्रादि में ने कोई एक संलग्न न होगा ग्रीर उसे	संविद्यान (मागालैंड) प्रमृस्चित जन जातियां प्रावेश 1970*
भेजने का उचित स्पष्टीकरणभी न दिया गया होगा तो भावेदन-	संविधान (सिनिकम) अनुसूचित जाति आवैश 1978*
पत्न प्रस्वीकार किया जा सकता है झौर धंस घ्रस्कीकृति के विरुद्ध कोई ग्रपील नहीं सुनी जाएगी।	संविधान (सिविकम) धनुसूचित जन जाति भावेश 1978*
<ol> <li>यदि कोई उम्मीदबार किसी अमसूचित जाति या अनसूचित जन</li> </ol>	2. बी/जीमती/क्रुमारी <sup>*</sup> ————————————————————————————————————
जाति का होने का बाबा करे तो उसे ग्रपने दावे के समर्थन में उस जिले के	धौर/या उनका परिवार ग्रामतौर से गांव/कस्वा*
जिसमे उसके माता-पिता (या जीविन माता या पिता) मामतौर से रहते	
हों जिला भविकारी या उप मंडल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी	जिला/मंडल*
ग्रन्थ ध्रधिकारी से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पद्ध जा <b>री</b> करने के लिए सक्षम प्राधिकारी के रूप में पद नामित किया हो नीचे	संव राज्य क्षेत्र*
दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक ग्रमिप्रमाणित/प्रमाणित	में एहते/एहती* हैं।
प्रतिलिपि प्रम्तृत करनी वाहिए। यदि अम्मीदवार के माला भीर पिता	्रश्ताचर
बोनोंकी मृत्य हो गई हो तो यह प्रमाणपत्र उस जिले के मधिकारी से	†पदनाम ————————————————————————————————————
लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार घपनी शिक्षा से भिन्न किसी घन्य	कार्यालय की मोहर सहित
प्रयोजन से भ्रामतीर पर रहता है।	स्वाल
भारत सरकार के भ्रष्टीन पदों पर नियुक्ति के लिए भ्रावेदन करने	तारीच
बाले अनुसूचित जाति धीर अनुसूचित जन जातियों के उम्मीववारों द्वारा	राज्य/धेच* राज्य खेळ
प्रस्तृत किए जाने वाले प्रमाण-पन्न का फार्म।	•
प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*	<sup>क</sup> जो सब्द सागून हों, उन्हें कुपया साठ दें।
	नोठः—–"ग्राय तीर पर रहते/रहती हैं" शम्भों का गर्व वही होगा
जो गांव कस्वा *	को रिप्नेजेंटेशन भाषः विपीपुल एक्ट, 1950 की क्षारा में हैं।
राज्य/संघ <sup>‡</sup> राज्य क्षेत्र — के/	∱धनुसूचित जाति/जनजाति प्रमाण पक्ष जारी करने के लिए सक्सम
की कि निवासी हैं	मधिकारी──
जाति/जन जाति/की है	<ul><li>(i) जिला मजिस्ट्रेट/घतिरिक्त जिला मजिस्ट्र्ट/क्कैक्टर/किप्टी कमिक्कर/</li></ul>
जिसे निम्निसिखत के श्रद्यीन श्रनसूचित/जन जाति के रूप में मान्यता दी	एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम खेणी का स्टाइ-
गई है :	पेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मजिस्ट्रेट/**सब डिवीजनल मजिस्ट्रेट/
मंत्रिश्चान (धनुसूचित जातिया) घादेण 1950*	तारुणुक मजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिय मजिस्ट्रेट/एक्सट्रा श्रसिस्टेंट कमिश्नर
संविधान (श्रनुसूचित जन जातियां) ग्रादेश 1950*	** (प्रयम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैंजिस्ट्रेट के मोहवे से कम नहीं)
स्विधान (ग्रनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)	<ul> <li>(ii) चीफ प्रेसीवेंसी मैजिक्ट्रेट/ऎबीशनल चीफ प्रेसीवेंसी मैजिक्ट्रेट/ प्रेसी- वेंसी मैजिक्ट्रेट ।</li> </ul>
ब्रादेश 1951 <sup>*</sup>	दसामाजस्ट्रा (iii) रेवेग्यु मफसरजिसका मोहवा सहसीलवार से कम न हो ।
संविधान (मनुसूचित जन जानियां) (संध राज्य क्षेत्र) म्रावेश 1951	(iv) उस इलाके का सब डिवीजनल भक्तसर जहां उम्मीदवार भौर/
[प्रतृसूचित जातियां भौर प्रतृसूचित जन जातियां सूची (प्राणोधन)	या उसका परिवार भामतौर से रहता हो।
मादेश 1956, नम्बर्क पनगठन प्रक्षिनियम 1960, पंजाब पूनगर्ठन प्रक्षि-	<ul><li>(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडिमिस्ट्रिटर का सजिव/क्षेत्रलपमेंट धफसर, लक्षद्वीप ।</li></ul>

मादेश 1956, नम्बर्ड रुनगठन प्रधिनियम 1960, पंजाब पुनगर्ठन प्रधि-

भीर धनस्चित जातियां तया धनस्चित जन जातियां धादेश (धनोलन)

1970, उत्तर पू**वं** 

नियम 1966, हिमाचन प्रदेश राज्य धर्धिनियम

प्रधिनियम 1976<sup>‡</sup>

लेख (पुनर्गठन) प्रधिनियम 1971 तारायणा मंगोधित।

*(i) क्रमाणित किया जाता है कि की/श्रीमती/कुमारी
के कार्यालय, जो मारस सरकार/संब
राज्य क्रोक्षका विभाग/कार्याक्षय है, में नियमित रूप से नियुक्त
माशुलिपिक के पद पर कार्य कर रहे हैं और पहली जनवरी, 1982 के
<b>धाशुक्षिपिक/क्सर्क/स्टेनो टाइपिस्ट/रॅ॰ डा॰ से॰ सार्टर की है</b> सियत से उनकी
मगातार सेवा 3 वर्ष की हो गई है/से कम नहीं होगी और वे इस पद पर कार्य
कर रहे हैं करते रहेंगे।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि वे पहले संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ब्रायोजित परीका के परिणामों के ब्राधार पर के० स० ब्रा० से०/ रे • बी • स • घा • से • / धार्ष • एक • एस • बी • घाशुलिपिक उप संबर्ग / सशस्त्र सेना मुख्यालय साभुनिपिक सेवा<sup>क</sup> में नियुक्त नहीं हुए हैं।

*(ii) प्रमाणित किया जाता	। 🖁 कि श्री/श्रीमती/कूमारी*
	——के कार्यालय, जो भारत सरकार/संब
	माग/कार्याजय है, में नियमित रूप से क्लर्क/
स्टेनोटाईपिस्ट/रेल-डाक सेवा के	सार्टर/ब्राणुलिपिक के पद पर लगातार कार्ये
	1982 की क्लर्क/स्टेनो टाईपिस्ट/रेलवे बाक
	हैसियत से अनकी लगातार सेवा 3 वर्ष
	ा और वे इस पदयर कार्य कर रहे हैं/करते
<b>प्रुं</b> गे।	
विनोश्च	हस्ताकार
संक्या	पदकाम
स्यान	मंत्रासय/कार्यालय
	कार्यांसय की मृहर

\*जो लागून हो स्टी काट दें।

- (च) (i) नियम 6(ग) (ii) या 6 (ग) (iii) के धन्तर्गत निर्धारित द्यायु सीमा में छूट का धीर/या उक्त नोटिस के पैराधाफ 8 के सधीन भुल्क में छूट का बावा करने वाले मृतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ग्रव वंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्मिलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से क्षिए गए प्रभाण यज्ञ की प्रतिक्षिपि यह विखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (धव वंगलादेश) से माया हुझा बास्तविक विस्वापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 शीर 25 मार्च, 1971 के बीच की शबधि के दौरान प्रवजन कर भारत आया **₹**:---
  - (1) दव्यकारभ्य परियोधना के ट्रांजिट केन्द्रों समया विभिन्न राज्यों में स्थित राष्ट्रत किथियों के कैम्प कमार्थेट।
  - (2) उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर
  - (3) द्यपने द्यपने विकों में सरणायीं पुनर्वास के प्रमारी प्रतिरिक्त जिसा मैजिस्ट्रेट ।
  - (4) स्थर्भ प्रधारित सब विजीजन का सब विजीजनल प्रफसर।
  - (5) उप जरणाची पुनर्नास बायुक्त, पश्चिम बंगास/विवेशक (पुनर्नास)
- (ii) नियम 6(ग) (iv) धववा 6(ग) (v) के घन्तर्गत निर्धारित क्षायु में छूट का ग्रीर/या उक्त नीटिस के पैराग्राफ 8 के भन्नीन जुल्क में कुछ का दावाक रने वाले अधिवका से प्रत्यावित या प्रत्यावित होने वाले मुसतः धारतीय व्यक्ति को बीर्सका में भारत के उच्च मायुक्त के कार्याक्षय से जिए गए इस बाज्य के प्रमाणपक की एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नामरिक है जो सक्तूबर, 1964 के भारत कीलंका समझीते के श्रवीन 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत द्याया है या भारत धाने वाला है।
- .(iii) नियम 6(ग) (ví) सम्बानियम 6 (ग) (vii)केसातर्गेत ब्रायु सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांका तथा संयुक्त गणराज्य, **लंजा**निया (भृतपूर्व टंगानिका भीर जंजीबार) से बाए हुए अम्मीववार को या जाम्बिया, मलामी, जैरे, भीर इधियोपिया से प्रत्याविंक्त मारत मुखक कम्मीववार को उस खेक के विका मैं जिस्ट्रेट से जहां वह इस समय

निवास कर रहा है लिए गए अमाण पत्र की एक अभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिकिपि यह विश्वकाने के लिए, प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह धास्तव में उपर्युक्त देशों से माया है।

- (iv) नियम 6(ग) (viii) भयवा 6(ग) (ix) के भन्तर्गत निधन रित मायु सीमा में भीर/या उक्त नोटिस के पराग्राप्त 8 के मधीन शुल्क मैं छुट चाहने वाले सर्भा से प्रत्यावितत मूलतः भारतीय व्यक्ति की भारतीय राजवृतावास, रंगुन द्वारा विए गए पहिचान प्रमाण पक्ष को एक अभिप्रमाणित/ <mark>अमाणित प्रतिलिपि यह विश्वलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह</mark> एक भारतीय मागरिक है जो 1 जून, 1973 को या असके बाद भारत 🖯 भाया है ग्रयंवा उसे, अिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण पक्ष की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से ग्राया हुन्ना वास्तविक प्रत्या-वर्तित व्यक्ति है भीर 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत माया है।
- (v) नियम 6(ग) (x) श्रयवा 6(ग) (xi) के धन्तगेल भाय सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, ओ रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुमा है, महानिवेशक, पुनः स्थापन, रक्षा मंत्रालय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस ब्राशय का एक प्रमाण पत्न लेकर उसकी एक श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि यह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्षमें प्रयका भ्रणांतिग्रस्त क्षेत्र में फीजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ भीर परि-**णामस्वरूप** निर्मुक्त **हुधा**।

### उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाने

प्रमाण पत्न का फार्म
प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट
ग्रेमर्थ में/मणांतिग्रस्त <sup>≭</sup> क्षेत्र. में फीजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए कीर
उस विकलांगता के परिणामस्थरूप मिर्मुक्त हुए।
हस्ताक्षर <del></del>
पवनाम
दिनौक ————————————————————————————————————
*जो शब्द लागुन हो उसे कृपया काट दें।

(vi) नियम 6(ग)(xii) प्रथवा 6(ग)(xiii) के घन्तर्गत भाग सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को जो सीमा सुरक्षा वल में कार्यकरते हुए विकलांग हुमा है महानिदेशक सीमा रक्षावल गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित कार्म पर लिए गए प्रमाण पक्ष की एक समिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विश्वलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सूरका वल में कार्य करते हुए 1971 में भारत पाक संधर्व के दौरान विकलांग **हुवा भीर** परिणामस्त्ररूप निर्मृक्त हुआ ।

### उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले

प्रमाणित किया जाता है कि शृतिङरक ने o
भी————————————————————————————————————
हस्ताक्षर ————————————————————————————————————
पवनाम <del></del>
तारीख

(vii) नियम 6(ग)(xiv)धथवा नियम 6(ग)(xv) के धन्तर्गत भाय में छृट का दावा करने वाले विमतनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः मारतीय व्यक्ति को फिलहाल जिसे क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण पत्न की ग्रभिप्रमाणित/प्रमाणिन प्रतिलिपि यह विश्वलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से माया हुआ वास्तविक प्रत्यावतित व्यक्ति है और वियसनाम से जुलाई। 1975 से पहले मारत नहीं ग्राया ŧι

6. जो उम्मीवनार ऊपर पैरा 5(न), (i) भीर (iv) में से किसी भी वर्ग के प्रकारत नोटिस के पैरा 8 के भनुसार शुल्क में खूट का वावा करता है, उसका किसी जिला ग्रधिकारी या सरकार के राजपित ग्रधिकारी या संसद सवस्य या राज्य विधान मंडल के सवस्य से, यह विधालाने के लिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थित में नहीं है, इस भाय का एक प्रमाणित पत्र लेकर उसकी भ्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।

उनत नोटिस के दरा 8 के प्रन्तगंत गुल्क से छूट का वाचा करने वाले मृतपूर्व मैनिक को स्थल सेना/वायु सेवा/नीसेना प्राधिकारियों द्वारा उसके मृतपूर्व मैनिक होने के प्रमाणस्वरूप विए गए सेवा मृक्ति प्रमाण पत्न की एक प्रभिप्रमाणिन/प्रमाणित प्रति प्रस्तुल करनी चाहिए। इस प्रमाणपद्म में उसकी समस्य सेना में सम्मिलत होने की वास्तविक तारीख, तथा सेना से निर्मुक्ति या समस्य सेना के रिजर्व में स्थानांतरण की तारीख या निर्मुक्ति या समस्य सेना के रिजर्व में स्थानांतरण की सम्भावित तारीख अवस्य लिखी हो।

- 7. जिस उम्मीद्धार के मामले में पात्रता प्रमाण पत्न धावश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल सभी विया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे धावश्यक पात्रता प्रमाणपत्न जारी कर दिया गया हो।
- 8. उम्मीदवारों को घेतावनी दी जाती है कि वे मावेदन-पक्ष घरते समय
   कोई कठा स्पौरा न दें भ्रथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपायें।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे प्रपंते द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख प्रथवा उसकी प्रति की किसी प्रविध्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन करें भीर न कीई फेरबदल करें, भीर न ही फेरबदल किए गए झूठे प्रमाण पन्न प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दी या प्रथिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई प्रशृद्धि भयवा जिसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

- 9. झावेदन पक देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तक स्वीकार नहीं किया जाएगा कि झावेदन-प्रपत्न ही झमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्न को भेजा जाना ही स्वतः इस बात का भुजक न होगा कि प्रपक्त पाने बाला परीक्षा में बैंटने का पाझ हो गया है।
- 10. धायोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पन्न (विलम्ब से प्राप्त धावेदन पन्न सिहत) की पावती थी जाती है तथा धावेदन पन्न की प्राप्त के प्रतीक के रूप में उम्मीवनार को रोल नम्बर जारी कर दिया जाता है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीका के धावेदन पन्न प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम ता खि से एक मास के धन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तक्काल धायोग से पावती हेतु सम्पर्क करना चाहिए।

इस तब्य का कि उम्मीदवार की रोल नम्बर आरी कर विया गया है अपने भाप यह धर्य नहीं है कि भावेदन पक्ष सभी प्रकार पूर्ण है तथा भागोग श्वारा स्थीकार कर लिया गया है।

- 11. इस परीका के प्रश्येक उम्मीववार को उसके मायेदन पक्ष के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे थी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीना पहले तक उम्मीववार को ग्रपने ग्रावेदम्पक के परिणाम के कार्र में संघ लोक सेवा ग्रायोग से कोई सूचना न मिन्ने तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे ग्रायोग से तरकाल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीववार ने ऐसा नहीं किया तो वह ग्रपने मामने में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।
- 12. पिछली पांच परीक्षाओं के नियमों और प्रवन पत्नों से सम्बद्ध पुस्तिकाओं की प्रतियों की विकी प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स विख्ली-110006 के द्वारा होती हैं और उन्हें वहां से मेल प्रार्थर द्वारा सीधे ध्यथम नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उसे (i) किसाब महल, रिवोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया विख्या, 'सी' ब्लाक, बाबा खड़कसिंह मार्ग, नई विख्ली-110001 और (ii) प्रकाशन प्राच्चा, उक्षोग धवन, नई विख्ली-110001 और (iii) गवनंभेंट ग्राफ क्ष्मिया क्षा विशो,

3 कें ० एस० राय रोख, कलकत्ता-700001 में भी केवल नकद भुगतान करके खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफस्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

- 13. परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए उद्य लोक सेवा धायोग द्वारा कोई यात्रा मक्ता नहीं दिया जाएगा।
- 14. आवेदन पत्न से सम्बद्ध पत्न व्यवहार, आवेदन-पत्न से सम्बद्ध सभी पत्न-व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा प्रायोग, घौलपुर हाउस, नर्ष विल्ली-110001 से किया जाए तथा उसमें नीचे लिखा स्थौरा प्रनिवार्य रूप से दिया जाए।
  - (1) परीक्षा का माम
  - (2) परीका का महीना और वर्ष
  - (3) उम्भीवबार का रोल नम्बर भ्रष्टवा जम्म की तारील यदि रोल नम्बर सुचित नहीं किया गया है।
  - (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बढ़े ग्रक्षरों में)
  - (5) स्रावेदन पक्ष में वियागया बाक्ष का पता

ह्यान हैं:--(i) जिन पत्नों में यह बयौरा नहीं होगा, संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

विभोष व्यात:——(ii) यदि किसी उम्मीदवार से कोई पक्ष/प्रेषण परीक्षा हो चूकने के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम व भनुक्षमांक नहीं है इस पर स्थान न देने हुए कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

15. पते में परिवर्गन : -- उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर केनी चाहिए कि उसके अध्वेदन पत्न में उल्लिखित पत्त पर भेजे गए पत्न आबि, आवश्यक होने पर, उसकी बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी पकार का परिवर्तन होने पर आयोग की उसकी सूचना उप-मुक्त देरा 14 में उल्लिखित ब्योरे के साथ, यथाणीझ की जानी चाहिए आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पुरा प्रसन्त करना है किन्तु इस विषय में यह कोई जिम्मेदारी स्थीकार नहीं कर सकता।

### अनुबंध-II उम्मीदवारों को सुचनार्थ विवरणिका

#### (क) वस्तुपरक परीक्षण

माप जिस परीक्षा में बैंटने याणे हैं वह "बस्तुपरक परीक्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में भापको उत्तर लिखने नहीं होंग। प्रत्येक प्रश्न (जिसको भागे प्रश्नोण कहा जाएगा) के लिए कही सुकाए गए उत्तर (जिसको भागे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) विए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रश्नोण के लिए भापको एक उत्तर कुन नेना है।

इस विवरणिका का उहेश्य भापके ६स परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिसरों कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण भापको कोई हानि न हो ।

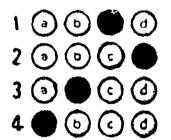
#### (ख) परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पक "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में अभ संख्या 1, 2, 3 आदि के अभ से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के तीचे ए, की, सी, की चिह्न के साथ सुक्षाए गए प्रस्कृतर सिखे होंगे। आपका काम एक सही या यदि भाषको एक से मिष्टिक प्रस्कृतर सही लगे हो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का बुनाव करना होगा। (भंत में विए गए नसूने के प्रश्नांश देख जें)। किसी भी स्थित में, प्रस्के प्रश्नांश के लिए भाषको एक सही प्रस्कृतर का बुनाव करना होगा। यदि भाष एक से श्रिष्ठक बुन केने हैं सो आपका प्रस्कृतर का बुनाव करना होगा। यदि भाष एक से श्रिष्ठक बुन केने हैं सो आपका प्रस्कृतर का बुनाव करना होगा।

#### (ग) उत्तर देने की विधि

परीक्षा भवन में भाषको भ्रलग एक उत्तर पक्षक (जिसकी एक नसूवा प्रति भ्रापको प्रवेश प्रमाण-पद्य के साथ भेजी जाएगी) विया जाएगा। भापको श्रपने २१युक्तर १स उत्तर पक्षक में लिखने होंगे। परीक्षण पुल्लिका में या उत्तर पश्चक को छोज़कर प्रम्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर नहीं जांचे जाएंगे।

उत्तर पक्षक में प्रश्नाशों की संख्याएं 1 से 160 तक चार खंडों में छाएं। गई है। प्रत्येक प्रश्नाश के सामने ए, थी, सी, थी चिह्न वाले कृताकार स्थान छपे होने हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नाश को पढ़ लेने घीर यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रस्कृत्तर सही या सर्वोत्तम है धापको उस प्रस्कृतर के धक्षर वाले बृत्त को पेंसिल से पूरी तरह काला बना कर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि (धापका उत्तर दक्षनि के लिए) निधे दिखाया गया है। उत्तर प्रक्षक के बृत्त को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नधीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि:--

- प्रथनांशों के उत्तरों के लिए केवल शक्की किरम की एव० थी० पेंसिल (पंसली) ही लाएं भीर उन्हीं का प्रदोग करें।
- 2. गलत निशान को बचलने के लिए उसे पूरा मिडाकर फिर से आही उत्तर पर निशान लगा थे। असके लिए प्राप प्रपत्ने साथ एक रहक भी लाएं।
- 3. उत्तर पक्षक का उपयोग करते समय कोई ऐकी झसाबधानी न हो जिससे यह फट जाए या उसमें भोड़ व सिलबट झादि पड़ जाए या बह खराब हो जाए।

#### (भ) कुछ महरवपूर्ण जिनियम

- प्रापको परीक्षा भारम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस सिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुचते ही भ्रपमा स्थान श्रहण करना होगा।
- 2. परीक्षण शुक्क क्षेत्रे कं 30 मिनट बाव किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- परीक्षा गुक्क होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की श्रमुमति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका भीर उत्तर पत्रक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप वें। ग्रापको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा सबन से बाहर जे जाने की धनुमति नहीं है। इस नियम का उस्कंबन करने पर कहा वंड विया जाएगा।
- 5. भ्रापको परीक्षा भवन में उत्तर पत्नक पर कुछ विवरण भरता होगा। भ्रापको उत्तर पत्रक पर कुछ विचरण कृटबद्ध भी करता होगा। इसके बारे में भ्रतृदेश भापके प्रवेश प्रमाण पत्न के नाथ भेज विए जाएंगे।
- 6. परीक्षण-पुस्तिका में विए गए सभी धनुवेश प्रापको सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुवेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पल्लक पर कोई प्रविष्टि संविष्ध है, तो उस प्रमाश के प्रत्युत्तर के लिए प्रापको कोई मम्बर न मिलेगा। पर्यविक्षक के अमुदेशों का पालन करें। जब पर्यविक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को धारम्भ या ममाप्त करने को कहें तो उनके अनुवेशों का तत्काल पालन करें।
- 7. प्राप प्रपता प्रवेश प्रमाण-पत्न साथ लाएं, प्रापको चपने साथ एक एव० बी० पैसिल, एक स्वड, एक पैमिल जार्पनर और मीली या काली स्याही बाली कलन भी तानी होगों। अमको सलाह बी जाती है कि याप प्रथने

साथ एक-एक किया बोर्ड या कार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ लिखा न हो । ग्रापको परीक्षा भवन में कौई खाली कागज या कागज का दुकड़ा या पैमाना या ग्रारेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिए श्रापको एक श्रलग कागज दिया जाएगा। ग्राप कच्चा काम या शुक करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, ग्रापना रोल नम्बर, भीर परीक्षण की तारीख लिखें भीर परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे श्रपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को बापम कर दें

#### (अ) विशेष प्रनुदेश

परीक्षा भवन में प्रथने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरोक्षक प्रापको उत्तर पक्षक देंगे। उत्तर पक्षक पर प्रथेक्षित सूचना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह प्रवस्य देखा में कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अन्यणा, उसे अदलवा में। प्रापको परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यंवेक्षक ऐसा करने के लिए न कहें।

#### (च) कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा णुद्धता, को आंजना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का यथासंभव दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्मों का उत्तर नहीं दे पाते हों सो जिता न करें। आपको जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़े उन पर समय अपर्यं न करें। बूसरे प्रश्नों की भोर बढ़े और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में बिचार करें।

सभी प्रश्नाशों के मंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर हैं। ग्रापके द्वारा मैंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के प्राघार पर ही श्रापको श्रंक विए आएंगे। गलत उत्तरों के लिए श्रंक नहीं कार्ट जाएंगे।

#### (छ) परीक्रमण का समापन

जैसे ही पर्यवेकक आपको लिखना बंद करने को कहें, ग्राप लिखना बंद कर वें। भ्राप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके पास भ्राकर भ्रापसे सभी आवश्यक वस्तुएं से आएं और भ्रापको हाल छोड़ने की भ्रनुमति वें। आपको परीक्षण-पुस्तिका भौर उत्तर पत्रक तथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ने जाने की भ्रनुमति नहीं है।

#### नमूने के प्रश्नांख (प्रश्न)

(नोट:--- सही/सर्वोतन उत्तर-विकल्प को निर्दिष्ट करता है)

#### 1. (मामान्य भ्रष्ट्ययम)

बहुत ऊंचाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त आण होता है ?

- (a) रक्त का दाब वायु मंग्रल के दाब से कम होता है।
- \*(b) रक्त का दाव दायुमंडल के दाव से मधिक होता है।
- (c) रक्त बाहिकामों की भग्यरूपी तथा बाहरी शिरामों पर वाब समान होता है।
- (d) रक्त का याव वायुमंडल के बाव के धनुरूप घटता बड़ता है।

#### 2. (কুৰি)

भ्रारहर में, फूलों का सद्दाना निम्नलिखिल में से किस एक उपाय से कम किया जा सकता है।

- \*(a) वृद्धि नियंत्रक द्वारा छिड्काव
- (b) दूर-दूर पौधे लगाना
- (c) सही ऋदु में पौधे लगाना
- (d) बोबे-बोबे फासले पर पौषे शंगाना ।

#### (रसायन विज्ञान)

H3VO4 का एनहाकुाइड निम्निसिकत में 'से क्या होता है?

- (a) VO<sub>3</sub>
- (b) VO<sub>4</sub>
- (c)  $V_2O_3$
- \*(d) V<sub>2</sub>O<sub>5</sub>

#### 4. धर्यशास्त्र

श्रम का एकाधिकारी शोषण निम्निलिखित में से किस स्थिति में होता है ?

- (a) सीमान्त राजस्व उपाद से मजदूरी कम हो ।
- (b) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्वाव न दोनों बरावर हों।
- (c) मजबूरी सीमान्त राजस्व उत्पाद से अधिक हो।
- (d) मजदूरी सीमान्त भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

#### (वैद्युस इंजीनियरी)

एक समक्ष रेखा धपेक्षिक परावैद्युतांक 9 के पैरावैद्युत्त से सम्पृरित किया गया है। यदि सी मुक्त धन्तराल में संघरण वेग दर्शाता है तो आहन में संघरण का वेग क्या होगा ?

- (a) 3C
- (b) C
- \*(c) C/3
- (d) C/9

#### (भ-विकान)

बेसाल्ट में ज्लेजिधोक्लेस क्या होता है ?

- (a) धालिगोमलेज
- \*(b) सैबोडोराइट
- (c) एस्वाइट
- (d) एनार्थाट

#### 7. (गणित)

मूल बिन्दु से गुजरने बाला भीर  $\frac{\mathrm{d}^2 y}{\mathrm{d} x^2} - \frac{\mathrm{d} y}{\mathrm{d} x} = \Phi$  समीकरण

को संगत रखने वाला वक-परिवार निम्नलिखित में से किस से निर्दिष्ट है ?

- (a) y = ax + b
- (b) y=ax
- (c)  $y=ae^x +be^{-x}$
- \*(d) y+ae\* -a

#### 8. (भौतिकी)

एक धावर्ष जन्मा इंजन 400° कें कि भीर 300° के कि तापक्रम के मह्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्निलिखित में से क्या होगी?

- (a) 3/4
- \*(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

#### 9. (सांक्यिकी)

यदि द्विपद विचार का माध्यम 5 है तो इसका प्रसरण निस्नसिखित में से क्या होगा ?

- (a)  $4^2$
- \*(b) 3
- (c) ∞
- (d) -5

#### 10 (भूगोल)

बर्मी के विकिणी भाग की भत्यधिक समृद्धि का कारण निस्नलिखित में से क्या है ?

- (a) यहां पर खनिज साधनों का विपुल भंबार है।
- \*(b) नर्मा की प्रधिकांश निवयों का बेस्टाई भाग है।
- (c) यहां श्रेष्ठ वन सम्पदा है।
- (d) देश के अधिकांश तेल क्षेत्र इसी भाग में हैं।

#### 11. (भारतीय इतिहास)

ब्राह्मणवाद के संबंध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं हैं?

- (a) बौद्धधर्म के उत्कर्ष काल में भी बाह्यणवाद के धनुयायियों की संख्या बहुत प्रधिक थी।
- (b) त्राह्मणवात सहुत प्रधिक कर्मकोड भीर झाडंबर से पूर्ण धर्म भा।
- \*(c) ब्राह्मणवात के अभ्युदय के साथ, बिल संबंधी यज्ञ कमें का महत्व कम हो गया।
  - (d) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न बशाझों को प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्धारित में।

#### 12, (वर्शन)

निम्नलिखितं में से निरीश्वरवादी दशन समृह कौन-सा है ?

- (a) बौज, न्याय, चार्वाक, मीमांसा
- (b) न्याय, वैशेषिक, जैन भौर बोद्ध, चार्यक
- (c) अरौत, वैदान, मांख्य, वार्वाक योग
- \*(d) बौद्ध, सांख्य, भीमांसा, चार्वाक

#### 13. (राजमीति विज्ञान)

'वृत्तिगत प्रतिनिधान' का अर्थ निम्नलिखित में से क्या है ?

- \*(a) व्यवसाय के प्राधार पर विधानमंडल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन ।
  - (b) किसी समूह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समयंन
  - (c) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाव ।
- (d) श्रमिक संघों द्वारा अप्रत्यका प्रतिनिधित्व।

#### 14. (मनोवि**मा**म्)

लक्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किस को निर्वेशित करती है ?

- (a) लक्ष्य संबंधी प्रावययकता में वृद्धि
- \*(b) भाषात्मक ग्रवस्था में म्यूनता
- (c) न्याबहारिक ग्रधिगम ।
- (d) पक्षपात पूर्ण मधिगम

#### 15. (समाजशास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थामों की निम्न में से कौन-सी है?

- \*(a) ग्राम सरकार में महिलाओं स्था कमजोर वर्गों को श्रीपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है।
  - (b) छुमाछूत कम हुई है।
  - (c) बंधिन वर्गों के लोगों की भूस्वामिख का लाभ मिला है।
- (d) जस साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिष्पणी:--- उम्मीदवारी की यह क्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नमूने के प्रथनोंग (प्रण्न) केवल उदाहरण के लिए दिए गए हैं भीर यह जरूरी नहीं कि ये इस परीक्षा की पाट्यचर्या के मनुसार हो।

#### SUPREME COURT OF INDIA

#### New Delhi, the 31st July 1981

No. F.6/81-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri A. S. V. Raghavan, Assistant Registrar to officiate as Deputy Registrar with effect from August 1, 1981 until further orders.

II. The Hon'ble the Chief Justice of India has permitted Shri Ved Prakash Sharma to continue to officiate as Assistant Registrar until further orders, vice Shri M. K. Rao, Assistant Registrar (Retired).

III. The Hon'ble the Chief Justice of India has also permitted Shri T. Bhattacharya to continue to officiate as Assistant Registrar with effect from August 1, 1981. until further orders against a newly created post of Assistant Registrar.

IV. The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri S. Ghosh, Section Officer to the post of Assistant Registrar with effect from August 1, 1981. until further orders vice Shri S. S. Srivastava, Officiating Assistant Registrar (on deputation).

V. The Hon'ble the Chief Justice of India has also permitted Shri Gulshan Rai Sharma to continue to officiate as Section Officer with effect from August 1, 1981, until further orders against a newly created post of Section Officer.

R. SUBBA RAO Registrar (Admn.)

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### New Delhi, the 17th July 1981

No. A.32015/1/80-Admn.II.—In continuation of this office Notification of even No. dated 24-4-81, the Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri R. D. Kshatriya, a permanent Research Assistant (R&S) and officiating Research Investigator in the office of Union Service Commission to officiate on ad-hac basis as Junior Research Officer in the Commission's office for a further period of 3 months w.e.f. 6-7-81, or until further orders, whichever is earlier vice Smt. Raj Kumari Anand. Junior Research Officer (R&S) on leave.

P. S. RANA Section Officer for Secv.

Union Public Service Commission

#### New Delhi-110011, the 29th June 1981

No. A-11016/11/76-Admn III — The President is pleased to appoint the following Section Officers of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the Office of Union Public Service Commission for the periods indicated against each or until further orders whichever is earlier:—

S. No. Name and Period

#### S/Shri

- 1. S. K. Arora-19-8-1981 until further orders.
- 2. I. J. Sharma-21-6-81 to 18-8-81.
- 2. On their appointment as Desk Officers, the above Officers shall draw special Pav @ Rs. 751- per month in terms of D.O.P.& A.R. O.M. No. 12/1/74-CS(I), dated 11-12-1975.

#### The 30th June 1981

No. A.31014/2/81-Admn.III:—The President is pleased to appoint the following Officers, officiating in the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the U.P.S.C. and included in the Select list of Section Officers' Grade in respect of the same cadre, substantively in the Section Officers' Grade of the service in the cadre of the U.P.S.C. with effect from the date specified against each:—

- S. No., Name, Date of Confirmation and Remarks
- S. D. Sharma—1-4-1980, Working as Desk Officer in UPSC.
- 2. P. D. Srivastava—1 12-1980, Working as Desk Officer in UPSC.

- K. Kochugovindan—1-2-1981, Working as Desk Officer in UPSC.
- 4. K. L. Katyal—19-2-1981, Working as Accounts Officer in UPSC.

No. A.32014/1/81-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate on ad-hoc basis as Section Officers in the same cadre for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier:

S. No., Name and Period for which promoted as Section Officer

#### S/Shri

- 1. R. P. Sharma-1-12-80 to 30-4-81.
- 2. S. D. S. Minhas-1-12-80 to 28-2-81.
- 3. J. L. Sud-1-12-80 to 30-4-81.
- 4. G. P. Bhatta-1-12-80 to 30-4-81.
- 5. O. P. Kathuria—1-12-80 to 30-4-81.
- 6. Rajinder Singh-1-12-80 to 30-4-81.
- 7. O. P. Kautia-1-12-80 to 30-4-81.
- 8. S. N. Pandit-1-12-80 to 30-4-81.
- 9. M. S. Asnani-1-12-80 to 30-4-81.
- 10. Krishan Lal I-1-12-80 to 30-4-81.
- 11. Remal Dass-1-12-80 to 30-4-81.
- 12. K. M. I. Yusuf-1-1-81 to 30-4-81.
- 12. K. W. 1. 14501—1-1-01 to 50-4-01.
- 13. Bisheswar Prasad—1-1-81 to 30-4-81.
- 14. G. K. Pillai-1-1-81 to 30-4-81.
- 15. H. S. Bedi-1-1-81 to 30-4-81.
- 16. M. K. Choudhury-1-1-81 to 30-4-81.
- 17. K. S. Palachandran-1-1-81 to 31-8-81.
- 18. Ravinder Monga-1-1-81 to 31-8-81.
- 19. Km. Saroj-1-1-81 to 31-8-81.
- 20. Shradha Nand—1-1-81 to 31-8-81.
- 21. L. N. Ganjoo-2-12-80 to 31-1-81.
- 22. Krishan Lal II-23-11-80 to 28-2-81.
- 23. N. P. S. Gujral—9-9-80 to 28-2-81. 24. P. S. Bhatnagar—15-9-80 to 31-8-81.
- 25. D. S. Pahwa—1-10-80 to 28-2-81.
- 26. Chhajju Ram (SC)—10-10-80 to 30-4-81.
- 27. N. P. S. Rawat-21-10-80 to 31-8-81.
- 28. Vijay Bhalla-3-11-80 to 31-8-81.
- 29. O. C. Nag-17-12-80 to 31-8-81.
- 30. S. P. Nayar-24-12-80 to 31-8-81.
- 31. P. P. Tiwari-17-2-81 to 31-3-81.
- 32. Mehar Singh—1-5-81 to 31-7-81.
- 33. C. L. Sharma-17-2-81 to 23-7-81.
- 34. Sudarshan Kumar-17-2-81 to 18-7-81.
- 35. V. P. Kapal-19-5-81 to 15-7-81.
- 36. M. M. Chopra—19-5-81 to 3-7-81. 37. R. K. Gaur—26-5-81 to 12-7-81.
- 38. K. G. Nair—26-5-81 to 2-7-81.

#### The 17th July 1981

No. A. 19014/1/81-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri K. J. Chacko, ITS, Divisional Engineer Telegraphs, M/W Survey Division, New Delhi-14 as under Secretary in the office of Union Public Service Commission, w.e.f. the forenoon of 13th July, 1981 until further orders.

Y. R. GANDHI

Under Secretary (Admn.)
Union Public Service Commission

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

#### DIRECTORATE GENERAL,

#### CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110022, the 6th July 1981

No. O. II-926/72-Estt.I.—The services of Shri Satinder Singh Dy. S. P., Directorate General, C.R.P. Force, are placed at the

disposal of Gevernment of Punjab, on deputation basis, w.e.f. the afternoon of 29-5-1981.

Pundhir, General Duty Officer Grade, II of 5th Bn C.R.P. Force with effect from the afternoon of 22nd June, 1981.

#### The 7th July 1981

No. F. 8/3/81-Estt(CRPF).—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. Yakash Kumar Singh

#### The 21st July 1981

No F. 2/15/81-Esit. (CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion the following Assistant Commandants as Commandants in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. Their postings and date of taking over charge as Commandants are indicated against each:-

Sl. No.	21,		Name of the 0		Name of the		Name of the Officer		Name of the Officer							From	То	Date of taking over charge as Commandant,
1, Sh	ri R. C. Puri .		•			. '	• .			Dte. Genl	27th Bn	23-3-1981						
2. "				•	•					2nd Bn	40th Bn	22-3-1981						
3. "						•				13th Bn	13th Bn	1-4-1981						
4. ,		•		•	•					4th Bn	8th Bn	24-3-1981						
5. ,,							-			37th Bn	21st Bn	21-3-1981						
6, ,,	Mohar Singh		-						•	58th Bn	62nd Bn	21-3-1981						
												(AN)						
7. "		•	•		•	•	•	•		GC GTY	GC GTY	21-3-1981						
8. ,,						•	٠			GC GTY	65th Bn	21-3-1981						
9. ,,	H. S. Sandbu	-	•					•	•	41st Bn	Ist Bn	20-4-1981						
												(AN)						
10. "	Ami Lal Yadav		•		•	i				27th Bn	9th Bn	21-3-1981						
11. ,,				•	•	•	•		-	22nd Bn	22nd Bn	21-3-1981						
12. ,,						•		•	•	Dte.	64th Bn	23-3-1981						
13. ,.		-		•		•	•	•	-	Dte.	68th Bn	23-3-1981						
14. ,,	B. R. Sharma	•		•	•	•	•	•	•	19th Bn	3rd Bn	12-4-1981						
15. , ,	M. P. Chitnis			•			•			8th Bn	52nd Bn	5-4-1981						
												(AN)						
16. ,,	G. S. Sidhu	٠	•	•	•	•	•	•	•	36th Bn	36th Bn	28-3-1981						
17. ,			•		•	•	•	•		30th Bn	34th Bn	30-3-1981						
18. ,,	R. B. Pathak		•	•	•	•	•	•		GC BBSR	18th Bn	21-3-1981						
												(AN)						
19. ,	S. R. Yadav	•	•	•	-	•	•	•	•	18th Bn	46th Bn	25-3-1981						
												(AN)						
20. ,	R. K. Singh	•	•		•	•	•	٠	•	14th Bn	10th Bn	10-4-1981						
	_											(AN)						
21. ,	K. D. S. Dullat	•	•	•	•	•	•	-	•	• -	29th Bn	14-4-1981						
22. ,.	J. B. S. Bains	•	•		•	•	•	•	•	53rđ Bn	25th Bn	20-4-1981						
•	A N.C. Pensanal									Dte.	40.4	(AN)						
23. ,,	Tall - a - Climate		•	•	•	•	•	•	•		49th Bn	23-5-1981						
24	C A Melahan	•	•	•	•	•	•	•	•	2nd Bn	60th Bn	11-5-1981						
25. ,	S. A. Mishra	•	•	•	•	•	•	•	-	GC MKG	30th Bn	3-6-1981						

#### The 27th July 1981

No. O.II-33/76-Fstt(CRPF).—Consequent on his repatriation to parent state i.e. Karnataka, Shri N. S. Vasudevan, I.P.S. relinquished charge of the post of DIGP, CRPF Madras on the after-noon of 11-7-81.

No. O.II-1464/80-Estt.—The Director General, C.R.P. Force is pleased to appoint Dr. K. Gnanasekharan as General Duty Officer Grade. II in the C.R.P. Force on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 9-7-1981, for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1590/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. C. R. Singh Chouchan as General Duty, Officer Grade-II (Dy. I. P./Cov. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 18th July, 1981 subject to his being medically fit.

#### The 28th July 1981

No. O.II.-1089/73-Estt.I.—The President is pleased to allow Shri & Manzoor Uddin, Dy. S. P. in the CRPF to retire voluntarily from service under the scheme of voluntary retirement for central Govt. employees contained in the MHA (DP&AR) O. M. No. 25013/7/77/Estt(A) dated 26-8-77.

2. Shri Manzoor Uddin relinquished charge of the post of Oy. S. P. Group Centre, (Gandhinagar), CRPF on 6-3-81

A. K. SURI Asstt. Director (Estt)

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi, the 27th July 1981

No. E-16014(1)/6/74-PERS.—On his repatriation to State Cadre Shri A. T. Thiruvengadam, IPS (MT: 69) relinquished the charge of the post of AIG (SZ), CISF, Madras with effect from the forenoon of 22nd June, 1981.

No. E-32015(1)/3/78-PERS.—On expiry of term of his re-employment on which date he also attained the age of 58 years, Shri V. Krishnappa relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, V.P.T. Visakhapatnam with effect from the forenoon of 6th June, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On his promotion, Shri B. N. Bhardwaj assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, BCCL, Jharla with effect from the forenoon of 20th June, 1981.

#### The 28th July 1981

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On his promotion, Shri R. C. SAMANTRAY assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, D.S.P. Durgapur with effect from the forenoon of 6th July 1981.

SURENDRA NATH, Director General

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

#### New Delhi, the 31st July 1981

No. 11/10/78-Ad.I.—On his repatriation to the Government of Manipur vide this office order of even number dated 22-6-1981, Shri L. Peshot Singh, an officer belonging to the Manipur Civil Service, relinquished charge of the office of the Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Manipur, Imphal, with a first form the formation of the lot July 1981. with effect from the forenoon of the 1st July, 1981.

No. 10/15/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint, on deputation. Shri N. Rama Rao, Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations. Tamil Nadu, Madras, as Assistant Registrar General (Census and Tabulation) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, on a purely temporary and ad-hoc basis, with effect from the forenoon of the 13th July, 1981 for a period not exceeding one year or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Rama Rao will be at New Delbi,

No. 11/30/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion Shri K. S. Lyngdoh, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Meghalaya, Shillong, of the Director of Census Operations, Megnatiya, Similorg, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and ad-hor basis, with effect from the forenoon of the 3rd July, 1981 for a period not exceeding one year or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

- 2. The headquarters of Shri Lyngdoh will be at Shillong.
- 3. The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon the officer concerned any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations, (Technical). The services rendered by him on ad-hoc basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical) nor for eligibility for promotion to the next-higher grade. The above mentioned ad-hoc appointment may be reversed

at any time at the discretion of the Appointing Authority without assigning any reason therefor.

#### The 1st August 1981

No. 10/4/80-Ad.I.—The President is pleased to extend the period of ad-hoc appointment of the under-mentioned Console Operators in the Office of the Registrar General, India, New Delhi as Assistant Director (Programme) in the same office upto December 31, 1981 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter, on the existing terms and conditions:

S. No.	Name	Headquarters	No. and date of previous Notification
1. Shri	R. L. Puri .	New Delhi	RG's Notification No. 6/1/74-RG (Ad. I) dated 20-9-1980
2. Shri	A. P. Gupta	Do.	RG's Notification No. 10/4/80-Ad. I dated 15-5-1980.
3. Shri	Satya Prakash	Do.	Do.
		Reg	P. PADMANABHA, istrar General, India

#### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT COMMERCE WORKS & MISC

New Delhi, the 30th July 1981

No. Admn I/8(27)/II/974.—The Comptroller and Auditor General of India, has with the concurrence of the Ministry of Finance, sanctioned the permanent absorption of Shri N. K. Verma, Audit Officer in the Bharat Heavy Electricals Limited with effect from 1-12-1978. He is deemed to have retired from Govt. service w.e.f. the date of his absorption in the B.H.E.L. as per Rule 37 of the CCS (Pension) Rules, 1972.

M. S. SHARNA, Director of Audit.

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL RAJASTHAN

#### Jaipur, the 25th July 1981

No. Admn.II/804.—The Accountant General is pleased to promote Shri Ramji Lal Khandelwal, Selection Grade Section Officer of this office and appoint him as officiating Accounts Officer with effect from 18-7-81 (FN) until further orders.

Sd, ILLEGIBLE SR. DY. ACCOUNTANT GENERAL (Admn.)

#### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT POSTS & TELEGRAPHS

#### Delhi-110054, the 30th July 1981

O.O. No. Admn. III-176 23(A) (L) Notifications.—The Director of Audit Posts and Telegraphs has been pleased to promote and appoint the following Section Officers as officiat-

ing Audit Officers and to post them in the P&T Audit Offices indicated against each until further orders. Their promotions are on ad-hoc basis and are subject to revision.

Sl. Name No.						to	P&T Br. A.O. which belong as S.O.	P&T Br. A. O. to which posted	Date of promotion as A.O.
1	1 2				 		3	4	5
	S/Shrl				 				
1.	Prabhakar Moroney .						Nagpur	Bombay	30-3-81 (F.N.)
2.	Priti Kumar Chatterjee		,				S.W.T.C. Cal.	Cuttack	30-4-81 (F.N.)
3.	Varindar Singh Sikand						Kapurthala	Lucknow	8-5-81 (F.N.)
4.	P. R. R. Govindarajule						Hyderabad	Ahmedabad	13-5-81 (F.N.)
5.	Shib Chandra Roy "						S.W.T.C. Cal.	Patna	21-5-81 (F.N.)
6,	Ramesh Chandra Roy						S.W.T.C. Cal.	Lucknow	28-5-81 (F.N.)
7.	Prasanta Kumar Das Gupta						S.W.T.C. Cal.	Lucknow	28-5-81 (F.N.)

T. K. SANYAL Dy. Director of Audit (HQ)

# OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, SOUTHERN RAILWAY

Madras, the 1st August 1981

No. AIPC/SR/477.—Sri S. Raghunathan II, a permanent member of the SRAS cadre, in the Office of the Director of Audit/Southern Railway/Madras is promoted by the Director of Audit to officiate as Audit Officer in the scale Rs. 840-1200 with effect from 22-4-81 until further orders.

Promotion made in this case is purely on an ad-hoc basis and shall be subject to the final orders of the Supreme Court.

C. S MENON Director of Audit.

# MINISTRY OF DEFFNCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD
Calcutta-16, the 30th July 1981

No. 28/G/81.—The president is pleased to accept the Resignation of Shri S. S. R. Zaidi, Offg. Deputy Manager (Permt. Asstt. Manager) with effect from 30-6-81 (AN).

V. K. MFHTA,

Assistant Director General, Ordnance Factories.

## MINISTRY OF COMMERCE (DEPARTMENT OF TEXTILES)

#### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSION

Bombay-20, the 21st July 1981

No. EST.I-37(9)/2328.—The President is pleased to appoint with effect from the 9th June, 1981, and until further orders, Shri K. V. Natarajan, an ad-hoc Deputy Director (Non-Technical) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, as a regular Deputy Director (Non-Technical) in the same office.

No. EST.I.37(9)/2335.—The President is pleased to appoint with effect from the 9th June, 1981, and until further orders, Shri C. R. Neelakhantan. an ad-hoc Deputy Director (Non-Technical) in the Office of the Textile Commissioner, Bombav as a regular Deputy Director (Non-Technical) in the same office.

R. K TAKKAR Textile Commissioner

#### Bombay-20, the 16th July 1981

No. EST.I-37(3)/2278-83.—The Textile Commissioner is pleased to appoint with effect from the 6th June, 1981, and until further orders, Shri K. H. Bhatia, a regular Superintendent and ad-hoc Assistant Director, Grade II (Non-Technical) in the Office of the Textile Commissioner as regular Assistant Director, Grade II (Non-Technical) in the same office.

T. RAMACHANDRA PAO Joint Textule Commissioner

#### MINISTRY OF INDUSTRY

# (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSION SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 29th July 1981

No. 12(632)/69-Admn.(G).—Consequent upon his deputation on foreign assignment (Short-term) as Consultant in Sierra Leon under U.N.D.P. Shri O. C. Richards, relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. II) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi on the afternoon of 4th May, 1981.

2. On return from foreign assignment under U.N.D.P., Shri O. C. Richards, assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. 113 in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi, on the forenoon of 22nd June. 1981.

C. C. ROY, Deputy Director (Admn.)

#### MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES

## DIRECTORATE OF VANASPATI, VEGETABLE OILS & FATS

New Delhi-110019, the 28th July 1981

No. PF/31/81-Estt.—Shri K. G. Rao, presently working as Inspector (Vanaspati) on ad hoc basis, is hereby appointed as Inspector (Vanaspati) in the Directorate of Vanaspati, Vegetable Oils & Fats, Ministry of Civil Supplies in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on temporary basis with effect from the forenoon of 20th April, 1981 until further orders.

P. S. CHEEMA, Chief Director

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMN. SECTION-6)

New Delhi-110001, the 4th July 1981

No. A-6/247(361).—Shri S. P. Gupta, a permanent Assistant Inspecting Officer (Engineering) in the office of Director of Inspection, Calcutta has been compulsorily retired from Government Service with effect from the afternoon of 4th May, 1981.

IThis supersedes DGS&D Notification No. A-6/247(361), dated 17-7-1981].

P. D. SETH
Deputy Director (Administration)
For Director General of Supplies and Disposals

### ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 28th July 1981

No. 4303B/A-19012(1-KSR)/80-19A.—Shri Kamal Singh Raghav is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 2nd June, 1981, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY Director General

#### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 31st July 1981

No. A-19011(270)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shrl Hari Singh Sheoran to the post of Assistant Controller of Mines in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16-9-80.

S. V. ALI, Head of Office Indian Bureau of Mines

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 23rd July 1981

No. 15/182/62-SIII(Pt).—On attaining the age of superannuation Shri Gulam Mohiuddin, Asstt. Engineer, Doordarshan Kendra, Srinagar has retired from Service w.e.f. the afternoon of 31st May, 1981.

> H. N. BISWAS Dy. Director of Admnfor Director General

# DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES (DRUGS SECTION)

New Delhi, the 14th July 1981

No. A.12025/8/80-D.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. R. Rama Krishna to the post of Technical Officer in the office of Asstt. Drugs Controller (India). New Customs House, Bombay on a purely temporary basis with effect from the 6th May, 1981 (F.N.) and until further orders.

S. S. GOTHOSKAR
Drugs Controller (India)
for Director General of Health Services

#### New Delhi, the 27th July 1981

No. A.32014/5/81(AIIPMR) / Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. M. A. Chaukar to the post of Chief, Vocational Guidance Department, All India Institute of Physical Medicine & Rehabilitation, Bombay, in a substantive capacity with effect from the 18th April, 1980.

#### The 28th July 1981

No. A.12025/2/80-Admn.I.—The President is pleased to accept the resignation of Shri Arunava Mazumder, Assistant Professor of Santary Engineering (Design) at the All India Institute of Hyg. & Public Heatth, Calcutta with effect from the 11th June, 1981 (atternoon).

No. A.12026/33/80-Admn.l.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. N. Srivastava to the post of Senior Physiotherapist at Saidarjang Hospital. New Delhi in a temporary capacity with effect from the foremon of 30th May, 1981 and until further orders.

#### The 1st August 1981

No. A.12025/25/80(NMEP)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. F. U. Khan to the post of Assistant Director (Entomology) in the National Malaria Eradication Programme in a temporary capacity with effect from 19th June, 1981 (Forenoon) and until further orders.

T. C. JAIN Dy. Director Admn. (O&M)

#### New Delhi, the 28th July 1981

No. A.19018/3/81/CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. V. Prabhakaran Chettiar officiating on ad hoc basis to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the 10renoon of 31-1-1981.

T. S. RAO Dy. Director Admn. (CGHS)

# MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 28th July 1981

No. A.19025/121/78-A.III.—Shri Durga Prasad, Assistant Marketing Officer (under suspension) has been dismissed

from service in accordance with the C.C.S. (Classification, Control and Appeal) Rules 1965 with effect from 4-7-1981 (F.N.).

#### The 29th July 1981

No. A.39013/1/79-A.III.—The resignation tendered by Shri C. B. Singh from the post of Assistant Marketing Officer in this Directorate has been accepted with effect from 6-10-1980 (A.N.).

#### The 1st August 1981

No. A.19023/8/81-A.III.—On return from Deputation with STC., Shri A. Raghava Rao, Assistant Marketing Olincer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) under this Directorate at Turupur with effect from 6-7-81 (F.N.) on purely short-term basis for a period of 3 months or bit the post is fined on regular basis, whichever is earlier.

B. L. MANIHAR, Director of Admn. for Agricultural Marketing Adviser

### BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL, DIVISION

Bombay-400085, the 24th July 1981

No. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri J. V. Naik, Assistant, to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650-960) in this research centre on an ad hoc basis for the period from 8-6-1981 to 18-/-1981 (AN).

A. SANTHAKUMARA MENON

Dy. Establishment Other

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES MADRAS REGIONAL PURCHASE UNITS

Madras-600006, the 17th July 1981

No. MRPU/200(9)/81-Adm.—In continuation of this Office Notification of even No. dated 4-5-1981, the official ing appointment of Shri N. Rajagopatan, a Permanent Purchase Assistant as Assistant Purchase Officer on ad hoc basis has been extended upto May 30, 1981 attention.

No. MRPU/200(15)/81-Adm.—The Director, Directorate of Purchase and Stores appoints Shii V. Sripatha Rao, a Permanent Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-40-35-510-E5-35-860-40-1000-E5-40-1200 on an ad hoe basis in the Madras Atomic Power Project Stores of the same Directorate with effect from May 18, 1981 to June 20, 1981 (AN).

No. MKPU/200(27)/81-Adm.—The Director, Directorate of Futchase & Stores, appoints Shit C. N. Gophian, a temporary Futchase Assistant to officiate as Assistant Futchase Onice in the scale of pay of Rs. 050-50-740-50-510-ED-55-80-40-100-ED-40-1200 on an ad noc basis in the Madias Regional Futchase Onic of the same Directorate, with effect from May 14, 1961 to June 15, 1961 Attention.

No. MRPU/200(108)/81-Adm.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, appoints Shri S. Kumaraswamy, a permanent storekeeper to ometate as Assistant Stores Officer, in the scale of pay of Rs. 650-30-/40-35-810-EB-35-860-40-1000-EB-40-1200 on an ad hoc basis in the Heavy Water Plant Stores, Tuncorm of the same Directorate with effect from December 23, 1980 to January 21, 1981 A.N.

No. MRPU/200(144)/81-Adm.—The Director, Directorate of Purchase & Stores appoints Shri N. S. Pillai, a permanent Purchase Assistant to olliciate as Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an adhoc basis in the Madras Regional Purchase Unit of the same Directorate with effect from May 11, 1981 to June 12, 1981 afternoon.

Senior Purchase Officer

#### Bombay 400001, 21st July 1981

No. DPS/23/5/80-Est/15163.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri B. S. Sharma, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate for the period from May 5, 1981 (FN) to June 9, 1981 (AN) vice Shri P. V. Prabhakaran. Assistant Stores Officer granted leave Prabhakaran, Assistant Stores Officer granted leave.

> K. P. JOSEPH Administrative Officer

#### NUCLEAR FUEL COMPLEX

#### ORDER

Hyderabad-500762, the 19th/24th June 1981

No. Ref. NFC/PA./V/2606/1180/134.—WHEREAS Shri N. K. Sood, Scientific Assistant 'C', ZFP, NFC remained absent from duty unauthorisedly from 5-5-80 to 25-5-80 disregarding the oral instructions and subsequent telegram issued to him on 4-5-80;

AND WHEREAS the said Shri Sood remained absent from duty unauthorisedly from 29-5-80 onwards;

AND WHEREAS by his aforesaid action the said Shri Sood committed an act of misconduct in contravention to Rule 3(1)(ii) and 3(1)(iii) of CCS (Conduct) Rules. 1964;

AND WHEREAS the said Shri Sood was informed of the charge and action proposed to be taken against him vide memorandum No. NFC/PA.V/2606/1180/1573 dated 1-8-80:

AND WHEREAS the said Shrl Sood received the charge sheet dated 1-8-80 and submitted a written statement of his defence dt. 14-8-80 wherein he did not specifically admit or deny the article of charge;

AND WHEREAS the undersigned considered that an inquiry should be held to inquire into the charge framed against the said Shrl Sood;

AND WHEREAS the Inquiry Officer was appointed on 20-11-80 vide order No. NFC/PA.V/2606/1180/3299 dated 20-11-80;

AND WHEREAS the Inquiry Officer submitted the inquiry report dated 21-5-81 stating that the inquiry was concluded as the said Shri Sood admitted the charge;

AND WHEREAS the undersigned on the basis of records of the case and after carefully going through the inquiry report dated 21-5-81 (copy enclosed) holds the charge as proved and his come to the conclusion that the penalty of removal from service should be imposed on the said Shri N. K. Sood:

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under clause (b) to sub-rule (2) of Rule 12 of Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965 read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm.H dated 7-7-79, hereby remove the said Shri N. K. Sood from service with immediate effect.

> Sd. 19-6-81 N. KONDAL RAO Chief Executive

Encl.: 1

Hyderabad-500 762

Shri N. K. Sood-Thro' Manager, ZFP Shri N. K. Sood Shri N. K. Sood A-7/16, DAE Housing Colony,

S/o Kasturilal Sood 6, Ramnagar, Sonepat

cc: 1. Manager, Finance

2, APO-II (P.F. Copy)

3. APO-I

4. Manager, ZFP

5. DCSO, NFC

6. DCE (F

#### Hyderabad-500762, 29th June 1981 ORDER

No. Ref.NFC/PA.V/2606/2120/1267.—WHEREAS Shri Ch. Laxman Swamy, 1/A, CFFP, NFC has been remain-ing absent from duty without permission from 6-2-80 on-

AND WHEREAS the said Shri Laxman Swamy by his aforesaid action committed an act of misconduct in terms of para 39(5) of NFC Standing Order;

AND WHEREAS the said Shri Laxman Swamy was informed of the charge and action proposed to be taken against him, vide memorandum No. NFC/PA.V/2606/2120/1308 dated 5-7-80;

AND WHEREAS the said Shri Laxman Swamy received the charge sheet dated 5-7-80 on 12-7-80 but did not submit a written statement of his defence;

AND WHEREAS the said Shri Laxman Swamy was issued with a letter dated 15-9-80 giving him an opportunity of submitting his representation on or before 30-9-80;

AND WHEREAS the said Shri Laxman Swamy received the letter dated 15-9-80 on 24-9-80 but did not submit a written statement of his detence in spite of the opportunity given to him:

AND WHEREAS the undersigned considered that an Inquiry Officer should be appointed to inquire into the charge framed against the said Shri Laxman Swamy;

AND WHEREAS an Inquiry Officer was appointed on 5-1-81 vide order No. NFC/PA.V/2606/2120/88 dated 5-1-81.

appointing AND WHEREAS the orders dated 5-1-81 Inquiry Officer sent to the said Shri Laxman Swamy were returned undelivered by postal authorities with the remark 'Addressee left seven days over returned to sender''.

AND WHEREAS the Inquiry Officer in the proceedings dated 16-1-81 mentioned that the communications sent by him to the said Snri Laxman Swamy were returned undelivered and the inquiry proceedings were held ex-parte;

AND WHEREAS the undersigned after carefully going through the records of the case including the inquiry report dated 16-1-81, came to the provisional conclusion that the penalty of removal from service should be imposed on the said Shri Laxman Swamy;

AND WHEREAS the said Shri Laxman Swamy was informed of the provisional conclusion as aforesaid, vide me-morandum No. NFC/PA.V/2606/2120/1059 dated 22-5-81 and was given an opportunity of making his representation on the penalty proposed within 10 days from the date of receipt of the memorandum dated 22.5.81;

AND WHEREAS the memorandum dated 22-5-81 sent by Registered post A. D. to the residential address at house No. 1-9-295/13/A/2, Vidyanagar, Hyderabad-500 044 was returned undelivered by postal authorities with the remark 'party left";

AND WHEREAS the memorandum dated 22-5-81 sent by registered post A.D. to his permanent address viz. Ch. Laxman Swamy, S/o. Kotaiah, Varni PO. Nizamabad Dt. A. P., was also returned undelivered by the authorities with the remark "seven days over returned to sender";

AND WHEREAS the said Shri Laxman Swamy continued to remain absent from duty unauthorisedly from 6-2-80, onwards without keeping NFC informed of his whereabouts and voluntarily abandoning his service;

AND WHEREAS the undersigned on the basis of the records of the case including the inquiry report dated 16-1-81 (copy enclosed) holds the charge as proved and has come to the final conclusion that the penalty of removal from service should be imposed on the said Shri Ch. Laxman Swamy;

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 43 of NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm.II dated 7-7-79 hereby removes the said Shri Ch. Laxman Swamy from service with immediate effect.

N. KONDAL RAO Chief Executive

Encl.: I Shri Ch. Laxman Swamy

H. No. 1-9-295/13/A/2 Vidyanagar, Hyderabad-500044 Sh. Ch. Laxman Swamy S/o Shri Kotaiah Varni P.O. Nizumabad Dt. A.P.

cc: 1. Manager Finance 2. APO-II (P.F. Copy)

3. APO-I

M. nager, NUP
 DCSO, NFC

6. DCE (F)

#### (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 3rd August 1981

No. AMD-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Ashok Kumar Padhi as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of July 9, 1981 until further orders.

No. AMD-1/6/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. A. Gorikhan as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of May 16, 1981 until further orders.

No. AMD-2/3004/80-Adm.—The resignation tendered by Shri A. K. Pani, from the temporary post of Scientific Officer/SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division, with effect from June 30, 1981 (A.N.).

M. S. RAO Sr. Administrative & Accounts Officer

## MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 31st July 1981

No. E(1)05907.—Shri M. Kalyan, Assistant Meteorologist, Regional Meteorological Centre, Madras, India Meteorological Department, expired on 18th July, 1981.

K. MUKHERJEE Meteorologist (Establishment) for Director General of Meteorology,

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 16th July 1981

No. A-35018/16/80-E.I.—The President is pleased to place the services of Shri S. K. Das, Director of Communication, Aeronautical Communication Station, Calcutta, at the dispostal of International Civil Aviation Organisation under Technical Assistance Programme for appointment as Aviation Electronics Instructor at Doha, quatar, with effect from 21st May 1981 (AN) on foreign service deputation basis.

S. GUPTA
Deputy Director of Administration,
for Director General of Civil Aviation.

#### New Delhi, the 27th July 1981

No. A.39012/3/81-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri K. Venu, Technical Officer in the office of the Director, Radio Construction & Development Units, New Delhi from Govt. Service w.e.f. 30-5-81(AN).

#### The 28th July 1981

No. A.32013/5/80-EC.—The President is pleased to appoint the following two Assistant Directors of Communication, DGCA(HQ) to the grade of Dy. Director/Controller of Communication on ad-hoc basis for a period of six

months with effect from the date indicated against each and to post them to the station indicated against each:

S. Name No.	Station to which posted	Date of taking over charge
1. Shri D. C. Mehta.	. Radio Construcion & Development Units, New Delhi	2-7-81 (AN)
2. Shri P. Seth .	. DGCA (HQ)	22-6-81 (FN)

PREM CHAND

Asstt. Director of Administration for Director General of Civil Aviation

#### New Delhi, the 28th July 1981

No. A.32013/11/79-EC.—The President is pleased to appoint Shri D. K. Sharma, Tech. Officer, in the office of the Regional Director Safdarjung Airport, New Delhi. to the grade of Senior Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months with effect from 15-6-81 (FN) and to post him in the office of the Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi.

No. A.38013/1/81-EC.—The undermentioned two officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their officer on retirement on attaining the age of superannuation on 31-6-81(AN) at stations indicated against each:—

- S. No., Name, Designation and Station of Posting
- Shri C.G. Menockie, Asstt. Comm. Officer—Aero, Comm. Stn, Bombay.
  - Shri Simon, D. Silva, Asstt. Comm. Officer—Aero. Comm. Stn. Hyderabad.

#### The 30th July 1981

No. A.39012/2/81-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri S. K. Gaur, Communication Officer, Aero. Comm. Stn., Bombay from Govt. service with effect from 4-7-81(AN).

#### The 31st July 1981

No. A.38013/1/81-EC.—Shri N. A. Joseph, Assistant Communication Officer in the office of the Director of Communication, Aeronautcal Communication Station, Madras Airport, Madras relinquished charge of his office on 30-6-81 (AN) on retirement on attaining the age of superannuation.

PREM CHAND Assistant Director of Administration.

#### OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 22nd July 1981

No. 12/1/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints the following Officiating Deputy Traffic Manager as Deputy Traffic Managers, in a substantive capacity, with effect from the date shown against each under column No. 3:—

S. Name No.	,			[ ] 2"	Date from which appointed as Deputy Traffic Manager in a substantive capacity
(1) Shri D. S. Pends	e			•	2-1-78
(2) Shri D. B. Pathar	re				3-1-78
(3) Shri N. K. Das					1-8-78
(4) Shri Balkrishna S	uri				1-1-79
(5) Shri J. M. D' Silv	٧a		-		1-8-80

H. L. MALHOTRA Dy. Director (Admn.) for Director General

#### FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 3rd August 1981

No. 16/367/81-Ests-I.—The President, FRI & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Shiv Dhari Sonkar as Research Officer under the Forest Soil Laboratories, Forest Soils-cum-Vegetation Survey at its regional Centre, Jabalpur, w.e.f. the forenoon of 10th July, 1981, until further orders.

O. N. KAUL Registrar Forest Research Institute & Colleges

### COLLECTORATE OF CUSTOMS & CENTRAL EXCISE CUSTOMS/ESTABLISHMENT

Madras-1, the 20th June 1981

No. 5/81.—Shri A. JAYACHANDRAN, a Union Public Scrvice Commission candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (Non-Expert) in this Custom House with effect from 19-6-81 fore-noon in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

The 17th July 1981

No. 10/81.—Shri T. RAJENDRAN, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Director Recruit Appraiser Non-Expert) in this Custom House with effect from 6-7-81 A.N. in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

A. C. SALDANHA Collector of Customs

#### Bombay-1, the 29th July 1981

No. St-2/80-81—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (1) of Rule 232-A of the Central Excise Rules, 1944 the names and addresses, and other particulars specified in Sub-rule (2) of the persons who have been convicted by the Court under Section 9 of the Cental Excises and Salt Act, 1944, and persons on whom a penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an officer referred to in Section 33 of the Act are published as follows:—

#### I—COURT CASES

	•					
SI. No.	Name of the perso	ons Addres	s. 7	The provisions of the Act contravened.	The amoun	t of penalty imposed.
1	,	2	3		4	5
		•		-NIL-		
			IIDEPART	MENTAL ADJUDICA	ATIONS	
S. / No.	Name of the persons	Address.	Provisions of the Act or Rules made thereunder contravened	Amount of penalty imposed.	Value of excisable goods adjudged by an officer under Section 33 to be confiscated.	Amount of fine in lieu of confiscation under Section 34 of the Act.
1	2	3	4	5	6	7
	1/s. Ashish Gums ndia)	dia) Industrial Estate,		Rs. 19,000/- under Rule 173Q and Rule	Rs. 17200/- Rs. 9100/-	Sized goods released on payment of duty.
		Manakan caves Road, Andheri (East) Bombay- 400 093.	Act read with Rule 174, Rule 173 G (i) R/W Rule 9(i), Rule 173G(2) R/W Rule 52A, Rule 173G(4) R/W Rule 53 & 226 of C. Ex. Rule 1944.	9(2) of the C.Ex. Rules, 1944.	Rs. 26300/- (goods fail under T.I. 68) (goods allowed to be cleared on payment of duty)	_

K.S. DILIPSINHJI Collector of Central Excise.

Bombay-I

#### Nagpur, the 29th July 1981

No. 9/81.—Shri V H. Ghodkhande, Superintendent, Central Excise, Group 'B', Range Wardha of this Collectorate having attained age of superannuation has retired from Govt. service in the afternoon of the 30th June, 1981.

K. SANKARARAMAN Collector

#### CENTRAL WATER COMMISSION New Delhi, the 23rd July 1981

No. A.19012/1(3)/81-Estt.I.—Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri M. L. Malla a permanent

scnior Professional Assistant (Stat), CWC to officiate in the grade of Extra Assistant Director (Stat) on purely temporay and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of 6 moths w.e.f. 23-6-81 (F.N.) or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

K. L. BHANDULA Under Secy.

#### CENTRAL WATER AND POWER RESEARCH STATION Pune-411024, the 29th July 1981

No. 602/19/81-Adm.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B)(Gazetted), the Director, Central Water & Power Research Station, Pune, hereby appoints Shri N. G. Daspurkayastha to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry) in the Cent-

rel Water and Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a regular basis, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 29th July, 1981.

Shri, N. G. Dasrurkyaastha will be on probation in the cadre of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry). Central Water & Power Research Station, Pune, for a period of two years with effect from the forenoon of 29th July, 1981.

#### The 31st July 1981

No. 602/8/81-Adm.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B) (Gazetted), the Director, Central Water and Power Research Station, Pune, hereby appoints the following officers to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Mathematics) in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a regular basis in an officiating capacity with effect from the forenoon of 31st July, 1981.

Shri B. C. Sekhara Rao.
 Shri K. G. K. Murthy.

Presently working as ARO (Maths) on ad-hoc basis.

The above officers will be on probation in the cadre of Assistant Research Officer (Scientific-Mathematics) for a period of two years with effect from the forenoon of 31-7-1981.

M. R. GIDWANI Administrative Officer for Director.

# CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY New Delhi-110022, the 24th July 1981

No. 22/1/81-Adm.I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints the following Officials, be-

longing to the grades mentioned against each, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service, with effect from the dates indicated against each, in the Central Electricity Authority, in an officiating capacity, until further orders:—Name Grade to which—Date of taking.

#### S/Shri

- 1. Subash Sethi, Technical Assistant-26-6-81 (FN)
- 2. M. S. Kaushika, Technical Assistant-26-6-81 (FN)
- 3. S. A. Khan, Technical Assistant-13-7-81 (FN)
- 4. S. K. Aggarwal. Superviser-22-6-81 (FN)

B. M. LALL Under Secy.

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

#### Banglore, the 30th July 1981

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Bangalore Cinematographic Industries Private Ltd.

No. 2522/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Bangalore Cinematographic Industries Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI Registrar of Companies Karnataka, Bangalore

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13th July 1981

Ref. No. IAC/CA5/SR.Haveli/Nov.'80/522/81-82.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 1, Hissa No. 3A1 situated at Hadasar, Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Haveli on 29-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri D. B. Harphale, 2. Shri B. F. Harphale,

At Fursungi, Tal. Haveli, Dist. Pune.

(Transferor)

(2) Utkarshnagar Co-op. Housing Society Ltd., S. No. 1, Hissa No. 3A1, Hadapsar, Punc-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 1, Hissa No. 3A1, at Hadapsar, Dist. Pune. Area 14375 sq. mts.

(Property as described in the sale-deed registered under document No. 4486, dated 29-11-1980 in the office of the Sub-Registrar, Haveli, Dist. Pune.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
POONA.

Date: 13-7-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE,

#### BHOPAL M.P.

Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPJ.—Whereas, I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Factory situated at Kannod, Distt. Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kannod on 4-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair mraket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the follow-persons, namely:—
18—206GI/81

 Seth Swaroopchand Hukamchand and Omkarji Kasturchand, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Gopalji and MahendrakumarS/o Kapoorchandji,R/o Biyani, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Ginning Factory situated at Kannod.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date: 23-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. IAC/ACA/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mucl. H. No. 22/3 situated at South Tukogani, Street No. 1, Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 1-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cusht to be disclosed by the transferre for the nurroses of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Haji Gulam Nabi, S/o Abdul Gafar Bakshi.
  - Mohammad Yusuf S/o Gulam Bakshi.
  - 3. Gulam Hasan S/o Gulam Nabi Bakshi.
  - Abdul Qayam
     S/o Gulam Nabi Bakshi.
  - 5. Nazir Ahmed S/o Gulam Nabi Bakshi.
  - Mohammad Shafir
     S/o Gulam Nabi Bakshi.
     R/o Sonwar, Srinagar.

(Transferor)

(2) Khandelwal Chambers through Co-owner-Tulsiram Bhagwandas Khandelwal, 415 Mahatma Gandhi Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Mucl. H. No. 22/3. South Kukoganj, Street No. 1, Indore. Plot area 4015.14 Sq. mts.

VIJAY MATHUR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date: 23-7-1981

#### FORM, ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

#### BHOPAL M.P.

Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.-Whereas, I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 3, Sheet No. 10 situated at

Pandari Tari, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 18-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Hanumandas S/o Shri Rikhabdas Vyas, Sadar Bazar, Raipur.

(Transferor)

(2) 1. Sureshchand S/o Motilal Dhaniwal.

2. Mahandrakumar S/o Motilal Dhaniwal.
3. Vijay Kumar S/o Motilal Dhaniwal.
4. Pramod Kumar S/o Motilal Dhaniwal. All R/o Halwai Lane, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 3, Sheet No. 10 measuring 7750, Sq. ft. situated at Pandari Tharai Raipur.

> VIJAY MATHUR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range.

Date: 23-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX;

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 24th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Double storied house situated at

Ward No. 18, Raigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raigarh on 5-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pradeepkumar Bhagwanji Chatwani S/o Shri Bhagwanji Amarsi Chatwani, R/o Ward No. 18, Raigarh, Tehsil, Raigarh. (Transferor)
- (2) Bhagwanji Amarsi S/o Late Shri Amarsi Tulsidas Chatwani, R/o Ward No. 18, Raigarh, Teh. Raigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One double storied house on Nazul Plot No. 9 and 8/1 on an area 4000 Sq. ft. sheet No. 44, in Ward No. 18, Tahsil and District Raigarh.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date: 24-7-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 24th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPI.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 905 and 905/3 situated at

Jawahar Ganj Ward, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on 20-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jaimangal Ojha, Advocate S/o Late Shri Bansilal Ojha, 88, Narwati Bunglow, Gandhigaon, Zoonagarh, Gujarat, Now at Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Digamber Kumar S/o Shri Harishchand Jain, Sarafa Ward, Jabalpur.

(Transferee)

(3) Bank of Baroda, Jawahar Ganj, Jabalpur.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 905 and 906/3, Block No. 77, Plot No. 18, Block No. 50, Plot No. 172/2, situated at Jawahar Ganj Ward, Jabalpur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date: 24-7-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. IAC/ACO/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Part of Plot No. 657 situated at at Jabalpur on 6-11-80

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jababour on 6-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nandkumar S/o Shyam Sundar Agrawal, 1175, Napier Town, Jabalpur.
  - (Transferor)
- (2) Shri Brijmohan Tara S/o Ramchandra Tara, R/o 160/3, Vidhya Nagar, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of plot No. 657, Corporation Plot No. 180 and 180-A, situated at Wright Town, Jabalpur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal,

Date: 23-7-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE 'BHOPAL M.P.

Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of Plot No. 657, situated at

Wright Town, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 6-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nandkumar S/o Shayam Sunder Agarwal, 1175, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) 1. R. R. Ahuja W/o Shri R. R. Ahuja,
 R/o 901, Bai-Ka-Bagicha, Jabalpur.
 2. Rameshkumar Aneja,
 R/o 880, Bai-Ka-Bagicha, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication or this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of Plot No. 657, Corporation Plot No. 180, and 180-A situated at Wright Town, Jabalpur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date: 23-7-1981

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) mt. R. B. Ahuja W/o R. R. Ahuja,

1175, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

R/o 901, Bai-ka-Bagicha, Jabalpur.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th July 1981

Ref. No. JAC/ACQ/BPL—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of Plot No. 657

situated at Wright Town, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 6-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1522) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(1) Shri Nandkumar S/o Shayam Sunder Agarwal,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of Plot No. 657, Corporation Plot No. 185, 180-A, situated in Wright Town, Jabalpur. (Area-2400 Sq. ft.)

> VIJAY MATHUR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 24-7-81

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Agarwal Gudakhs Factory, Khareriya, Through Partner—Shri Gajananad S/o Mansharam Agarwal, R/o Kharsiya.

 Smt. Pramila Gohil W/o Khushal Singh Through Shri Kesharji S/o Jalram Rathore,

R/o Phaphadih, Raipur.

(Transferee)

(Transferor)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 24th July 1981

Ref. No. IAC/ACO/BPL.—Whereas, I. VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of Double Storled H. No. 15/533 situated at Jawahar Nagar Ward, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Raipur on 4-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—
19—206GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of Double Storeyed House No. 15/533, situated at Jawahar Nagar Ward, Raipur

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopel.

Date: 24-7-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 24th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I. VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Part of Double Storied H. No. 15/533 situated at Jawahar Nagar Ward, Raipur

situated at Jawahar Nagar Ward, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 4-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons. parely:—

- (1) Smt. Pramila Gohil W/o Khushal Singh Through Shri Kesharji S/o Jairam Rathore, R/o Phaphadih, Raipur.
  - (Transferor)
- (2) M/s. Agarwal Gudakher Factory, Bilaspur, Through—Shri Ram Chand S/o Mansharam Ağarwal, Bilaspur,

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of Double Storeyed House No. 15/533, situated at Jawahar Nagar Ward, Ralpur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date ; 24-7-81

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 33, situated at Tirupati Colony, Indorc, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 25-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market vaue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Balwant Kaur W/o Sardar Singh Bens, R/o 9, Rishikunj, Gorakhpur, Jabalpur.
- (2) Smt. Rama Sachdeva W/o Shri Yograj Sachdeva, R/o 15/2, South Tukoganj, Indore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 33, situated at Tirupati Colony, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 24-7-1981

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 18/2 situated at Siyaganj, Indore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 29-11-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) (1) Shri Kanubhai S/o Shri Dhoribhai Patel,
  - (2) Shri Ramanbhau S/o Shri Dhoribhai Patel,
  - (3) Shri Rameshbhai S/o Shri Dhoribhai Patel,(4) Shri Rajendrabhai S/o Shri Magan Bhai,
    - All R/o 25, Jawahar Marg, Indore.
      (Transferor)
- (2) Smt. Munira W/o Shri Mustafa Bohra, Chandni Chowk, Ratiam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underesigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 18/2. situated at Siyaganj, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Incometax),
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 24-7-1981

# FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th July 1981

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 206, situated at Jawahar Marg, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 5-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Fagirchand & Co. M. T. Cloth Market, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Tanscem W/o Gulam Abbas, Chandni Chowk, Ratlam,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 206, situated at Jawahar Marg, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 24-7-1981

Scal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 5

situated at Udyog Nagar, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 3-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Keshar Singh S/o Shri Hira Singh, Village, Kanadia, Teh. Indorc.

(Transferor)

 Shri Ramnerayanji S/o Shri Modilal Agarwal, 4/2, Shradhanand Marg, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 5, Udyog Nagar, Musakhedi, Devguradiya Road, Indore, 15,120 sq. ft.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 23-7-1981

Sen1 :

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. JAC/ACQ/BPL.-Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 40,

situated at Udyog Nagar, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Indore on 3-11-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealmen to afny income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee "it the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Keshar Singh S/o Shri Hira Singh, Village, Kanadia, Teh. Indore.

(Transferor)

(2) Shri Rameshchandra S/o Shri Ghashyamdasji, 38, Katju Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 40, Udyog Nagar, Musakhedi, Devgurdaiya Road, Indore, 15,000 sq. ft.

> VIJAY MATHUR Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax), Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nugar, Bhopai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 23-7-1981

(1) Shri Keshar Singh S/o Shri Hira Singh, Village, Kanadia, Teh. Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### (2) (1) Shri Adeshwar Jain S/o Shri Chhabilalji Jain, (2) Smt. Vinod Jain W/o Shri S. P. Jain,

(3) Shri Rajendra Kumar Agarwal S/o Tikanı-Chandji Agarwal, R/o Indore.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. IAC/ACO/BPL.-Whereas, I. VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 52-F

situated at Udyog Nagar, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-11-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair raarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have in the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 52-F, Udyog Nagar, Musakhedi, Devguradia Road, Indore, 27,500 sq. ft.

> VIJAY MATHUR Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax), Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopai

Dated: 23-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 52-E,

situated at Udyog Nagar, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-11-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

20—206GI/81

(1) Shri Keshar Singh S/o Shri Hira Singh, Village, Kanadia, Teh, Indore.

(Transferor)

(2) (1) Shri Gyanchand S/o Shri Ratanchand,
 (2) Shri Ratanchand S/o Shri Dasumal,
 R/o 12, Godha Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 52-E, Udyog Nagar, Musakhedi, Devguradia Road, Indore, 23,500 sq. ft.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
Acquisition Range,
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 23-7-1981

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

Plot No. 52D,

situated at Udyog Nagar, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair at Indore on 3-11-1980,

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Keshar Singh S/o Shri Hira Singh, Village, Kanadia, Teh. Indore.

(Transferor)

(2) (1) Shri Suresh Kumar S/o Shri Ratan Chand,
 (2) Sntt. Nirmalabai W/o Shri Bishandas,
 R/o 12, Godha Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXILANATION:—The terms expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 52D, Udyog Nagar, Musakhedi, Devguradia Road, Indore, 23,500 sq. ft.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 23-7-1981

#### FORM LT.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I. VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 29, 52F, 52E, 52D, 40 & 5, situated at Udyog Nagar, Musakhedi, Indore,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 31-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Keshar Singh S/o Shri Hira Singh, Village, Kanadia, Teh. Indore.

(Transferor)

- (1) (1) Shri Lila Shankar S/o Shri Lalji Trivedi, R/o Choti Gwal Toli, Indore.
  - (2) Shri Om Prakash S/o Shri Poddarmal Jain,
  - 5/8, Road No. 1, Pardeshipura, Indore.
    (3) Shri Suraj Prasad S/o Shri Motilal Jain,
    3/3, North Raj Mohallam, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot Nos. 29, 52F, 52E, 52D, 40 & 5, situated at Udyog Nagar, Musakhedi, Devguradiya Road, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
Acquisition Range,
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 23-7-1981

### FORM NO. LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Smt. Laxmi Bai W/o Shri Shankerlal, R/o Nazar Ali Marg, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Triloknath S/o Shri Tecrathji Narang, Dashera Maidan, Ujjain.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Part of H. No. 1/110 & 1/111,

situated at Dudh Halai, Ujjain,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ujjain on 12-11-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of House No. 1/110 & 1/111 situated at Dudh Talai, Ujjain.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nugar, Bhopal

Dated: 23-7-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPI.—Whereas, 1, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. TS-I situated at Indore,

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 25-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shanti Devi W/o Shri Badal Chand Mehtu, R/o 199, Chitawad Bombay-Agra Road, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Rajesh Kumar,
  - (2) Shri Hemant Kumar,
  - (3) Shri Manish Kumar,
  - (4) Shri Bhavesh Kumar, Through Shri Kantilal (Shah, Guardian of the Manish Trust, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plct No. TS-1, Traffic root No. 6-7 on Scheme No. 31 of Development Authority, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 23-7-1981

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Gohargani on 29-11-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 H. H. Taj Nawab Sajada Sultan Begum, D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan, R/o Quiser-e-Sultan, Ahmedabad Pálace, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Nawab Mansur Ali Pataudi S/o Shri Iftikhar Ali Khan, 8-B, Rashmi, Garmichael Road, Bombay-400026.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh. No. 21, 24, 70, & 71, (95.63 Acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
4th Floor, Gangotri Building

in Floor, Gangoir, Budding T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 24-7-1981

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gohargani on 29-11-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) H. H. Taj Nawab Sajada Sultan Begum, D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan, R/o Quiser-e-Sultan, Ahmedabad Palace, Bhopal.
  - (Transferor)
- Shri Suverna Shamsher Jung Bahadur Rana, S/o Ekraj Jung Bahadur, R/o Salena Kothi, Tukoganj, Indore.

-(Transferèe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Forest land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh. No. 34, 35 & 50. (94.85 Acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 22-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL,--Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Gohargani on 29-11-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and 1 have reason to beneve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) H. H. Taj Nawab Sajada Sultan Begum, D/o Late H. M. Nuwab Mohd, Hamidulla Khan, R/o Quiser-e-Sultan, Ahmedabad Palace, Bhopal, (Transferor)
- (2) Mrs. Jethalal Modi S/o Shri Vithaldas, Modi Kunj, Matunga, Telong Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein ask are defined in in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh. No. 33, 43, 64, 65 & 76, (94. Acres).

> VIJAY MATHUR Competent Authority Inspecting Asstt: Commissioner of Income-tax, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 22-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coharganj on 29-11-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
21—206GI|81

- (1) H. H. Taj Nawab Sajada Sultan Begum, D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan, (Transferor) R/o Quiser-e-Sultan, Ahmedabad Palaco, Bhopal.
- (2) Shri Yusuf Ali S/o Shri Kamruddin, 398/400, Narsi Natha St. Katha Bazar, Bombay. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh. No. 25, 27, 61, 75 & 79. (95.34 Acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 22-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan, (and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gohargani on 29-11-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

- (1) H. H. Taj Nawab Sajada Sultan Begum, D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan, R/o Quiser-e-Sultan, Ahmedabad Palace, Bhopal.
  - (Transferor)
- (2) Mr. Narendra Kumar Singh S/o Shri Hirslal, R/o Kalyan Bhavan, Tukoganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh. No. 32, 41, 45 & 58. (95.98 Acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 22-7-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Goharganj on 27-11-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) H. H. Taj Nawab Sajada Sultan Begum, D/o Late H. M. Nawab Mohd, Hamidulla Khan, R/o Quiser-e-Sultan, Ahmedabad Palace, Bhopal. (Transferor)
- (2) Smt. Panna Pallan W/o Devendar, R/o 8, Shree Neketan, 14, Queen's Road, Bombay-400 020.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh. No. 15, 17, 19 & 22. (95.99 acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 22-7-1981

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Forest Land situated at Chiklod Kalan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gohargfianj on 29-11-80,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- H. H. Taj Nawab Sajada Sultan Begum, D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan, R/o Quiser-e-Sultan, Ahmedabad Palace, Bhopal. (Transferor)
- (2) Shri Madanlal Malviya S/o Shri Roopram, R/o 14, Nawalkha Main Road, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village: Chiklod Kalan, New Kh. No. 36, 37 & 68. (94.11 Acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 22-7-1981

#### FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Goharganj on 28-11-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to following persons namely:—

- (1) H. H. Taj Nawab Sajada Sultan Begum, D/o Late H. M. Nawab Mohd, Hamidulla Khan, R/o Quiser-e-Sultan, Ahmedabad Palace, Bhopal,
  (Transferon
- (2) Mrs. Gceta Shahriarian W/o Shri Jahangir, R/o 8, Shriniketan, 14, Queens Road, Bombay-400 020.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh. No. 10, 16, 18 & 11. (95.38 acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 22-7-1981

#### FORM NO. I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Goharganj on 27-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- H. H. Taj Nawab Sajeda Sultan Begum, D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan, R/o Quaiser-e-Sultani, Ahmedabad Palace, Bhopal. (Transferor)
- (2) Mrs. Nanhi Wallia W/o Shri Jasjeet Singh, R/o 2, Idgah Hills, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village: Chiklod Kalan, New Kh. No. 7, 8 & measurment 95.07 acres.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 22-7-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Goharganj on 27-11-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than, fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) H. H. Mehr Taj Nawab Sajeda Sultan Begum, D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan, R/o Quaiser-e-Sultani, Ahmedabad Palace, Bhopal. (Transferor)
- (2) Captain Nagin Shah S/o Shri Shantibhai Harjivan Mehta, R/o 8, Shriniketan, 14, Queens Road, Bombay-400 020.
  (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh. No. 1 to 6, 13 & 63. (98.57 acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 22-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Goharganj on 27-11-81,

for an apparent consideration which is lessthan the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) H. H. Taj Nawab Sajeda Sultan Begum, D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan, R/o Quiser-e-Sultain, Ahmedabad Palaco, Bhopal. (Transferor)
- (2) Shri Ratan Singh S/o Shri Prithvi Singh, R/o Bidval, Dhar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh. No. 20, 57 & 59. (95.01 acre).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 22-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Forest Land situated at Chiklod Kalan,

PART III—SEC. 11

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)) in the office of the Registering Officer at Goharganj on 27-11-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
22—206GI/81

(1) H. H. Taj Nawab Sajeda Sultan Begum, D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan, R/o Quiser-e-Sultan, Ahmedabad Palace, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Sumermal Jain S/o Shri Gambhirmal, C/o Rose Carpets, Jeewani Mandi, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chicklod Kalan, New Kh. No. 34, 55 & 59. (94.96 acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopai

Dated: 22-7-1981

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Goharganj on 27-11-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) H. H. Taj Nawab Sajada Sultan Begum, D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan, R/o Quiser-e-Sultan, Ahmedabad Palace, Bhopal.

(Transferor)

(2) Mr. Amir Uddin S/o Shri Kamruddin, C/o Amir Brothers, Maharani Road, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh. No. 39, 48, 66 & 72. (95.32 acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 22-7-1981

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Goharganj on 29-11-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

H. H. Taj Nawab Sajada Sultan Begum,
 D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan,
 R/o Quiser-e-Sultan, Ahmedabad Palace, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri H. H. Digvijay Singh S/o Shri Dilip Singh, Jaswant Palace, Selana, Ratlam.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh. No. 31, 44, 52, 56 & 74. (96.57 acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhops

Dated: 22-7-1981

of :.-

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Forest Land situated at Village, Chiklod Kalan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Goharganj on 28-11-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 H. H. Taj Nawab Sajada Sultan Begum, D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan, R/o Quiscr-e-Sultan, Ahmedabad Palace, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Lallo Bhai Patel S/o Ichu Bhai, C/o Usha Stores, Haripura, Main Road, Surat (Gujarat).

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh. No. 28, 30, 51 & 80. (95.36 acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.
4th Floor, Gangotri Bullding
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 22-7-1981

Soal:

FORM I.T.N.S.

\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gohargan on 27-11-80,

for an apparent consideration which is less than the fair anarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) H. H. Taj Nawab Sajada Sultan Begum, D/o Late H. M. Nawab Mohd. Hamidulla Khan, R/o Quaiser-e-Sultain, Ahmedabad Palace, Bhopal. (Transferor)
- (2) Mrs. Rati Barsiwala W/o Shri Jamshed, 670, Jawer Banu Terrase, Road No. 13, Parsi Colony, Dadar, Bombay-400 014.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Forest Land situated at Village Chiklod Kalan, New Kh. No. 23, 26 & 29 (95.71 acres).

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 22-7-1981

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Dr. Khushal Chand Malaiya, D.S.E. Durg.

#### (2) Smt. Suman Jain W/o Shri Jinendra Kumar Jain, P.O. Gaur Shamer, Sagar.

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 25th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House, situated at E-4/134, Arera Colony, Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 6-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One House situated at E-4/134, Arora Colony, Bhopal.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 25-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P. Bhopal, the 26th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. Land out of Kh. No. 1 situated at Mandi deep, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gohargani, on 8-12-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chhote Khan & Iqbal Khan, Both S/o Shri Mohammed Khan, R/o Nayapura Mewati, Teh. Goharganj, Raisen. (Transferor)

(2) Saptrishi Dairy & Farm, Mandi deep, Teh. Goharganj, Raisen,

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULB

Agricultural land out of Kh. No. 1, admeasuring 10.17 acres situated at Mandi deep.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 26-7-1981

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 25th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agr. land Kh. No. 1 situated at Mandi deep, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gohargani, on 9-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concoalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chhote Khan, Iqbal Khan, Both S/o Shri Mohammed Khan, R/o Nayapura Mewati, Teh: Gohargani, Distt. Raisen.

(Transferor

(2) Saptrishi Dairy & Farm, Mandi deep. Teh: Gohargani, Raisen.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Agricultural land out of Kh. No. 1 admeasuring 10.17 Acres, situated at Mandi deep.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 25-7-1981.

(Transferor)

(Transferees)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 384, situated at Tarni Colony, Dewas, (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 15-11-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fairmarket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
23—206GI/81

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

M/s. Narendra Singh Vikram Singh Choudhary &

(2) (1) Khanchand S/o Virumal, (2) Sewak S/o. Khanchand, (3) Jaiwanti D/o. Khanchand, 29, Gopal

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Sons, 93, Shalni Road, Dewas.

Bag Colony; Indore.

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 384, situated at Tarni Colony, Dewas, 11250 \$q. ft.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistan Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 21-7-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 384, situated at Tarni Colony, Dewas, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dewas on 26-11-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Narendra Singh, Vikram Singh Choudhary & Sons., 93, Shalni Road, Dewas.

(Transferor)

(2) (1) Gordhanlal Shankerlal Rai, (2) Bhagwandas Gordhanlal Rai, 37, Lodhi Mohalla, Indore, (3) Smt. Mewa Bai W/o Chhatulal Rai, 36, Lodhi Mahalla, Indore.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 384, situated at Tarni Colony, Dewas-11250 Sq. ft.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor,
Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 21-7-81.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st July 1981

Ref. No. IAC/ACO/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 50, situated at Kailash Marg, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 28-11-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Parasram Jethanand, R/o Sizpur, Indore.
  (Transferor)
- (2) Shri Harikishan S/o Jagannath Agarwal R/o 56, Kailash Marg, Indore.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of House No. 50 situated at Kailash Marg, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal,

Date: 21-7-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 50, situated at Kailash Marg, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 23-12-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Parsram Jethanand, R/o 64, Sirpur, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Harikishan S/o Jagannath Agarwal, R/o 56, Kailash Marg, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 50 (South Portion) situated at Kailash Marg, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 22-7-81,

Scal:

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land Kh. No. 102/1, situated at Lasudiya Mori, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 24-11-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Dhulji S/o Ghisa Ji Rajput, R/o Lasudiya Mori, Teh. Indore. (Transferor.)
- (2) Sardar Jamitsingh, S/o Trilok Singh, R/o H. No. 62,

Palsikar Colony, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at Lasudiya Mori of Indore Kh. No. 102/1, 1-Acre.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 21-7-1981

#### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 25th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Double Storied house situated at Mahal Colony, Shivpuri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivpuri on 24-11-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—

- (1) Shri Motilal Ojha S/o Shri Jagram Ojha, R|o Mahal Colony, Shivpuri.

  (Transferor)
- (2) Shri Halkeram S/o Ramcharan Nagaria R|o. Vill. Vira, Par: Pichore, Distt: Shivpuri.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of double storied house situated at Mahal Colony, Shivpuri.

VIJAY MATHUR Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 25-7-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 25th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Double storied house situated at Mahal Colony Shivpuri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivpuri on 24-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Motilal Ojha S/o Shri Jagram Ojha, R|o Mahal Colony, Shivpuri.

  (Transferor)
- (2) Smt. Vidya Devi R/o Balkrishna Gupta, Caste—Vaishya—R|o Vill: Vira, Par: Tichore, Dist: Shivpuri. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of double storied house situated at Mahal Colony, Shivpuri.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 25-7-1981,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 25th July 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

House No. 29, situated at Siddheshwari Road, Shivpuri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivpuri on 5-11-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kaushalya Devi W/o. Mahendra Pratap Arora & Smt. Sandhya Devi, W/o Rajendra Pal Arora, R/o Shivpuri. (Transferor)

(2) Smt. Ramjoo Raja W/o Shri Prabipal Singh R/o Siddheshwar Road, Shivpuri. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 29, situated at Siddheshwari Road, Shivpuri.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 25-7-1981.

Soal:

### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ANJIPARAMBIL BLDGS.",

ANAND BAZAAR, COCHIN-682016 Cochin-682016, the 13th July 1981

Ref. L.C. 523/81-82,—Whereas, I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sl. No. as per schedule situated at Calicut (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calicut on 13-11-80 and 29-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the concideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-rax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---24 -- 206GI/81

(1) Shri K. G. Radhakrishnan, Krishna Nivas, Panniankara, Calicut-673003.

(Transferor)

(2) S/Shri 1. P. T. Saldalavi
2. P. T. Kunhamutty
3. P. T. Abdurahiman
4. P. T. Abdul Masser, Sons of Pallippattu Tumban Rayu Haji, Thalakkadathur, Tirur

V. P. Mafeesa
 D/o Vanlam Peediakakkal Bawa, Thalakkadathur, Tirur

6. Ayishabi S/o Mukriyakathu Ahmed Haji Thalakkadathur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

61 cents of land with a 5 storeyed building in Calicut.

T. Z. MANI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam,

Date: 13-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE.

"ANJIPARAMBIL BLDGS.",

ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 17th July 1981

Ref. L.C. 526/81-82.—Whereas, I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sl. No. as per schedule situated at Alleppey (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alleppey on 18-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) S/Shri 1. Abdul Rahiman Sait S/o A. R. Sulaiman Salt, Salim Manzil, (Seal-side Hotel), Alleppey Muri, Alleppey village, S. Khalid sait

S. Muhamed Ali Sait

4. S. Najuma Bai 5. S. Saiboonisa Bai 6. S. Salim Sait

7. Halima Bai R

S. Kulsam Mimeena Bai

10 .Shahinda

11. Shahman

Shabir

Shakheel (Minors) (Represented by Halima Bai).

(Transferor)

(2) S/Shri 1. V. E. Thomas S/o Elias, Habeeb Manzil. Zachariah Bazar Ward,

Alleppey.
2. Dr. Lilly Thomas,
Civil Surgeon,

Hospital.

W. & C. Hospital, Alleppey.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

20.984 cents of land with a building in Alleppey village.

T. Z. MANI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 17-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

"ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 20th July 1981

Ref. L.C. 527/81-82.—Whereas, I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Sl. No. as per schedule situated at Quilon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Quilon on 2-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri Sunny,
 S/o Augustine, Sansibasil,
 Kannimelcheri, Kilikolloor, Quilon.

(Transferor)

(2) M/s. Chaitanya Corporation, Kochupilammoodu, Quilon, Rep. by Managing Partner, R. Pratap, S/o K. Ravindranathan Nair, Nani Nivas, Kochupilammoodu, Quilon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

46 cents of land in Sy. No. 8477/C.1.4 of Quilon Village.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulan

Date: 20-7-1981

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 3rd July 1981

Ref. No. III-497/Acq/81-82.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Touzi No. 5225/14850 Ward No. 33, Circle No. 245, Khata No. 62 situated at Dujra (Boring Road) Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 17-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Sertion 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Raj Kumari Singh W/o Shri Kumar Ganpati Prasad Singh on behalf of self and minor sons Shri Kumar Amit Singh and Shri Kumar Ashwin Singh sons of Shri Kumar Ganpati Pd. Singh of Mouza Ranka Raj, P.O. Ranka Raj District Palamu. (Transferor)
- (2) 1. Shri Krishna Nandan Varshney
  S/o Shri Deoki Nandan Varshney
  - S/o Shri Deoki Nandan Varshney.
    2. Smt. Jyotsana W/o
    Shri Krishna Nandan Varshney
    R/o Mohalla Kadam Kuan, P.,S Kadam Kuan,
    Patna.

(Transferee)

Shri (i) Shri Krishna Nandan Varshney,
 Smt. Jyotsana,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 2 Kathas 5 dhurs with single storied pucca house situated at Mohalla Dujra, Patna morefully described in deed No. 7896 dated 17-1-80 registered with D.S.R., Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Dated: 3-7-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD PATNA-800001

Patna, the 3rd July 1981

Ref. No. III-499/Acq/81-82.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

portions of Plot No. 520, 523, 524 sheet No. 23, being part of Holding No. 84, Ward No. 1, Circle No. 3 stiuated at Bankipur Lodipur now known as Chhajjubagh on Dr. T. N. Banarjee Road, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 1-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Achalendra Nath Mukharji, Retd. Judge, Patna High Court S/o Late Rai Bahadur Surendra Nath Mukharji for self and as attorney of his son Dr. Anjan Mukharji, Residing at Bank Road, P.S. Kotwali, Patna.

(Transferor)

(2) Mr. Anup Mukerji, I.A.S. S/o Mr. Prabhudatta Mukherji, Residing at 'Ashirbad' S.P. Verma Road, Patna, At present District Magistrate, Samastipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 479.93 sq meter situated at mouza Chhajjubagh on Dr. T. N. Banerjee Road Patna, more fully described in deed No. 7660 dated 1-11-80 registered with D.S.R. Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 3-7-81

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# (1) 1.Sm. Labanya Prova Mitter

2. Sri Susanta Kumar Mitter

3. Sri Pinaki Mitter

4. Sm. Pratima Dutta 5. Sm. Purnima Dutta

(Transferor)

(2) Shri Janmajoy Das Bairagi.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 18th June 1981

Ref. No. 930/Acqn. R-III/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

65A and 65B and 2/1A situated at Padmapukur Road and Jogesh Mitra Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Calcutta on 20-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

# THE SCHEDULE

Partly one storeyed and partly two storeyed building and structure together with land containing an area of 7 cottahs 3 ch. 8 sft. being premises No. 65A and 65B, Padmapukur Road and 2/1/A Jogesh Mitra Road, Calcutta, registered by the Registrar of Assurances, Calcutta on 20-11-80.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700015.

Date: 18-6-81

(1) Hiran Bala Saha & Ors.

(Transferor)

(2) Harilal Saha & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 1st July 1981

Ref. No. 928/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, J. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

4/73 situated at Chanditola Lane, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Alipore on 28-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of the house property being premises at 4/73, Chanditola Lane, Calcutta-40 containing an area of land 3K 1Ch 18 Sq. ft,

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 1-7-1981

(1) Sri Sudhindra Kr. Das.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961) (2) Amber Properties Ltd.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA
Calcutta, the 1st July 1981

Ref. No. 927/Acq.R-III/81-82.--Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

25 situated at Waterloo Street, Calcutta

(and more ully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 3-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obeject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share of the house property being premises at 25, Waterloo Street, Calcutta as per Deed No. 6251 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700015.

Date: 1-7-1981

#### FORM ITNS----

(1) Miss Monisha Sen & Ors.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Ram Kishore Choudhuty & Ors.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 6th July 1981

Ref. No. 929/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. IIINETA

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 159/1 $\Lambda$  and 159/1B situated at Rash Behari Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
25—206GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 1B—5K 13Ch, more or less together with building and structure standing thereon situated lying at and being premises No. 159/1A and 159/1B, Rash Behari Avenue, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700015.

Date: 6-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Smt. Suraj Bai of 3 Jogendra Kanraj Road, Calcutta-7.

(Transferor)

(2) Sri Rabin Dey, 53-Atul Krishna Banerjee Lane, Calcutta-36,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 20th July 1981

Ref. No. AC-39/Acq.R-IV/61/81-82.—Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

66 situated at Amritlal Daw Road, Barangar, 24- Pargs, Cossipore on 18-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by say of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 8K. 9 Ch. 35sft. with building situated at 66 Amritlal Daw Road, Baranagar, 24-Pargs. More particularly described as per Deed No. 8435 of 1980,

K. SINHA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor),
Calcutta-7000016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°C of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-7-1981

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd April 1981

No. 325/81-82. Whereas, I, R. THOTHATHRI Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, being the 'Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961') (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

CTS No. 213/2 and 205 situated at M.G. Market, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli under document number 1889 on 26-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Veerappa Gurusiddappa Bhusanoor.
  - 2. Shri Sudhir Veerappa Bhusanoor.
  - Shri Sunil Veerappa Bhusanoor.
     Sl. No. 2 and 3 by their minor-guardian Shri V. G. Bhusanoor, (Sl. No. 1)
     Javalisal, Hubli.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Pukaraj A. Bhurat.
  - 2. Shri Javerilal P. Bhurat, Javalisal, Hubli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1889 Dated 26-11-1980] Land and building bearing OTS No. 213/2 and 205 situated at Ward No. II, M.G. Market, Hubli.

R. THATHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 3-4-1981 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

 Shri M. Subramanyam S/o K. Murugesh Mudaliar, Patel Nagar, Hospet.

(Transferor)

(2) Shri H. G. Ranganagouda S/o H. R. Gaviappa, Nehru Co-op. Building Colony, Hospet.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 22nd April 1981 No. 331/81-82.—Whereas, I, R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Door No. 15/142 situated at Ward XV,
Nehru Co-op. Colony, Hospet
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Hospet under document number 1282 on 27-11-1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1282 Dated 27-11-1980]
Land and building bearing Door No. 15/142 situated at
Ward No. XV, Nehru Co-op. Colony, Hospet.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 22-4-1981

# (1) Shri Narayan Ganesh Javai, R/o Khade Bazar, Belgaum.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

# SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 22nd April 1981

Notice No. 333/81-82.—Whereas, I. R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

CTS. No. 2860 situated at Khade Bazar, Balgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Belgaum under document number 2806 on 25-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 2697 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) 1. Smt. Sanghavi Vasumatiben Sevantilal,

2. Smt. Doshi Prabhaben Nanalal.

Smt. Sharmilaben W/o Jayantilal.
 R/o No. 1507, Deshpandegalli, Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2806 Dated 25-11-1980]
Land and building bearing CTS No. 2860 situated at Khade Bazar, Belgaum.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 22-4-1981

### FORM I.I.N.S.————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 25th April 1981

62/28898/70-71/ACQ/B.—Whereas, l. R. C.R. No. THOTHATHRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/Old No. 36, and New No. 59, (11 Floor)

and bearing No.

situated at Millers Road, Benson Town, Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore and Document No. 3072/80-81 on 4-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the 1. " of the transferor to pay tax under the said Aci, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri Mehdi Ali S/o Lete Abdul Rub, No. 16-7-302, Azampura, Hyderabad-500024 (A.P.).

(Transferor)

(2) Dr. S. N. Mahmood, No. 6-3-246/1, Banjara Hill Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3072/80-81 Dated 4-11-80] All that property bearing old No. 36, and New No. 59, (II 1-loor) Millers Road, Benson Town, Bangalore. Bounded by :-

On North By Millers Road.

On South-By property belonging to Southern railway.

On Fast--By Cottage belonging to the Transferor.

On West---By Private property.

R. THOTHATHRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 25-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE Bangalore-560001, the 25th April 1981

C.R. No. 62/28897/80-81/ACQ/B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing

Old No. 36, New No. 59 (I Floor) situated at Millers Road, Benson Town, Bangalore (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Gandhinagar Bangalore Doc. No. 3061/80-81 on 10-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfernad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, 4 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforetail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mehdi Ali S/o Late Abdul Rub, No. 16-7-302, Azampura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Mahpara W/o Rashid Quiyum, Saidabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ext LANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3061/80-81 Dated 10-11-80)
All that property bearing old No. 36 New No. 59 (1st Floor) Miller's Road Benson Town, Bangalore.
Bounded by:

On North: By Millers Road

On South: Property belonging to Southern Railway.
On East: By Cottage belonging to the transferor.

On West: By private property,

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 25-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 14th May 1981

Notice No. 337/81-82.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 814 situated at Chinchinim village, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salecte under document number 106/751 on 1-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Claudino Benedicto Fernandes.
  - Flora Patrocinia alias Flora Patrocinia Pereira Fernandes also known as Flora Fernandes.
     R/o Assolna, Goa.

(Transferor)

- (2) 1. Francisco Xavier Alexandrino de sousa.
  - Epifanio Joao Luciano de sousa House No. 22 (old), 43 (new).
     Durga of Chinchinim, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 106/751 Dated 1-11-1980] Plot measuring 994 sq. metres and building thereon bearing number 814 situated at Chinchinim village, Goa.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 15-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 8th June 1981 Notice No. 339/81-82.—Whereas, I, R, THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Matriz No. 280 Land Regn No. 1958 situated at Panail-Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ilhas under Document No. 451/80 on 13-11-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afovesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said ins-

trument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--26-206GI/81

(1) 1. Solano Baron Carlyn Palha

- 2. Ramon C. Palha.
- 3. Casme Palha.
- 4. Dr. Solon Belodía Palha R/o Solramul Court, Gomes Pereira Road, Panaji-Goa.

(Transferor)

(2) (1. Mr. Fortunato Isidoro Luis de Cunha.

2. Mrs. Maria Aurilia Meneses Cunha R/o Solramul Court. Gomes Percira Road, Panaji-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 451/80

Dated 13-11-1980]

Flat No. 3 of the building called "Solromul Court" bearing land Regn. No. 1958 and Matriz No. 280 situated at Panaji, Goa.

R. THOTHATHRI

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 8-6-1981

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd July 1981

C.R. No. 62/28854/80-81/Acq/B.—Whereas, I,

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25000/- and bearing

Old No. 429/1 and New No. 152 situated at 8th Main Road Malleswaram, Bangalore-3

(and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajajinagar under document No. 4224/80-81 on 24-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration

for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which bave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri S. Balasubramanian,
 No. 67, Dr. Radhakrishnan Road,
 Mylopore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Shri D. Srinivasan and 99 others, All represented by Sri D. Srinivasan, No. 4, 12th Cross, 8th Main Road, Malleswaram Bangalore-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

[Registred Document No. 4224/80-81 Dated 24-11-80]
All that property bearing Old No. 429/1, New No. 152, 8th Main Road, Malleswaram, Bangalore-3.

Area—3996 sq. mts. which includes buildings also. Bounded by:

On North: by site No. 429/W.
On South: by property of Mrs. Dass.
On East: by 7th Main Road.

On East: by 7th Main Road.
On West: by 8th Main Road.

DR. V. N. I.ALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 3-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 25th June 1981

Ref. No. 15912.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 181, Luz Church Road and situated at 144, Royapettah High Road, Mylapore, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (DOC. 52/81) on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Raja D. V. Appa Rao Bahadur Waru 145, Royapettah High Road, Madras-600 004.

(Transferor)

(2) Smt. B. K. Nalinijayanthi 41, 1st Main Road, CIT Colony Madras. 600 004.

(Transferce)

(3) Luz Stall Holders Association and other tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 181, Luz Church Road, and 144, Royapettah High Road, Mylapore, Madras-4.

(Doc. 52/81)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 25-6-81

### FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 4th July 1981

Ref. No.: 7/Nov./80.-Whereas, I, RADHA BALA-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9 (Old No. 11), Balfour Road, situated at Kilpauk, MADRAS (R.S. No. 3138/5)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at North Madras on 30-10-1980 (Document No. 4785/80) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Mrs. Sridevi Padmakumar, W/o Mr. B. K. Padmakumar, 'Srinilayam' Durbar Hall Road, COCHIN-16.
- (2) Mr. M. Gopinath Nair, S/o. Mrs. Bhagireethi Amma, 'Felicite' Near Pipe Mood, Sasthamangalam (P.O.), TRIVANDRUM-10.

(Transferor)

(1) Shri Udho Shahain Hotchand, S/o Hotchand: No. 43, Sembudoss Street, MADRAS-1,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Land and building at Door No. 9 (Old No. 11) Balfour Road, Madros-10 (R.S. No. 3138/5). (Document No. 4785/80).

> RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date 4-7-1981. Seal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 14th July 1981

Ref. No. 59/November/80.—Whereas, I, R. RAVI-CHANDRAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. Nos. 75 & 76, Kilankadu, situated at Village, Tenkasi Taluk, Tirunelveli Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R. 1. Tenkasi on 30-11-1980 (Document No. 1022/80) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforexaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri A. Krishnama Raja, Father and Guardian of Minor Muthuramakrishna Raja, NAYINAKARAM, Tenkasi Taluk (Tirunelveli Dt.)

(Transferor)

(2) (1) Mr. M. S. Zabeer Ahmad and (2) Mr. M. S. Kaleel Ahamad S/o Haji Syed Mohammad, 'Halima Nivas', M.S.P. Nagar, TRIVANDRUM.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Wet lands at S. Nos. 75 & 76, Kilankadu village, Tenkasi Tk. Tirunelveli District, measuring 16 acres and 80 cents—Document No. 1022/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-600 006

Date: 14-7-1981

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT, OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th July 1981

Ref. No. 58/November/80.—Whereas, I, R. RAVI-CHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

25,000/- and bearing
No. S. Nos. 75 & 76, situated at Kilankadu village, Tenkasi Taluk, Tirunelveli District.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

J.S.R. I Tenkasi on 30-11-80, (Document No. 1015/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following ocrsons, namely:—

(1) Sri A. A. KKrishnamaraja, Father and Guardian of Minor A.C. Sivaramakrishna Raja, Nayinakaram Village, Tenkasi Taluk (Tirunelveli Dt.).

(Transferor)

(2) (1) Mr. M. S. Zabeer Ahamad, (2) Mr. M. S. Kaleel Ahamad, S/o Haji M.S. Syed Mohammad, 'Halima Nivas', M.S.P. Nagar, Trivandrum.

,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Wet lands at Kilankadu village, Tenkasi Taluk, Tirunelveli District (Tamil Nadu), measuring 16.80 acres.— Document No. 1015/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 14-7-81

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 14th July 1981

Ref. No. 57/November/80.—Whereas, I, RAVI-CHANDRAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. S. Nos. 75 & 76, situated at Kilankadu village, Tenkasi kasi Taluk, Tirunelveli District.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at J.S.R. I Tenkasi on 30-11-80.

(Document No 1014/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

- Sr<sup>2</sup> A. A. Krishnama Raja, S/o Fr Kondal Angaya Raja, Nayinakaram village, Tenkasi Taluk.
- (2) Sri Angaya Raja, S/o Sri A.A. Krishnama Raja, Nayinakaram village, Tenkasi Taluk

(Transferor)

(2) (1) Mr. M. S. Zabeer Ahmad (2) Mr. M. S. Kaleel Ahmad, S/o S. M. Syed Mohammad, 'Halima Nivas', M.S.P. Nagar, Trivandrum.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Wet lands at S. Nos. 75 & 76, Kilankadu village, Tenkasi kasi Taluk, Tirunelveli District (Tamil Nadu). Document No. 1014/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 14-7-81

# FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 14th July 1981

Rcf. No. 60/November/80.—Whereas, I, R. RAVI-CHANDRAN

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. Nos. 75 & 76, situated at Kilankadu village, Tenkasi kasi Taluk, Tirunciveli District.

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at J.S.R. I Tenkasi on 30-11-80.

(Document No. 1023/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri A. A. Krishnama Raja, Father & Guardian of Minor A. K. Ganesa Subbaram Raja Nayinkaram village, Tenkasi Tk. Tirunelveli Dt.

(Transferor)

- (2) (1) Mr. M. S. Zabcer Ahamad and
  - (2) Mr. M. S. Kaleel Ahammad 'Halima Nivas', M.S.P. Nagar, Trivandrum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Wet lands at S. Nos. 75 & 76, Kilankadu village, Tenkasi Taluk, Tirunelveli District (Tamil Nadu). 16.80 acres—Document No. 1023/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 14-7-81

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 14th July 1981

Ref. No. 6/November/80—Whereas, I, R. RAVJ-CHANDRAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. Nos. 75 & 76, situated at Kilankadu Village, Tenkasi Tk. Tirunclveli District.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at J.S.R.J., Tenkasi (Document No. 1024/80) on 31-11-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
27—206G1/81

- Sri A. A. Krishnama Raja,
   Father and Guardian of Minor A. K. Jayaram Raja,
   Nayinakaram Village,
   Tenkasi Taluk, (Tirunelveli Dt.).
- (2) (1) Mr. M. S. Zabeer Ahamad,
   (2) Mr. M. S. Kaleel Ahamad,
   S/o Haji S. M. Syed Mohammad,
   Himalaya Nivas', M.S.P. Nagar,
   Trivandrum.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Wet land at S. Nos. 75 & 76 Kalankadu Village, Tenkasi Taluk, Tirunelveli District, measuring 16.80 acres-Document No. 1025/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Dated: 14-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th July 1981

Ref. No. 62/November/80—Whereas, I, R. RAVICHAN-DRAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. S. Nos. 75 & 76, situated at Kilankadu Village, Tenkasi Taluk, Tirunelveli Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I., Tenkasi (Document No. 1025/80) on 30-11-1980.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri A. A. Krishnama Raja, Father and Guardian of Minor Thiruppathi Raja, Nayinakaram Village, Tenkasi Tk. (Tirunelveli Dt.).

(Transferor)

(2) (1) Mr. M. S. Zabeer Ahmad and (2) Mr. M. S. Kaleel Ahamad, S/o Syed Mohammad, 'Halima Nagar', M. S. P. Nagar, Trivandrum.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Wet land at S. Nos. 75 & 76 Kilankadu Village, Tenkasi Tk. Tirunelveli Dt. (Tamil Nadu), measuring 16.80 acres—document No. 1025/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Dated: 14-7-1981

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th July 1981

Ref. No. 64/November/80—Whereas I, R. RAVICHAN-DRAN,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. Nos. 75 & 76, situated at Kilankadu Village, Tenkasi Taluk, Tirunelyeli Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I., Tenkasi (Document No. 1026/80).

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Sri A. A. Krishnama Raja, S/o Sr. Kondal Angaya Raja,
- (2) Sri K. Subramania Raja, S/o Sri A. A. Krishnama Raja, Nayinakaram Village, Tenkasi Tk. (Tirunelveli Dt.).

(Transferor)

- (2) (1) Mr. M. S. Zabeer Ahamad and
- (2) Mr. M. S. Kaleel Ahamad, 'Halima Nivas', M.S.P. Nagar, Trivandrum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Wet land at S. Nos. 75 & 76, Kilankadu village, Tenkasi Taluk, Tirunclyeli Dt. measuring 16.80 acres—document No. 1026/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Dated: 14-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th July 1981

Ref. No. 64/November/80.—Whereas, I, R. RAVICHAN-DRAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. Nos. 75 & 76, situated at Kilankadu Village, Tenkasi Taluk, Tirunelveli Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at J.S.R.I., Tenkasi on 30-11-1980

(Document No. 1027/80)

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri A. A. Krishnama Raja,

Father and Guardian of Minor Muthuramakrishna Raja,

Nayinakaram

Tenkasi Taluk, Tirunelveli Dt.

(Transferor)

Mr. M. S. Kaleel Ahamad and Mr. M. S. Kaleel Ahamad.

'Halima Nivas',

M.S.P. Nagar,

Trivandrum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Wet land at S. Nos. 75 & 76, Kilankadu Village, Tenkasi Taluk, Tirunelveli Dt. measuring 16.80 acres—Document No. 1027/80.)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 14-7-1981

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

# OF INCOME-TAX,

Madras-600 006, the 14th July 1981

Rcf. No. 10/November/80-Whereas, I, R. RAVICHAN-DRAN,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 372/2 and 376/17, situated at Nowroji Street, Chetput, Madras-31.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at J.S.R.I., Madras North, Madras on 30-11-1980 (Document No. 4822/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Krishnavani Ammal, W/o Sri Raju Naidu, No. 51, Vellalar Street, Madras-29.

(Transferor)

(2) Sri K. P. Ramaswamy, S/o Sri Perumal, No. 62, Nannayya Maistry Street, Madras-81.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Land at R. S. Nos. 372/2 and 376/17, Nowroji Street, Chetput, Madras, measuring 4 grounds and 400 sq. ft.—document No. 4822/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Dated: 14-7-1981

### FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# Smt. Devagi Ammal, W/o Sri Ramaswamy, No. 24, Chellammal Street, Aminjikarai, Madras-29.

(Transferor)

(2) Sri K. P. Ramaswamy, S/o Sri Perumal, No. 62, Nannayya Maistry Street, Madras-81.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th July 1981

Ref. No. 11/November/80—Whereas, 1, R. RAVICHAN-DRAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 372/2 and 376/17, situated at Nowroji Street, Chetput, Madras-31,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

J.S.R.I., Madras North, Madras on 30-11-1980 (Document No. 4823/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

ing persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovat property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land at R. S. Nos. 372/2 and 376/17, Nowroji Street, Chetput, Madras, measuring 4 ground and 400 Sq.— document No. 4823/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Dated: 14-7-1981

eal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th July 1981

Ref. No. 12/November/80-Whereas, I, R. RAVICHAN-DRAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 372/2 and 376/17, situated at Nowroji Street, Chetput, Madras-31.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R.I., Madras North, Madras on 15-11-1980

(Document No. 4824/80),

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sti Venkatakrishnan,
 S/o Sri Kuppuswamy Naidu,
 No. 46, Nowroji Road,
 Chetput, Madras-31.

(Transferor)

(2) Sri K. P. Ramaswamy, S/o Sri Perumal, No. 62, Nannayya Maistry Street, Madras-81.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (:1) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE.

(Land at measuring 4 ground and 400 sq. ft. R. S. Nos. 372/2 and 376/17, Nowroji Road Chetput, Madras-31—Document No. 4824/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Dated: 14-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 14th July 1981

Ref. No. 16/November/80---Whereas, I, R. RAVICHAN-DRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 99 (Old No. 59), situated at Harrington Road, Chetput, Madras-31

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Perjamet, Madras (Document No. 1392/80) on 30-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- 1. (1) B. Purushothama Reddy (2) P. Prakasam
- - Gnanaprakasam (4) M. Alamelu Ammal
  - (5) M. Ramaswamy
  - (6) M. Bakthavatsalam
  - M. Jayakumar (8) M. K. Saikumari
  - (9) M. Lakshmi Narasimhan
- (10) Dr. Mahendran
- (11) M. Kalyani
- (12) M. Vishwapriya All residing at No. 48, Acrot Road, Saligramam,

Madras-96.

(Transferor)

(1) Jugal Kishore Jalan, 25, Taylor's Road, Madras-10.

(2) Rajendrakumar Jalan,

No. 14, Lakshmi Street, Madras-10,

(3) Birendrakumar Jalan, No. 25, Taylor's Road, Madras-10.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPDANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Land and building at Door No. 99 (Old No. 59), Harrington Road, Chetpet, Madras-31-Document No. 1392/80).

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Dated: 14-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Sri Venkatakrishnan,
 S/o Sri Venkatasubbaier,
 Gandhipuram Extension,
 Namakkal (Salem District).

(Transferor)

(2) Smt. Sadhasivakarmalai Chellammal, Nadukombni Village, Namakkal Taluk, (Salem District).

may be made in writing to the undersigned-

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, 14th July 1981

Ref. No. 42/November/80,---Whereas, I, R. RAVICHAN-DRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 8½ and 90/3, situated at Nadukombai Village, Namakkal Taluk, Salem District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sendamangalam (Document No. 1759/80) on 10-11-1980 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act. to the following persons. namely:—
28—206GI/81

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land at S. Nos. 8½ and 90/3, Nadukombai Village, Namakkal Taluk (Salem District), measuring 3.50 acres—Document No. 1759/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Dated: 14-7-1981

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ' F THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS Madras-600 006, the 15th July 1981

Ref. No. 13/November/80---Whereas, I, R. RAVICHAN-DRAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. R.S. No. 4658 & 4659 and, situated at Door No. 218, Linghi Chetty Street, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

J.S.R.I., Madras North (Document No. 4860/80) on 30-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 All India Trading Co., No. 183, Linghi Cherty Street, Madras-1.

(Transferor)

 Mulla Abdul Hussain Ranghibai Vagh Trust, No. 218, Linghi Chetty Street, Mndras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at Door No. 218, Linghi Chetty Street, Madras-Document No. 4860/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Dated: 15-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACOUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 15th July 1981

Ref. No. 68/November/90--Whereas, I, R. RAVICHAN-DRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Dr. No. 35, Sireni, Cuddalore, situated at Main Road, Ammapettai, Salem Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

J.S.R.I., Salem (Document No. 6540/80) on 30-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

1. (1) Sri S. Nataraja Chettiar,

(2) Sri J. Rajeswari an(3) Sri E. R. Moorthi, Sri J. Rajeswari and

No. 1, Vidyalaya Road, Kumarasamypatti, Salem.

(Transferor)

(1) Sri S. Rajamannar,
 (2) Sri S. Veerasamy,
 (3) Sri S. Chandrasekaran and
 (4) Minor S. Venkata Gupta,

(Guardian: S. Rajamannar) No. 22, Arya Vaisya Street, Sevvaipettai, Salem.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land & building at Door No. 35, Sireni, Guddalore Main Road, Ammapettai, Salem Town, measuring 20453 sq. ft. with machinery—Document No. 6540/80).

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Dated: 15-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 15th July 1981

Ref. No. 79/November/90—Whereas, I, R. RAVICHAN-DRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. Nos. 1092 and 1093, situated at Vadiveeswaram village,

Kanyakumari District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagarcoil on 30-11-1980

(Document No. 4448/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any inome arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri S. Gopalan, S/o Sri A. Saravana Panicker, Samarasa Street, Kottar, Nagercoil.
- (2) Shri E. S. Rajamani, S/o Sri Shanmugham, (M/s. Sree Shanmugha PharMacy), Irulappapuram, Nagercoll.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land at S. Nos. 1092 and 1093, Vadiveeswaram Village, Kanyakumari District (Tamil Nadu), measuring 6.24 acres—Document No. 4448/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Dated: 15-7-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2671—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schdule situated at V. Mansa Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa on Nov., 1980 for an apparent consideraiotn which is less than

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Daljit Kaur W/o Zora Singh r/o V. Mansa Khurd, Tehsil Mansa Distt. Bhatinda.

(Transferee)

(2) Shri Harcharan Singh, Gurtej Singh, So Sh. Dalip Singh, r/o Village Mansa Kalan Tchsil Mansa Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(3) As S. No. 2 above

(Person in occupation of the property).

Any other person interested in the property

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3791 of Nov., 80 of the Registration Authority, Mansa.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Dated: 30-6-91

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2672—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schdule situated at V. Mansa Kalan

No. As per schdule situated at V. Mansa Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa on Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exaceds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Zora Singh S/o Sham Singh r/o Village Mansa Khurd, Tehsil Mansa Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Harcharan Singh, Gurtej Singh, S/o Dalin Singh, R/o Village Mansa Kalan, Tehsil Mansa Distt. Bhatinda,

(Transferee)

\*(3) As S. No. 2 above (Person in occupation of the property).

\*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3826 of Nov., 80 of the Registering Authority, Mansa.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Dated: 30-6-91

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2673.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R<sub>5</sub> 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at New Vijav Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Joginder Singh S/o Shri Puran Singh R/o Village Litran, Tehsil Nakodar, Distt, Juliundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Meena Vijh Wife of Dr. Sushil Vijh R/o House No. E.B. 140, Kazi Mohalla, Jullundur.

(Transfereo)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5005 of Nov. 80 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GJRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 30-6-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2674—Wherels, I. R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Defence Colony, Juliundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of ANV Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Lachhman Dass S/o Sh. Gurdas Ram R/o Adampur Tehsil & Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Tirath Chand Pal S/o Shri Inder Dass Pal r/o Village Baring Teh. & Distt, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5138 of Nov., 80 of the Registering Authority, Jullundur,

> R. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jullundur

Date: 30-6-81

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2675—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Kartarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kartarpur on Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——29—206GI/81

- (1) Shri Charan Singh S/o Bara Singh, r/o Kartarpur Distt. Jullundur.

  (Transferor)
- (2) Shri Mehanga Singh S/o Sh. Mohan Singh r/o Beas Pind, Distt. Jullundur.

  (Transferec)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 867 of the Registering Authority, Jullundur,

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Jullundur

Date: 30-6-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2676.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at V. Kartarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kartarpur on Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Charan Singh S/o Sh. Bara Singh R/o Kartarpur, Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Karnail Singh, Parmjit Singh Ss/o Mehnga Singh R/o Pind Beas, Distt. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property),
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 885 of Nov. 1980 of the Registering Authority, Kartarpur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 30-6-81 Seal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2677—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Gidherbah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gidherbah on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Joginder Singh S/o Sh. Phoola Singh r/o Maur Mandi Khurd Distt. Bhatinda. (Transferor)
- (2) Prabha Singh & Baldev Singh Ss/o Biba Singh r/o Ward No. 8, Gidherbah Tehsil Muktsar Distt. Faridkot, and S/Sh. Resham Singh, Labh Singh Ss/o Gurdev Singh, r/o Ward No. 8, Gidherbah Tehsil Muktsar, Distt. Faridkot.

(Transferees)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1387 of January, 81 of the Registering Authority, Gidharbah,

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Dated: 30 6-81

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2678.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Vill. Mansa Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa in Jan., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Frow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sher Singh S/o Sh. Kishan Singh R/o Bus Stand, 'Mansa Distt. Bhatinda, and Sh. Gurnam Singh S/o Sh. Sher Singh R/o V. Mansa Kalan, Teh. Mansa Distt. Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Sher Singh S/o Sh. Nidhan Singh r/o V. Mansa Kalan, Teh. Mansa Distt. Bhatinda. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5128 of January, 81 of the Registering Authority, Mansa.

R. GIRDHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 30-6-1981

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2679.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at V. Mansa Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mansa on Jan., 1980(1/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurbachhan Singh, Balvinder Singh Ss/o Sher Singh R/o V. Mansa Kalan, Tehsil Mansa Distt. Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Shrimati Jaswant Kaur Wife of Sh. Sher Singh R/o V. Mansa Kalan, Tehsil Mansa, Distt. Bhatinda. (Transferees)
  - (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
  - (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration—sale deed No. 5129 of January, 81 of the Registering—Authority, Mansa.

R. GIRDHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 30-6-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2680.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys on other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the Act, to the following versors, namely:—

(1) Shri Balram Raj S/o Balwant Ram General Attorney 249-Adarsh Nagar, Jullundur of Sh. Prithvi Pal Singh S/o Sant Singh R/o V. Dhangala Teh. Dasuya.

(Transferor)

(2) Shri Sarwan Singh Dogra S/o Hazara Singh r/o H. No. BH-128, Santokhpura, Jullundur and Sh. Chanan Singh Johal S/o Raj Mal r/o Jandiala through Sh. B.S. Jagota Managing Director Link Land & Finance Pvt., Jullundur.

(Transferees)

- (3) As S. No. 2 above.
- (4) Any other person interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5049 of Nov., 80 of the Registering Authority, Juliundur.

R. GIRDHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 30-6-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2681.--Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

AS PER SCHEDULE situated at

Basti Sheikh, Jullundur (and more fully described in the Schedule hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jullundur on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfera, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shrimati Chand Rani Wd/o Shri Ram Lal, R/o H. No. W.A. 50, Guru Bazar, Jullundur.

(Transferor)

- (2) The Jullundur Shakti Co-operative House Building Society Ltd., Jullundur through Sh. Sat Paul Bagga R/o 66-A, Model House, Juliundur. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in this Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 4828 of November, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

> R. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 30-6-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. 2682.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

AS PER SCHEDULE situated at

Master Mota Singh Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Charan Dass S/o Shri Mangat Rom R/o V. Samrai, Distt. Jullundur.
  - (Transferor)
- (2) Shri Ajit Singh S/o Banta Singh and Smt. Harbans Kaur W/o Shri Ajit Singh R/o Vill. Pragpur P.O. Kukar Pind Distt. Jullundur.

(Transferce)

- (3) As S. No. 2 above.
  - (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5016 of November, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 30-6-1981

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2683.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

AS PER SCHEDULE situated at Banga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Banga on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
30—206GI/81

 Shri Sant Singh S/o Thakor Ram Nath Singh Self and Mukhtiar-Ai-Am Lekh Singh, Rameshwar Singh and Ram Partap S/o Joti Singh R/o Banga Teh. Nawanshehr, Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Jito W/o Shri Dogar Ram, Municipal Commissioner, Banga, Teh. Nawanshehr.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1438 of November, 1980 of the Registering Authority, Banga.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur,

Date: 30-6-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2684.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Banga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Banga on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Sant Singh S/o Thaker Rum Nath Singh self and Mukhtiar-Ai Am Lekh Singh, Rameshwar Singh and Ram Partap S/o Joti Singh, R/o Banga, Teh. Nawanshehr, Distt. Jullundur.

(Transferors)

(2) Shri Dogar Ram S/o Shri Banta Ram, Municipal Commissioner, Banga, Teh. Nawanshehr, Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

Lir. Kapur Singh Nagra, Main Road, Banga.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1439 of November, 1980 of the registering Authority, Banga.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 30-6-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2687.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kapurthala on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason for believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 192. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Gurmukh Singh S/o Shri Nihal Singh R/o Kapurthala. (Transferor)
- (2) Shri Jaswinder Singh, Balwant Singh, Kalwant Singh R/o Kapurthala. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if nay, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2238 of November, 1980 of the Registering Authority, Kapurthala.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 30-6-1981

#### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2688.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at Ferozepur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Ferozepur on January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dina Nath R/o Mall Road, Ferozepur City.

(Transferor)

(2) Shri G. L. Panchhi, Advocate, & Smt. Mohan Rani, R/o Ferozepur City.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 6116 of January, 1981 of the Registering Authority, Ferozepur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 30-6-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A. P. No. 2685.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at

Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on November, 1908

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bakshish Singh S/o S. Banta Singh Self and G.A. of (1) Shri Tara Singh, Nirmal Singh S/o S. Banta Singh, Mohan Singh, Nirmal Singh S/o S. Banta Singh, Mohan Singh S/o Shri Bhagat Singh Selg & G. A. of (1) Mathura Singh (2) Sohan Singh (3) Joginder Singh (4) Resham Singh, Puran Singh and Puran Kaur, Manjit Singh, Jaswinder Singh, Smt. Nasib Kaur, Smt. Kartari, Surjit Singh Self & G.A. of (1) Gurmit Singh (2) Bahadur Singh, Bagha Singh Self and G.A. of Swaran Singh R/o Khanowal Teh, & Distt. Kapurthala.
- (2) Shri Surjan Singh, Charan Singh R/o Kanjli Teh. Kapurthala and Narinder Kumar, Joginder Kumar Ss/o Shri Rakha Ram R/o Kapurthala.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2490 of November 1980 of the Registering Authority, Kapurthala.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 30-6-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th June 1981

Ref. No. A.P. No. 2686.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transfer to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any rooneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Bakshish Singh S/o S. Banta Singh Self and G.A. of (1) Shri Tara Singh, Nirmal Singh S/o S. Banta Singh, Mohan Singh, S/o Shri Bhagat Singh Self & G. A. of (1) Mathura Singh (2) Sohan Singh (3) Joginder Singh (4) Resham Singh, Puran Singh and Puran Kaur, Manjit Singh, Jaswinder Singh, Smt. Nasib Käur, Smt. Kartari, Surjit Singh Self & G. A. of (1) S. Gurmit Singh (2) Bahadur Singh, Bagha Singh Self and G.A. of Swaran Singh R/o Khanowal Teh. & Distt. Kapurthala.

(Transferors)

(2) Shri Mohinder Kumar S/o Parkash Chand, R/o Kapurthala and Sadhu Singh S/o Shri Atma Singh R/o Vidhi Pur Teh. & Distt. Kapurthala.

(Transferees)

(3) As S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquiistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale dec. No. 2512 of December 1980 of the Registering Authority, Kapurthala.

R. GIRDHAK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur,

Date: 30-6-1981

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

3RD FLOOR, SARAF CHEMBERS, SADAR NAGPUR

Nagpur, the 27th May 1981

No. IAC. ACQ/176/81.—Whereas, I, A. M. KHER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961. (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vizirabad, Nanded (and more fully described in the Schedule annexed here to), has

the damper fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at

Nanded on November, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Bombay Dyeing & Manufacturing Co., Vavile House, Heredia Marg, Ballard Estate, Bombay-38.

(Transferor)

(2) M/s. Balaji Trading Co., Vazirabad, Nanded, C/o Baheti & Co. Opp. Bank of Baroda, Vazirabad, Naded,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S. No. 54 (Part) and S. No. 71 (Part), Vizirabad, Nanded S. No. 54 (Part) and S. No. 71 (Part), Vizirabad, Nanded, open land, 37 acres 38 gunthas bounded on North—by Mahavir Coop. Hg. Society. South—by S. No. 56, part, East—by S. No. 53, part West—by S. No. 70, part.

A. M. KHER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Nagpur.

Date: 27-5-81

Scal:

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### NOTICE

#### STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1982

New Delhi, the 22nd August, 1981

No. F. 11/3/81-EI(B).—A competitive examination for recruitment to temporary vacancies in the Services and posts mentioned in para 2 below will be held by Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORTBLAIR, SHILLONG, SRINAGAR, TRIVANDRUM and at selected Indian Missions abroad ocumencing on 7th February, 1982 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Deptt. of Personnel and Administrative Reforms), in the Gazette of India, dated the 22nd August, 1981. No. F. 11/3/81-EI(B).—A competitive examination for

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES TO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I Para II).

- 2. The Services and posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Services and posts are given below:
  - (i) Indian Foreign Service (B)— 14 (Includes 2 vacancies (Grade II of the Stenographers Sub-cadre)

reserved for Scheduled Caste and 1 reserved for Scheduled Tribe candidates).

- (ii) Railway Board Secretariat Stenographers's Service—Grade C (for inclusion in the Select List of the Grade)
- Central Secretariat Steno-graphers' Service—Grade C (for inclusion in the Select (iii) Central list of the Grade)
- (iv) Armed Forces Stenographers' Grade C;

Headquarter
Service—

Service—

8 (Includes 5 vacancies reserved for Scheduled Caste and 3 reserved for Scheduled Tribe candidates).

(v) Posts of Stenographers in other departments/organisations and Attached Offices of the Govern-ment of India not participating to the LES (B) Rejurna Roard in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Stenographers Service/Central Secretariat Stenographers' Service/Armed Forces Headquarters Steno-graphers' Service

\*Vacancies not intimated by Government.

The number of vacancies mentioned above is liable to alteration.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/posts mentioned in para 2 above.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 7 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the Services/posts for which he applies.

- NOTE—Some departments/offices of the Government of India making recruitment through this examination will require only English Stenographers and appointments to posts of Stenographers in these departments/offices on the results of this examination will be made only from amongst those who are recommended by the Commission on the basis of the Written Test and Shorthand Test in English (cf. para 4 of Appendix I to the Rules).
- 4. A candidate is required to specify clearly in the application form the Services/posts for which he wishes to be considered. He is advised to indicate as many preferences as he wishes to so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences, when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services Posts for which he is competing would be considered from a candidate unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results of the written examination, in the Employment News.

- 5. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.
- NOTE—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY
  MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON
  THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE
  STENOGRAPHERS EXAMINATION, 1982 APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE
  ONE PRESCRIBED FOR THE STENOGRA-PHERS' EXAMINATION, 1982 WILL NOT BE ENTERTAINED.
- 6. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 19th October, 1981 (2nd November, 1981 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 19th October, 1981) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered. dered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad

may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 19th October 1981.

- NOTE (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.
- Note (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.
- 7. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 12.00 (Rupees Twelve) [Rs. 3.00 (Rupees Three) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes! through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENTS WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 8 BELOW.

8. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indi-Ceylon Agreement of October 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee or is an ex-serviceman as defined below.

"Ex-Serviceman" means a person, who has served in any rank (whether as a combatant or as non-combatant) in the Armed Forces of the Union (viz. Naval, Military or Air Force of the Union) including the Armed Forces of former Indian States but excluding the Assam Riffes, Defence Security Corps. General Reserve Engineer Force, Jammu & Kashmir Militia, Lok Sahayak Sena and Territorial Army, for a continuous period of not less than six months after attestation as on 19th October, 1981, and

(i) has been released, otherwise then by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or has been transferred to the reserve pending such release, or

- (ii) has to serve for not more than six months as on 19th October, 1981, for completing the period of service requisite for being entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid.
- 9. A refund of Rs. 3.00 (Rupee Three) [Re. 1.00 (Rupee one) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes] will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above and in para 10 below, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

- 10. If any candidate who took the Stenographers' Examination held in 1981 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1981 Examination, his candidature for the 1982 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund or fee is received in the Commission's Office on or before 7th January, 1982.
- 11. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 12. The question papers in General English and General Knowledge, as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules, will consist of objective type questions. For details pertaining to objective Type Tests including sample questions, reference may be made to "candidates Information Manual" at Annexure II.

VINAY JHA, Joint Secretary, Union Public Service Commission

#### ANNEXURE I

## INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad may be required to appear at his own expense, for the Stenography Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 7th January, 1982 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in lnk or with ball-point pen. All entries/answered should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

NOTE—CANDIDATES SHOULD CLEARLY SPECIFY IN COLUMN 9 OF THE APPLICATION FROM THE LANGUAGE IN WHICH THEY WISH TO ANSWER THE QUESTION PAPER ON ESSAY AND TAKE THE STENOGRAPHY TESTS VIDE PARAGRAPH 4 OF APPENDIX I TO THE RULES OF THE EXAMINATION. THE OPTION ONCE EXERCISED SHALL BE TREATED AS FINAL AND NO REQUEST FOR ALTERNATION IN THE SAID COLUMN SHALL BE ENTERTAINED. IF NO ENTRY IS MADE IN THE SAID COLUMN IT WILL BE ASSUMED THAT THE PAPER WILL BE ANSWERED AND THE SHORTHAND TESTS TAKEN IN ENGLISH.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form he uses Intrnational form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily rated employees or those serving under the Public Enterprises, are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
  - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificates in support of claim for fee remission (See paras 7 and 8 of Notice and para 6 below).
  - (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.
  - (iii) Attested/Certified copy of certificate of Educational qualification.
  - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm × 7 cm. approx.) photograph of the candidate, one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided for it

- (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (Sce para 4 below).
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable [See para 5(b) below].
- (vii) Attendance sheet (attached with the application form duly filled in.
- (viii) Two self-addressed unstamped envlopes of size approximately 11.5 cms × 27.5 cms.

NOTE (i) CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR SHORTHAND TESTS ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF MAY, 1982. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Note (ii) CANDIDATES ARE FURTHER REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED/CERTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES SENT ALONG WITH APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4, 5 and 6:

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made myable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India Main Branch, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft will also enot be accepted.

Note—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates the name and address should be written by the candidates for the purpose.

#### (ii) Certificate of Age-

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Heudmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

Note 1—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

Note 2—CÂNDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MAI'RI-CULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

Note 3—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO

AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

Note 4—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised school preparing students for the Indian School Certificate examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnical submit a certificate of age in the form prescribed under Note 3 below para 3 (iii) from the Principal/Headmaster of the school concerned and no other certificate as evidence of age will be required.

Note 5—In the case of candidates who are already in permanent Government Service the entries in their Service Book may be accepted as proof of the date of birth and educational qualifications.

(iii) Certificate of Educational Qualifications.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

Note 1—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

NOTE 2—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries regarding the result of the S.S.L.C. examination.

Note 3—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised School preparing students for the Indian School Certificate Examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of educational qualification in the form prescribed below from the Principal/Headmaster of the school concerned.

The form of certificate to be produced by the candidate [cf.: Note 4 under para 3 (ii) and Note 3 above].

This is to certify that :-

(1) Shri/Shrimati/Kumari\*

has passed

of this school which is the penultimate class of the course for Higher Secondary School/Indian School Certificate Examination/Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry/Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic\*.

(2) His/Her\* date of birth as recorded in the Admission Register of this School is

This has been verified from the Transfer Certificate/Statement made on behalf of the student at the time of his/hcr admission to the school\*.

(Signature of Headmaster/Principal\*)

· (Name of the School)

Date		<del></del>			
Place-	<del></del>				
*Strike	Out	whichever	ie	not	applicable

- Strike out whichever is not applicable.
- (iv) Two copies of photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm.×7 cm. approximately) photograph one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraphs 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.
- 4 A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer, as indicate below of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate. If both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district, in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes Candidates applying for appointment to posts under the Government of Indla.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*	
in District/Division* c	of the
State/Union Territory* belong to the Caste/Tribe* which is recognised	as a
Scheduled Castes/Scheduled Tribe* under :-	
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*	
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*	

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951\*

as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganslation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmit) Scheduled Castes Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes, Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh), Order,

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Ordor, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*

Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978\* the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978\*

2. Shri/Shri <u>n</u>	and/or*	• • •	• • •			
his/her* family	ordinarily	reside(s)	in	village/town*	•••	
of		E	istr	ict/Division*	of	the
State/Union Te	rritory* of					

Signature ---†Designation -

(with seal of office)

State/Union Territory\*

Place-	
Date	·

\*Please delete the words which are not applicable.

Note.—The term "ordinarily reside(a)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representa-tion of the People Act, 1950.

†Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates.

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/ Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/\*\*Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
  - \*\* (Not below the rank of 1st Class stipendiary Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.
- 5(a) Stenographers (including language Stenographers) Clerks/Stenotypists claiming age concession under Rule 6(B)

should submit a certificate in orginal from the Head of their Department/Office in the following form:—

\*(i) Certified that Shri/Shrimati/Kumari\*

is a regularly appointed Stenographer employed in the Office of which is a Department/Office of the Government of India/Union Territory\* of less than 3 year continuous Service as Stenographer/Clerk/Stenotypist/R.M.S. Sorter\* on 1st January, 1982 and continues/would continue to be employed as a Stenographer.

Certified further that hc/she" has not been appointed on the results of an earlier examination held by the Union Public Service Commission in CSS/RBSSS/IFSB Stenographers Sub-Cadre/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service."

	Signature————
Date	Designation—————
No	
	Ministry/Office———
	Office Stamp

\*Strike out whichever is not applicable.

- (b) (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6 (C) (ii) or 6(C) (iii) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971:—
  - (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States:
  - District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
  - Additional District Magistrates in Charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
  - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
  - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.
- (ii) A repartriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6(C) (iv) or 6 (C) (v) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is

to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

- (iii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania formerly Tanganyika and Zanzibar or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 6(C) (vi) or Rule 6(C) (vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident to show that he is a bona jide migrant from the countries mentioned above.
- (iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(C) (viii) or 6(C) (ix) and/or remission of fee under paragarph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (v) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 6(C) (x) or 6(C) (xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director-General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certifie	d that	Rank 1	√о, <i>-</i>			Shri -		
of Unit -								
Scrvice, i	in oper	ations d	uring	hos	tlities v	with a	foreign	coun-
try/in a		d area*	and	was	release	d as a	result	of such
disability.	•							

Signature			 				
Designation	. ac	٠.	 		٠.		
Date		٠.	 	٠.		٠.	 

\*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 6(c) (xii) or 6(c) (xiii) should produce, an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Directorate General Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Signature	٠	,			
Designation.		,			
Date	_				

(vii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Viietnam claiming are concession under Rule 6(c) (xiv) or Rule 6(c) (xv) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July 1975.

6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(b) (i), (ii) and (iv) above and seeking remission of the fee under paragraph 8 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

An ex-serviceman claiming remission of fee under para 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of the Discharge Certificate issued to him by the Army/hir Force/Naval authorities, as proof of his being an ex-serviceman. The certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces, or the anticipated date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces.

- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India.
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any maccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not tpso facto make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. Every application including late ones received in the Commission's Office is acknowledged and Roll No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Roll No. has been issued to the candidate does not, *tpso-facto*, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month ocfore the commencement of he examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any ctaim to consideration.
- 12. Copies of pamphlet containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publication, Civil Lines, Delhi-110006, and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C Block' Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale Counter of the Publications Branch, Udyog Bhawan. New Delhi-110001 and (lii) the Government of ndia Book Depot 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the

agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

- 13. Cndidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.
- 14. Communications regarding Application.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
  - (1) NAME OF EXAMINATION.
  - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
  - (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
  - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
  - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i)—Communications not contains the above particulars may not be attended to.

N.B. (ii)—If a letter/communication is received from a candidate after an examination has been held and it does not give his full name and roll number, it will be ignored and no action will be taken thereon.

15. Change in Address.—A. CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 14 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

#### ANNEXURE II

#### CANDIDATES INFORMATION MANUAL

#### A. Objective Test

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

#### B. Nature of the Test

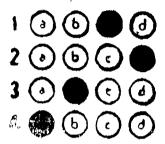
The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklee will contain items bearing numbers 1, 2, 3, ... etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

#### C. Method of Answering

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate),

will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Aginst each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



#### IT IS IMPORTANT THAT-

- You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- To change a wrong marking, erase it completely and remark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- Do not handle your Answer Sheet in such a manuer as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

### D. Some Important Regulations

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor, YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Superviser. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil

sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a dip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

#### E. Special Instructions

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

#### F. Some Useful Hints

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming carcless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

#### G. Conclusion of Test

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall

#### SAMPLES ITEMS (QUESTIONS)

(Note: -\*Denotes the correct/best answer-option)

### 1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure
- \*(h) the pressure of blood is more than the atmospheric pressure
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure

#### 2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- \*(d) largest so far

#### 3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below

- \*(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing

#### 4. (Chemistry)

The anhydride of H<sub>3</sub>VO<sub>4</sub> is

- (a) VO<sub>3</sub>
- (b) VO<sub>4</sub>
- (c) V<sub>2</sub>O<sub>3</sub>
- \*(d) V<sub>2</sub>O<sub>5</sub>

#### 5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- •(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product

#### 6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permitivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) <sub>3</sub>C
- (b) C
- •(c) C/3
- (d) C/9

#### 7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- \*(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

#### 8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0$$
 is given by

- (a) y = ax + b
- (b) y = ax
- (c)  $y = ae^x + be^{-x}$
- $\bullet$ (d) y = aex—a

#### 9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures  $4000^{\circ}$  K and  $300^{\circ}$  K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- \*(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

# 10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance is

- (a) 42
- \*(b) 3
- (c) ∞
- (d) —5

#### 11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- •(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country

#### 12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion
- \*(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual

#### 13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following:

- (a) Buddhism, Nyāya, Cārvāka, Mimārhsā
- (b) Nyāyā, Vaisesikā, Jainism and Buddhism, Cārvākā
- (c) Advaita, Vedāntā, Sāmkhya, Cārvāka Yoga
- \*(d) Buddism, Sāmkhya, Mimāmsā, Cārvāka

### 14. (Political Science)

'Functional representation' means

- \*(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation
- (b) pleading the cause or a group of a professional association
- (c) election of representatives in vocational organiza-
- (d) indirect representation through Trade Unions

### 15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- \*(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

#### 16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:

- \*(a) formal representation of women and weaker sections in village government
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses

Note:—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.